सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

मंगलवार, 08 सितम्बर , 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 60, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

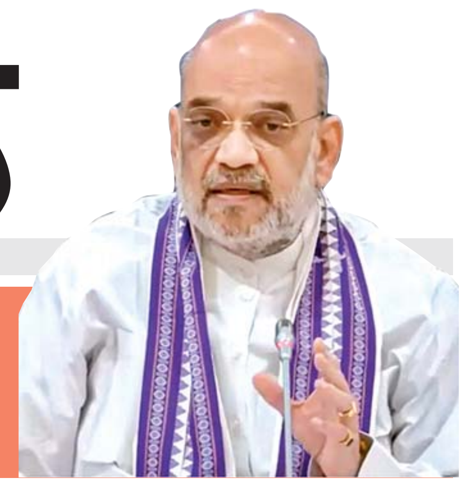

सेंसेक्स में 383 अंकों की गिरावट

शेयर बाजार में गिरावट आयी और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे, और सेंसेक्स 383 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी 119 अंक नीचे आया। } 10

भारत ने कायम रखी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत ने वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद अन्य देशों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर और रणनीतिक साझेदारियां कायम कर अपनी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है। } 12

डिवाइडर से टकराकर पलटा वाहन, 12 की मौत

बागपत में हुआ हादसा, 20 अन्य लोग घायल, जांच में जुटी पुलिस

जिला संवाददाता

बागपत (उप्र)। राजस्थान से उत्तर प्रदेश के बदायूं जा रही एक पिकअप गाड़ी के बागपत जिले में डिवाइडर से टकराकर पलट जाने से उसमें सवार 12 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

बागपत के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तीरथ लाल ने पीटीआई-भाषा से बातचीत के दौरान हादसे में अब तक 12 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान की जा रही है। इससे पहले, मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अजीत चौधरी ने हादसे में छह लोगों की मौत होने की पुष्टि की थी। पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने बताया कि राजस्थान से बदायूं जा रहा एक पिकअप वाहन रविवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे खेकड़ा थाना क्षेत्र में डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। राय ने बताया कि घायलों को खेकड़ा और बागपत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और बागपत के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने ...शेष पृष्ठ 10 पर

रक्षा मंत्रालय ने 1.10 लाख करोड़ के खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी

सेना के तीनों अंगों को मिलेगा रडार, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर व मैकेनिकल माइन लेयर व अन्य सैन्य साजो-सामान

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सेना के तीनों अंगों के लिए रडार, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और मेकेनिकल माइन लेयर (एक विशेष प्रकार का वाहन) समेत सैन्य साजो-सामान की खरीद को सोमवार को मंजूरी दी। इन प्रस्तावों की अनुमानित लागत 1.10 लाख करोड़ रुपये है और इनका उद्देश्य सशस्त्र बलों की समग्र युद्धक क्षमता को बढ़ाना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी। मंत्रालय ने कहा, डीएसी ने करीब 1,10,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली रक्षा बलों की विभिन्न खरीद संबंधी परियोजनाओं को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की, जो सैद्धांतिक प्रशासनिक मंजूरी है। मंत्रालय ने कहा, भारतीय थल सेना के लिए रासायनिक, जैविक, रेडियोधर्मी एवं परमाणु

(सीबीआरएन) टोही वाहनों, उच्च गतिशीलता वाले वाहन (एचएमवी), स्वचालित मेकेनिकल माइन लेयर (एमएमएल), उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच), ट्रॉल टैंक और सर्वत्र पुल प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई है। सीबीआरएन टोही वाहन सीबीआरएन पदार्थ से दूषित क्षेत्रों का पता लगाने, उनकी पहचान करने, निगरानी करने और उन्हें चिह्नित करने में सक्षम होंगे। एचएमवी से चुनौतीपूर्ण इलाकों में सैन्य अभियानों की क्षमता, रसद सहायता और आवाजाही में सुधार होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा एएलएच भारतीय थल सेना और भारतीय वायुसेना के लिए सभी प्रकार के इलाकों और विभिन्न अभियान परिस्थितियों में जटिल मिशन को अंजाम देंगे। ट्रॉल टैंक और पुल प्रणाली का इस्तेमाल विभिन्न इलाकों में अभियानों के दौरान लड़ाकू संरचनाओं के लिए संयुक्त रूप से मार्ग तैयार करने में किया जाएगा।

भारतीय नौसेना के लिए अरुध्रा रडार तथा मरीन गैस टर्बाइन (एमजीटी) के डिजाइन एवं विकास और उसके बाद उनकी खरीद को एओएन प्रदान की गई। अरुध्रा रडार विभिन्न नौसैनिक वायु स्टेशन पर मौजूदा हवाई मार्ग निगरानी रडार की जगह लगाए जाएंगे। वहीं, युद्धपोतों में प्रणोदन प्रणाली के रूप में इस्तेमाल होने वाले एमजीटी से विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। मंत्रालय के ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

पॉक्सो का आरोपी ट्रेन से कूदकर फरार, तीन पुलिसकर्मियों पर केस

आगरा। गुजरात से उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर लाया जा रहा एक आरोपी आगरा के किरावली रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी मिर्जापुर में नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में वांछित था। पुलिस के मुताबिक, लापरवाही बरतने के लिए तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मिर्जापुर जिले के पड़री थाना क्षेत्र से सूरज पांडेय ने दो सितंबर को एक नाबालिग लड़की का अपहरण किया था। पुलिस की एक टीम आरोपी और लड़की की तलाश में गुजरात के सूरत पहुंची, जहां से उसे पकड़ लिया गया तथा लड़की को उसके चंगुल से मुक्त करा लिया गया। इसके बाद चार सितंबर को मधुबनी एक्सप्रेस से दोनों को वापस लाया जा रहा था। आरोपी मौका पाकर चलती ट्रेन से कूद गया और फरार हो गया।

अमृतसर में संदिग्ध ड्रोन गतिविधियां, सात उड़ानें दिल्ली डायवर्ट

अमृतसर। अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिचालन क्षेत्र के आसपास कई संदिग्ध ड्रोन गतिविधियां दिखने के बाद दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित सात विमानों का मार्ग बदलकर उन्हें दिल्ली भेजना पड़ा। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। रविवार रात करीब 10 बजे रनवे क्षेत्र के पास ड्रोन जैसी वस्तुएं देखी गईं। अधिकारी ने बताया कि तुरंत सुरक्षा तंत्र सक्रिय हो गया और पंजाब पुलिस तथा अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया। श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निदेशक अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि रविवार रात हवाई अड्डे के परिचालन क्षेत्र के आसपास कई संदिग्ध ड्रोन देखे गए।

नयी पीढ़ी ग्लोबल हो, पर हृदय में हो भारत : योगी

सीएम योगी वेंकटचलम, नेल्लोर में स्वर्ण भारत ट्रस्ट के स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

विशेष संवाददाता

वेंकटचलम (नेल्लोर)। स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचते ही जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उनका स्वागत किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक दौर ने भारत की स्वावलंबी ग्रामीण व्यवस्था को कमजोर किया। गांवों की आत्मनिर्भरता और स्थानीय संस्थाओं पर इसका असर पड़ा, लेकिन गांवों की आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई। स्वर्ण भारत ट्रस्ट का ब्रिज स्कूल और उत्तर प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालय अलग राज्यों में होने के बावजूद समान सोच के साथ वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य ऐसी नई पीढ़ी तैयार करना है, जो ग्लोबल भी हो और रूटेड भी, आधुनिक तकनीक से लैस हो, लेकिन हृदय में भारत, संस्कृति पर गर्व, अपनी जड़ों का बोध, समाज के प्रति संवेदनशीलता और नेशन फर्स्ट की भावना रखती हो। तकनीक भेदभाव नहीं करती और नए भारत ने गांव की ताकत को नई तकनीक से जोड़ दिया है। सीएम ने वेंकैया नायडू को उत्तर व दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक व आध्यात्मिक सेतु बताया।

मुख्यमंत्री ने स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और शुभचिंतकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वेंकैया नायडू बहुआयामी व अत्यंत संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी हैं। सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अपनी सरलता, सहजता और सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता के बल पर पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई। सार्वजनिक जीवन में ऐसा विराट व्यक्तित्व मिलना दुर्लभ है, जो दल और विचारधारा की सीमाओं से ऊपर उठकर सभी को समान रूप से साथ लेकर चले और जिसकी सर्वत्र स्वीकार्यता हो। राज्यसभा सभापति के रूप में दायित्वों के निर्वहन में यही व्यापक स्वीकार्यता दिखाई देती थी। उनका योगदान राजनीति तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने तेलुगु संस्कृति, खान-पान और वेश-भूषा को देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2001 में एक व्यक्ति ने शासन में रहकर समाज सेवा की यात्रा प्रारंभ की थी, आज वह भारत के प्रधानमंत्री हैं। उसी वर्ष समाज सेवा की एक और यात्रा शुरू हुई, जो स्वर्ण भारत ट्रस्ट के रूप में हम सबके सामने है। 25 वर्ष बाद दोनों यात्राओं का लक्ष्य एक ही है- विकसित भारत। जब सरकार और समाज दोनों की दिशा एक हो, दोनों का संकल्प एक हो और दोनों लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करते हैं, तो अवश्य परिणाम आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति हमारे गांव रहे हैं। सदियों तक गांव अर्थव्यवस्था, सामाजिक जीवन और संस्कृति के केंद्र रहे। वे उत्पादन, ज्ञान और जल संरक्षण के साथ ही कला-शिल्प के केंद्र रहे हैं तथा सामाजिक मूल्यों की मूल इकाई भी रहे हैं। कृषि, पशुपालन, शिल्प, व्यापार, स्थानीय संस्थाएं, सभी एक दूसरे से जुड़ी थीं। गांव की अर्थव्यवस्था एक सर्कुलर इकॉनमी थी। एक का उत्पादन दूसरे की आजीविका बनता था। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक दौर का असर केवल अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ा। गांव की आत्मनिर्भरता कम हुई। स्थानीय संस्थाएं कमजोर हुईं और ग्रामीण भारत की विकास यात्रा पर आघात हुआ। सीएम ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान चेतना की एक नई दिशा दी थी। उनका आह्वान था- 'बैक टू विलेज'। वे 'ग्राम स्वराज' ...शेष पृष्ठ 10 पर

भारत और बांग्लादेश विश्वास के आधार पर काम करने को सहमत

ढाका। भारत और बांग्लादेश ने सोमवार को द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की और पारस्परिक विश्वास एवं आपसी लाभ के आधार पर भविष्य को ध्यान में रखते हुए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री के सलाहकार मो. इस्माइल जबीउल्ला से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों पर चर्चा की। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया लोगों के बीच आपसी संबंध ही द्विपक्षीय संबंधों की नींव होते हैं और बातचीत में इसी बात पर जोर दिया गया।

उच्चायोग ने कहा कि दोनों राजनयिकों ने भारत-बांग्लादेश संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय उच्चायोग ने उम्मीद जताई कि दोनों संप्रभु देश पारस्परिक विश्वास और आपसी फायदे के आधार पर भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। त्रिवेदी ने बांग्लादेश के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री अब्दुल अवल मिंटू और राज्य मंत्री शेख फरीदुल इस्लाम ...शेष पृष्ठ 10 पर

इमारत हादसा : एमसीडी उपायुक्त समेत 5 सस्पेंड

बचाव अभियान पूरा, सात लोगों की हुई मौत, 12 घायल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक इमारत ढहने से सात लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के उपायुक्त समेत पांच अधिकारियों को सोमवार को निलंबित कर दिया गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोमवार को बताया कि गुप्ता के निर्देश पर एमसीडी के दक्षिण जोन के उपायुक्त (डीसी) राकेश कुमार के साथ-साथ अधिशासी अभियंता, अधीक्षण अभियंता सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को निलंबित कर दिया गया है। आदेश की प्रति के मुताबिक, निलंबित अधिकारियों में दक्षिण क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता रणवीर सिंह,

अधिशासी अभियंता (भवन) ललित कुमार गोयल, सहायक अभियंता (भवन) सुनील चौहान और कनिष्ठ अभियंता (भवन) आशीष कुमार शामिल हैं। निगम के सतर्कता विभाग ने इन अधिकारियों के निलंबन आदेश जारी किए हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को दूसरे दिन घटनास्थल पहुंचीं और बचाव कार्यों का जायजा लिया। यह इमारत रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे मरम्मत कार्य के दौरान ढह ...शेष पृष्ठ 10 पर

भारत-चीन की सेनाओं के बीच हुई शांति वार्ता

नयी दिल्ली। सीमा विवाद को लेकर बीजिंग में विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता के कुछ दिन बाद भारत और चीन की सेनाओं ने अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति की समीक्षा की।

सूत्रों ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के किबिथू क्षेत्र में वाचा-दमाई सीमा बैठक स्थल पर हुई कोर कमांडर स्तर की वार्ता का मुख्य उद्देश्य सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सेना की दीमापुर स्थित तीसरी कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। वार्ता को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी क्षेत्र में एलएसी के पास चीनी सैनिकों...शेष पृष्ठ 10 पर

विकास के साथ हिमालयी पर्यावरण की सुरक्षा भी जरूरी

सीएम धामी ने 'हिमालयो नाम नगाधिराजः' नामक कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। हिमालय को उत्तराखण्ड की पहचान, संस्कृति और जीवन का आधार बताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य के विकास की दिशा ऐसी होनी चाहिए, जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ हिमालयी पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तराखण्ड के विकास का टिकाऊ रास्ता इकोलॉजी और इकोनॉमी के संतुलन से ही निकलेगा।

मुख्यमंत्री ने वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हिमालय दिवस के अवसर पर आयोजित हिमालयो नाम नगाधिराजः कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने हिमालय परिषद् में

मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों के विस्तार के लिए 1 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने हिमालय के संरक्षण, संवर्धन और सतत विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और हिमालयी क्षेत्रों के लिए समर्पित विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित करने के लिए हिमालय विभूति सम्मान शुरू करने की घोषणा की। यह सम्मान प्रत्येक वर्ष हिमालय दिवस के अवसर...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	30.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- मुख्यमंत्री आज करेंगे यूपी टेक्स का उद्घाटन (पृष्ठ-02)
- हापुड़ बाईपास तक बनेगी 105 मीटर चौड़ी सड़क (पृष्ठ-02)
- रुपया सात पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर (पृष्ठ-10)
- वाहनों की खुदरा बिक्री 17.51 प्रतिशत बढ़ी (पृष्ठ-10)
- अब निवेशक समूह का ब्योरा देने की जरूरत नहीं (पृष्ठ-10)

विशेष खबर — आगरा, गाजियाबाद, कानपुर और प्रयागराज समेत 16 शहरों ने टॉप रैंकिंग में बनायी जगह

स्वच्छ हवा में यूपी का परचम, लखनऊ नम्बर वन

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वच्छ हवा को लेकर किए जा रहे लगातार प्रयासों ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से कराए गए सर्वेक्षण में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में लखनऊ ने पहली बार इंदौर को पीछे छोड़ते हुए देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। बीते साल अपना शहर 15वें पायदान पर था। साल 2022 में अपना शहर देश में पहले पायदान पर आया था। यह पुरस्कार 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में मिला है। वार्डों की श्रेणी में पेपर मिल कॉलोनी वार्ड को भी देश में

पहला पुरस्कार मिला है। सोमवार को दिल्ली में पर्यावरण भवन में आयोजित कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस मौके पर नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौजूद रहे। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में जो शहर देश में टॉप थ्री हैं। उनमें लखनऊ पहले नंबर पर, इंदौर दूसरे नंबर पर और जबलपुर तीसरे नंबर पर है।

लखनऊ ने 198 अंक के साथ प्रथम स्थान जबकि इंदौर 197 और जबलपुर 195 अंकों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं। यह उपलब्धि केवल राजधानी लखनऊ तक सीमित नहीं है। प्रदेश के 16 शहरों ने अलग-अलग आबादी वर्गों में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश में स्वच्छ वायु को लेकर शहर स्तर से लेकर वार्ड स्तर तक योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उत्तर प्रदेश के कई शहरों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। आगरा 192 अंकों के साथ चौथे, गाजियाबाद 184 अंकों के साथ नौवें, कानपुर 183.2 अंकों के साथ 11वें और प्रयागराज 180 अंकों ...शेष पृष्ठ 10 पर

कानपुर में उफनायी पांडु नदी, कई इलाकों में बाढ़

जिला संवाददाता

कानपुर। कानपुर शहर तथा कानपुर देहात के कई इलाकों में उफनती पांडु नदी की वजह से बाढ़ आ गई है, जिससे लगभग 40 हजार लोग और एक हजार से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। बाढ़ का पानी आवासीय इलाकों में घुस गया है और सड़क संपर्क बाधित हो गया है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कानपुर बैराज में नदी का ऊपरी जलस्तर 114.200 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी के निशान 114 मीटर को पार कर गया है और खतरे के निशान 115 मीटर के करीब पहुंच गया है। बाढ़ का पानी कई आवासीय इलाकों में घुस गया है। कुछ सड़कों पर पांच-सात फुट और निचले इलाकों में घरों के अंदर छह फुट तक पानी दर्ज किया गया। कई परिवार बाहर चले गए हैं, जबकि कुछ निवासी छतों पर फंसे हुए हैं। वरुण विहार में निचले इलाकों में घरों में पानी भर गया है और कुछ झोपड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कई विस्थापित परिवारों को गुजैनी नहर के किनारे प्लास्टिक शीट से आश्रय बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है प्रशासन ने बर्रा-8 में मायापुरम, रविदासपुरम और वरुण विहार के निवासियों के लिए राहत शिविर स्थापित किया है। जिलाधिकारी और स्थानीय विधायक सुरेंद्र मैथानी ने प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री बांटी। पिपौरी गांव में 200 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं।

C M Y K

कहानी सुनेंगे, सवाल पूछेंगे और चित्र बनायेंगे बच्चे

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर आज चलेगा आओ सुनें और सुनायें कहानी अभियान

- प्रदेश के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में आयोजन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बालवाटिका के बच्चों में भाषा, कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच विकसित करने के लिए योगी सरकार 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में ह्यआओ सुनें और सुनाएं कहानीह्न अभियान चलाएगी। इसके तहत सभी को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों, बालवाटिकाओं और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में कहानी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को सहज और आनंदमय बनाते हुए उनमें सुनने, समझने, अपनी बात कहने और कल्पना करने की क्षमता विकसित करना है। कहानी के माध्यम से बच्चों को संवाद और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर भी दिए जाएंगे। बालवाटिका में निर्धारित दिवस योजना के अनुसार स्वागत और स्वतंत्र खेल गतिविधियों के बाद कहानी सत्र में यह कार्यक्रम होगा। बच्चों की आयु के अनुरूप बिग बुक या स्थानीय कहानी का चयन किया जाएगा।

कहानी में नैतिक संदेश के साथ बच्चों की रुचि और कल्पनाशीलता का भी ध्यान रखा जाएगा। कहानी सुनाने के दौरान बच्चों से खुले और बंद छोर वाले प्रश्न पूछे जाएंगे। उन्हें अपने विचार और उत्तर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। गतिविधि के बाद बच्चे कहानी से प्रेरित चित्र बनाएंगे और अपने बनाए चित्र के बारे में अपनी बात भी बताएंगे। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में भी विशेष आयोजन होंगे। यहां कहानी वाचन, चर्चा, प्रश्नोत्तर और रचनात्मक गतिविधियां कराई जाएंगी।

स्थानीय जरूरतों के अनुसार नवाचारों को भी शामिल किया जा सकेगा। कार्यक्रम में आसपास की बालवाटिकाओं के आंगनबाड़ी कार्यकताओं, एकेडमिक रिसोर्स पर्सन, बच्चों और अभिभावकों को भी जोड़ा जा सकता है। बच्चों को कागज और रंग उपलब्ध कराकर कहानी से प्रेरित चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उनकी रचनाओं को प्रदर्शित कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए प्रधानाध्यापक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षण सहयोगियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बच्चों द्वारा तैयार रसामग्री को सुरक्षित रखने और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया है।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि सरकार बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत आधार देने के लिए सीखने को आनंद और रचनात्मकता से जोड़ रही है। कहानी आधारित गतिविधियों से बच्चों में भाषा, कल्पनाशीलता और अभिव्यक्ति का विकास होगा।

मिशन-2027 के लिए भाजपा अवध क्षेत्र की नयी टीम को मिला मंत्र

बूथ मजबूत करने पर जोर, संगठन की मजबूती का दिया संदेश

- प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से किया परिचय

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भाजपा अवध क्षेत्र की नवनियुक्त टीम का परिचयात्मक कार्यक्रम सोमवार को हजरतगंज स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुआ। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नवनियुक्त क्षेत्रीय पदाधिकारियों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया और उन्हें संगठन के प्रति निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ काम करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री एवं अवध क्षेत्र प्रभारी दिलीप पटेल और क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी भी मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-

जन तक पहुंचाने के साथ बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रत्येक पदाधिकारी को अपने दायित्व का पूरी सक्रियता से निर्वहन करना होगा। बूथ स्तर तक संगठन की पहुंच मजबूत करने और पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच ले जाने पर विशेष जोर दिया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने प्रदेश नेतृत्व को भरोसा दिलाया कि अवध क्षेत्र की नई टीम आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिए पूरी ताकत से काम करेगी। उन्होंने कहा कि पद केवल जिम्मेदारी का प्रतीक नहीं, बल्कि संगठन और समाज के प्रति जवाबदेही भी है। प्रत्येक पदाधिकारी को पूरी ऊर्जा और निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने में जुटना होगा। अवध क्षेत्र प्रभारी दिलीप पटेल ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठनात्मक दायित्वों के प्रभावी निर्वहन को लेकर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और पार्टी के अभियानों को गति देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय महामंत्री राजीव मिश्रा, राहुल राज रस्तोगी, अवधेश कटियार और डॉ. विमल सिंह शामिल रहे। क्षेत्रीय उपाध्यक्षों में नीरज वर्मा, राजकिशोर मौर्य, ठाकुर प्रसाद गंगवार, नितिन मित्तल, पीके वर्मा, अवधेश पाण्डेय बादल, मनीष शुक्ला, रेशु भाटिया, दिनेश सिंह और अनूप वाजपेयी मौजूद रहे। क्षेत्रीय मंत्रियों में विकास सिंह, महेंद्र लोधी, काशीराम रावत, अंकित सिंह चंदेल, गौरव भाटिया, पूजा मिश्रा, विकास श्रीवास्तव बाबा, विजय भुर्जी, अंजली मौर्य और रामकुमार वर्मा सहित क्षेत्रीय कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे।

हापुड़ बाईपास तक बनेगी 105 मीटर चौड़ी सड़क

- ग्रेटर नोएडा में फ्रेट व पैसेंजर मूवमेंट होगा अलग
- गंगा एक्सप्रेसवे तक 30-45 मिनट में पहुंचने की तैयारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल जेवर एयरपोर्ट के संचालन के बाद ग्रेटर नोएडा में बढ़ने वाले मालवाहक और यात्री यातायात के दबाव को देखते हुए फ्रेट और पैसेंजर मूवमेंट को अलग-अलग करने की तैयारी है। इसके लिए ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण) ने महायोजना-2041 में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है।

इस प्रस्ताव पर सोमवार को लखनऊ स्थित पिकअप भवन में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार भी मौजूद रहे। प्राधिकरण के अधिकारियों ने प्रस्तावित सड़क और लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी की योजना का प्रस्तुतिकरण किया। अधिकारियों के अनुसार नोएडा और ग्रेटर नोएडा से गंगा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए हापुड़ बाईपास तक 105 मीटर चौड़ी सड़क विकसित करने की योजना है। इसके बाद कनेक्टिविटी को करीब 15 किलोमीटर आगे बढ़ाकर ग्रेटर नोएडा को सीधे गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने का प्रस्ताव है।

इस कनेक्टिविटी के विकसित होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा से गंगा एक्सप्रेसवे तक पहुंचने में लगने वाला समय घटकर करीब 30 से 45 मिनट रह जाने की उम्मीद है। इससे दिल्ली-एनसीआर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों तक आवागमन सुगम होने के साथ औद्योगिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। फ्रेट मूवमेंट को सुगम बनाने के लिए मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब से वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के समानांतर छह लेन की एलिवेटेड सड़क विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। इस सड़क को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने की योजना है, ताकि लॉजिस्टिक हब से माल की आवाजाही सीधे एयर कार्गो टर्मिनल तक हो सके। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा में प्रमुख परियोजनाओं को भी आगामी औद्योगिक विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इनके जरिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ाने और लॉजिस्टिक नेटवर्क को मजबूत करने की योजना है।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा तेजी से उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। ऐसे में उद्योग, व्यापार और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कनेक्टिविटी और यातायात व्यवस्था विकसित करना जरूरी है। प्रस्तावित योजना के तहत यात्री वाहनों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही को अलग करने से शहर में ट्रैफिक दबाव कम करने, लॉजिस्टिक्स को तेज करने और जेवर एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक हब तथा एक्सप्रेसवे के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में तोरिया के निशुल्क मिनीकिट व रबी फसलों के बीजों की बुकिंग जारी

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा कृषकों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से कराया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में तोरिया के 30 हजार मिनीकिट का कृषकों को निःशुल्क वितरण कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष 07 सितम्बर तक किसानों द्वारा 15 हजार मिनीकिट की बुकिंग कराई जा चुकी है। इस संबंध में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे तोरिया के निःशुल्क मिनीकिट प्राप्त करने के लिए विभाग की वेबसाइट (http://agriculture.up.gov.in) पर शीघ्र बुकिंग कर योजना का लाभ उठाएं। तोरिया के अतिरिक्त रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं के 10.45 लाख कुंतल, चना के 69.96 हजार कुंतल, मटर के 17.89 हजार कुंतल, मसूर के 41.76 हजार कुंतल तथा राई/सरसों के 15.94 हजार कुंतल की बुकिंग प्रक्रियाधीन है, जिसके लिए कृषकों से अधिकाधिक संख्या में बुकिंग कराने का आह्वान किया गया है।

मुख्यमंत्री आज करेंगे यूपी टेक्स-2026 का उद्घाटन

लखनऊ में आज व कल जुटेंगे देश के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी और निर्माता

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र को नई पहचान और गति देने की दिशा में योगी सरकार का प्रयास लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। इसी कड़ी में यूपी टेक्स-2026 का आयोजन 8 और 9 सितंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे, जिसमें देश के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी एवं निर्माता हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के जरिए प्रदेश के वस्त्र उद्योग की संभावनाओं, निवेश, उत्पादन और रोजगार के अवसरों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

हथकरघा और वस्त्रोद्योग विभाग योगी सरकार में लगातार उपलब्धियों की तरफ बढ़ रहा है। वर्ष 2017-18 से अब तक वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2017 तथा उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2022 लागू की गई हैं। इन नीतियों के तहत नई वस्त्र इकाइयों तथा विस्तार/विविधीकरण करने वाली इकाइयों को लाभ पहुंचाते हुए 214 इकाइयों के पक्ष में लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं। वहीं 157 इकाइयों को कुल 416.75 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की जा चुकी है।

योगी सरकार ने हथकरघा एवं पावरलूम बुनकरों को स्वरोजगार और उत्पादन से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री हैंडलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना शुरू की। वित्तीय वर्ष 2023-24 से शुरू इस योजना के तहत अब तक 4,122 बुनकरों को 73.18 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से लाभान्वित किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभाग ने दो नई योजनाएं भी शुरू की हैं। उत्तर प्रदेश वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना के जरिए प्रदेश में स्थापित होने वाली वस्त्र इकाइयों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षित एवं कुशल श्रमिक उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

वहीं मुख्यमंत्री हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना के माध्यम से बुनकरों को समूह में संगठित कर सामूहिक उत्पादन के जरिए उनके कारोबार को आर्थिक मजबूती देने, आय बढ़ाने और विदेशी मुद्रा अर्जित करने की दिशा में काम किया जाएगा।

सीएम आज अयोध्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को करेंगे सम्मानित

अयोध्या। अयोध्या में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं का सम्मान किया जाएगा। राजकीय इंटर कालेज के मैदान में आयोजित इस राज्यस्तरीय समारोह के मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। वह कार्यकर्त्रियों का सम्मान भी करेंगे। अयोध्या मंडल की करीब 12 से 15 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। प्रदेश के सभी जिलों में इसका लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम में विभागीय मंत्री तथा जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। राशन वितरण का कार्य देख रही स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं भी इसमें भाग लेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश के हर जिले में समानांतर कार्यक्रम होंगे, लेकिन मुख्य समारोह मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अयोध्या में ही संपन्न होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह की निगरानी में सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल करीब तीन घंटे अयोध्या में रहेंगे। दोपहर 2:50 बजे वे जीआईसी मैदान पहुंचेंगे। शाम 4 बजे तक जीआईसी मैदान में रहने के बाद वह हेलीकॉप्टर से राम कथा पार्क हेलीपैड पहुंचेंगे। वहां से पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करेंगे, उसके बाद श्रीराम मंदिर पहुंचकर रामलला का दर्शन-पूजन करेंगे। शाम करीब 5 बजे हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे।

यूपीटीईटी के सफल अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्र जारी

- प्राथमिक स्तर के 5,71,435 और उच्च प्राथमिक स्तर के 7,59,513 अभ्यर्थी हुए सफल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी-2026) में सफल घोषित सभी अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्र आयोग द्वारा निर्गत कर दिए गए हैं। सफल अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से अपना अनुक्रमांक एवं जन्मतिथि दर्ज कर प्रमाण-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि यूपीटीईटी-2026 की लिखित परीक्षा 02 एवं 03 जुलाई को दो-दो पालियों तथा 04 जुलाई को एक पाली, इस प्रकार कुल 05 पालियों में प्रदेश के 60 जिलों के 955 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न कराई गई थी। इनमें उच्च प्राथमिक स्तर की 03 पालियां तथा प्राथमिक स्तर की 02 पालियां शामिल थीं। उन्होंने बताया कि यूपीटीईटी-2026 का परिणाम 26 अगस्त को घोषित किया गया। प्राथमिक स्तर (कक्षा 01 से 05 तक) की परीक्षा में कुल 7,13,648 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए थे, जिनमें से 5,71,435 अभ्यर्थी अर्थात 80.07 प्रतिशत सफल घोषित किए गए। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 06 से 08 तक) की परीक्षा में कुल 10,57,021 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 7,59,513 अभ्यर्थी अर्थात 71.85 प्रतिशत सफल घोषित किए गए।

आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरांत सभी अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्र निर्गत कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी उ०प्र० शिक्षा सेवा चयन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट ttps://www.upessc.up.gov.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से अनुक्रमांक एवं जन्मतिथि दर्ज कर प्रमाण-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रमाण-पत्र डिजिलॉकर के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाएगा।

उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए बनेगी एक समान नीति

- विद्यार्थियों को परामर्शदाता मनोवैज्ञानिक या विशेषज्ञ सेवाओं का मिलेगा लाभ

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर उच्च शिक्षा संस्थानों में एक समान छात्र मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में प्रस्तावित नीति के विभिन्न पहलुओं, इसके प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य एवं परामर्श संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल, विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दे रही है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा शैक्षणिक वातावरण देना है, जहां वे शैक्षणिक दबाव, तनाव या भावनात्मक चुनौतियों की स्थिति में समय पर सहायता प्राप्त कर सकें।

प्रस्तावित नीति के तहत राज्य, जिला और संस्थान स्तर पर समन्वित व्यवस्था विकसित की जाएगी। राज्य स्तर पर निदेशक, उच्च शिक्षा को नोडल एवं कार्यान्वयन प्राधिकारी बनाया जाएगा, जबकि प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में संचालन समिति क्रियान्वयन, बजट और समीक्षा की निगरानी करेगी। जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के साथ समन्वय करेगी।

प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य सहायता कक्ष की स्थापना की जाएगी, जहां विद्यार्थियों को गोपनीय वातावरण में परामर्श मिलेगा। ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य पोर्टल के माध्यम से टेस्टिंग की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। जरूरत पर विद्यार्थियों को परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक या विशेषज्ञ सेवाओं से जोड़ा जाएगा। शिक्षकों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों और छात्र प्रतिनिधियों को तनाव, भावनात्मक परेशानी के संकेतों को समझने और सहायता पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षित शिक्षक छोटे समूहों में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और जीवन कौशल पर संवाद कार्यक्रम चलाएंगे। गंभीर तनाव या आपातकाल में तत्काल सहायता के लिए हेल्पलाइन और रेफरल व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थी की गोपनीयता और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

नीति के तहत मानसिक स्वास्थ्य को समग्र व्यक्तित्व विकास से जोड़ा जाएगा। इसके लिए जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, करियर काउंसलिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से वातावरण तैयार किया जाएगा। क्रियान्वयन और निगरानी के लिए उच्च शिक्षा विभाग में समेकित पोर्टल एवं डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा।

कार्यशाला में मीना मंचों के 450 प्रतिभागी होंगे प्रशिक्षित

- 9 से 24 सितंबर तक प्रयागराज में नौ बैचों में होगी टीओटी एवं मास्टर ट्रेनर कार्यशाला

लखनऊ। प्रदेश की बेटियों को शिक्षा के साथ नेतृत्व, आत्मविश्वास और सुरक्षित वातावरण देने के लिए योगी सरकार विद्यालय स्तर पर चल रहे कार्यक्रमों को और मजबूत करने जा रही है। इसी क्रम में विशेष परियोजना फॉर इक्विटी के तहत मीना मंचों के सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता विकास के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रयागराज स्थित एसआईईएमएटी में 9 से 24 सितंबर तक नौ बैचों में ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) एवं मास्टर ट्रेनर (एमटी) कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से कुल 450 प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रत्येक बैच में 50 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला में मीना मंचों को प्रभावी बनाने, बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। साथ ही यौन शोषण से संबंधित प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिभागियों की क्षमता का भी संवर्धन किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले टीओटी और मास्टर ट्रेनर आगे संबंधित स्तरों पर अन्य कार्मिकों को प्रशिक्षित करेंगे।

कार्यशाला के पहले और दूसरे बैच का आयोजन 9 व 10 सितंबर, तीसरे और चौथे बैच का 11 व 12 सितंबर, सातवें और आठवें बैच का 16 व 17 सितंबर, पांचवें और छठे बैच का 21 व 22 सितंबर तथा नौवें बैच का 23 व 24 सितंबर को होगा। कार्यशाला में प्रदेश के 75 जनपदों से प्रतिभागियों की सहभागिता होगी। प्रत्येक जनपद से छह प्रतिभागी शामिल किए जाएंगे। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि सरकार बालिकाओं को शिक्षा के साथ नेतृत्व, सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मीना मंच बालिकाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व विकास का प्रभावी माध्यम है।

बस्ती से विदेश पहुंचा 25 हजार कुंतल शीरा

- शीरे के निर्यात से करीब पांच लाख डॉलर की विदेशी मुद्रा हासिल
- यूपी के गांव में तैयार कच्चा माल अब अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन का हिस्सा

लखनऊ। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था अब केवल स्थानीय और घरेलू बाजार तक सीमित नहीं रह गई है। प्रदेश के कृषि उत्पाद प्रसंस्करण के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। बस्ती से 25 हजार कुंतल शीरे का विदेश निर्यात इसका एक प्रमुख उदाहरण है। इससे करीब पांच लाख अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई है। खास बात यह है कि शीरा अलग शुल्क वर्गीकरण में आता है, इसलिए इससे हुई विदेशी मुद्रा अर्जन की राशि प्रदेश के मुख्य आबकारी निर्यात आंकड़ों से अलग है।

उत्तर प्रदेश में गन्ने और अनाज जैसे कृषि उत्पादों से जुड़े उद्योगों को अब सिर्फ स्थानीय बाजार ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार भी उपलब्ध हो रहा है। इससे खेतों में तैयार होने वाले कच्चे माल के प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और बाजार विस्तार की संभावनाएं बढ़ी हैं। प्रदेश में गन्ना आधारित अर्थव्यवस्था का बड़ा नेटवर्क है। गन्ने से चीनी के साथ शीरा जैसे उप-उत्पाद भी तैयार होते हैं।

योगी सरकार की त्रिवर्षीय आबकारी निर्यात नीति 2026-29 का जोर प्रदेश की उत्पादन क्षमता बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने पर है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में प्रदेश के आबकारी निर्यात में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 45.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी अवधि में राष्ट्रीय वृद्धि 18.3 फीसदी रही। अप्रैल-जून 2026 में यूपी का आबकारी निर्यात 127.8 लाख डॉलर तक पहुंचा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 87.9 लाख डॉलर था। यानी प्रदेश ने करीब 39.9 लाख डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि दर्ज की। हालांकि, बस्ती के शीरे से मिली करीब पांच लाख डॉलर की विदेशी मुद्रा अलग शुल्क वर्गीकरण के कारण इन आंकड़ों से अतिरिक्त है। कृषि उत्पाद का विदेश पहुंचना केवल किसान निर्यातक के बीच का कारोबार नहीं है। इसके पीछे प्रसंस्करण, पैकेजिंग, भंडारण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स की श्रृंखला काम करती है। निर्यात बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ने की संभावना रहती है।

आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि प्रदेश में निर्यात बढ़ने का असर केवल आबकारी इकाइयों तक सीमित नहीं है। उद्योग की पिछली कड़ी गन्ना, शीरा और अनाज जैसे कृषि उत्पादों से जुड़ी है, जबकि आगे कांच की बोतल, पैकेजिंग, ढक्कन, लेबलिंग, भंडारण और परिवहन जैसे अनेक क्षेत्र जुड़े हैं। उत्पादन और निर्यात बढ़ने के साथ इन सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं। इससे खेत से फैक्ट्री और फैक्ट्री से विदेशी बाजार तक एक व्यापक एक्सपोर्ट चेन तैयार हो रही है।

सहारनपुर जाने से रोके गये अजय राय, जताया विरोध

- पुलिस ने हिरासत में लेकर भेजा पुलिस लाइन, देर शाम छोड़ गये

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर सहारनपुर में मस्जिद के ध्वस्तीकरण की घटना के सम्बन्ध में मस्जिद कमेटी के सदस्यों से मुलाकात करने के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से निकलकर सहारनपुर जा रहे थे। प्रदेश मुख्यालय से निकलते ही माल एवेन्यू चौराहे पर मौजूद पुलिस बल ने अजय राय को सहारनपुर जाने से रोका गया जिस पर वहां उपस्थित कांग्रेसजनों ने पुलिस द्वारा रोके जाने का विरोध किया।

इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष सहारनपुर जाने की जिद पर चौराहे पर ही सड़क पर बैठ गये, जहां सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन इकट्ठा हो गये, तब भारी पुलिस बल द्वारा अजय राय सहित सैंकड़ों कांग्रेसियों को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले गयी, जहां से काफी देर बाद छोड़ा गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार जनआकांक्षाओं पर विफल साबित हुई है इसलिए वह डरी हुई है, जहां कहीं भी पीड़ितों की आवाज उठाने और उनके दुख दर्द बांटने के लिए कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पहुंचते हैं उन्हें रास्ते में रोका जाता है यह लोकतंत्र और संविधान के विरूद्ध है। पुलिस लाइन से निकलने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी कांग्रेसी इको गार्डेन पहुंचे जहां विगत 6 दिनों से अनुसूचित जाति विभाग द्वारा चलाये जा रहे अनिश्चितकालीन धरने में शामिल हुए, जहां धरने का सातवां दिन था।

इस मौके पर पूर्व विधायक भगौती प्रसाद चौधरी, पूर्व विधायक इन्दल रावत, असीम वकार, बद्री विशाल तिवारी, सलीम अख्तर, अब्दुल्ला शेर खान, मौलाना इस्लाही, डा. अरशद आजमी, डा. उमा शंकर पाण्डेय, सुरेन्द्र यादव, ओंकारनाथ सिंह, रूद्रदमन सिंह बबलू सहित सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

एक्सप्रेस-वे निर्माण में बड़े पैमाने पर हुआ भ्रष्टाचार

- सपा अध्यक्ष ने प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा सरकार पर साधा निशाना
- कहा, 60 प्रतिशत चल रहा है कमीशन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में हाइवे बीजेपी के लोगों की जेबे भरने के लिए बनाए गए है। इनके बनाए सभी एक्सप्रेस-वे में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और बजट की लूट हुई है। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार को उजागर करने वालों और सच्चाई दिखाने वालों के खिलाफ हैं, जो लोग भ्रष्टाचार उजागर कर रहे हैं उन्हें धमकाया, डराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा के भ्रष्टाचार से परेशान और पीड़ित हैं। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 118 जगह सड़क टूटी और गड्ढे हो गए। जिसने सड़क बनाया उसे बोनस दिया गया है और दूसरी जगह काम भी दे दिया गया है। भाजपा सरकार में बजट की लूट चल रही है। 60 प्रतिशत कमीशन चल रहा है।

सपा के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार का पैसा और संसाधन लगाकर कुछ अंडरग्राउंड, सुरंगी लोग हमारे खिलाफ षड्यंत्र करके एआई से वीडियो बना रहे हैं, अगर वे वीडियो बनाएंगे तो वीडियो इधर से भी बनेगा। उनके गाने से अच्छा गाना, हम लोग देंगे।

उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग समाज में अच्छाई लाने के लिए होना चाहिए, नकारात्मक राजनीति के लिए नहीं होना चाहिए। एआई का प्रयोग मेडिकल और कृषि और अन्य क्षेत्रों में होना चाहिए, जिससे गरीबों को समय पर इलाज मिल जाए। किसानों को मौसम की सही जानकारी मिल जाए, बीमारियों की जानकारी हो जाए तो किसान अपनी फसल को बचा पाएगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सोची समझी रणनीति और साजिश करके अधिकारियों के माध्यम से प्रदेश को कम्युनल रास्ते पर ले जाना चाहती है। जब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिल सकता था तो मस्जिद क्यों गिरा दी गयी। सहारनपुर जा रहे सपा प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों, सांसदों और विधायकों को उनके घरों पर रोके जाने पर अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस चोर, डकैत बदमाशों को नहीं पकड़ रही है, राजनीतिक लोगों की घेराबंदी कर रही है। सहारनपुर जा रहे सपा के सभी सांसदों और विधायकों के घरों को पुलिस ने घेर रखा है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पीडीए प्रोग्रेसिव लोगों का एलायंस है। पीडीए में लोग एक पीड़ा से बंधे हैं। पीडीए में पीड़ित दुखी अपमानित लोग शामिल है। पीडीए एकजुट है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हम साधु-संतो का बहुत सम्मान करते हैं। हमेशा करते रहेंगे लेकिन जो दरारवादी और संकीर्ण विचारधारा के लोग हैं, वे विपक्ष के खिलाफ किस तरह का वीडियो बना रहे हैं, सभी लोगों ने देखा है।

लखनऊ की हवा देश में सबसे स्वच्छ

लखनऊ की नंबर-1 उपलब्धि ने बढ़ाया यूपी का गौरव : एके शर्मा

- 200 में मिले 198 अंक, पेपर मिल कॉलोनी वार्ड देश में अव्वल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्वच्छ वायु संरक्षण के क्षेत्र में राजधानी लखनऊ ने देशभर में पहला स्थान हासिल कर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। स्वच्छ वायु गुणवत्ता प्रतियोगिता में 10 लाख से अधिक आबादी वाले 130 शहरों के बीच लखनऊ को 200 में से 198 अंक मिले। वहीं इंदौर 195 अंकों के साथ दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहा।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लखनऊ की इस उपलब्धि को प्रदेश के लिए बड़ी प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के शहरों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वच्छ वायु की तरह स्वच्छता सर्वेक्षण में भी लखनऊ को देश का नंबर-वन शहर बनाने के लिए सरकार, नगर निगम और नागरिक मिलकर काम करेंगे।

इलेक्ट्रिक वाहनों से धूल नियंत्रण तक काम : लखनऊ में वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रिक परिवहन, सड़क की धूल नियंत्रण, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, हरियाली और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर एक साथ काम किया गया। नगर निगम के डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण में करीब 1,100 इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल हो रहा है। शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 12 चार्जिंग स्टेशन और 916 चार्जिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 140 इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जा रही हैं। सड़क की धूल नियंत्रित करने के लिए 97 इलेक्ट्रिक मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीनें काम कर रही हैं। इसके अलावा 559.85 किलोमीटर सड़कों को एंड-टू-एंड पक्का किया गया है, जिससे धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिली है।

2,550 टीपीडी कचरा प्रसंस्करण की व्यवस्था : शहर में वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन को भी स्वच्छ वायु रणनीति का अहम हिस्सा बनाया गया है। लखनऊ में 2,550 टन प्रतिदिन (टीपीडी) क्षमता के साथ 100 प्रतिशत वैज्ञानिक कचरा प्रसंस्करण की व्यवस्था का दावा किया गया है।

खुले में कूड़ा जलाने पर नियंत्रण के साथ कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण पर जोर दिया गया। हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए वर्टिकल गार्डन और मियावाकी पौधरोपण जैसे प्रयास भी किए गए हैं। परिवहन, सड़क, कचरा प्रबंधन और हरियाली को जोड़कर तैयार की गई रणनीति का असर शहर की रैंकिंग में दिखाई दिया है।

पेपर मिल कॉलोनी वार्ड भी देश में नंबर-1

लखनऊ की उपलब्धि सिर्फ शहर तक सीमित नहीं रही। पेपर मिल कॉलोनी वार्ड को भी देश में पहला स्थान मिला है। वार्ड को वायु प्रतियोगिता में पूरे 200 अंक हासिल हुए हैं। नगर निगम ने करीब दो वर्ष पहले इस वार्ड को मॉडल वार्ड के रूप में विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया था। यहां कचरा प्रबंधन, सड़कों के डामरीकरण और हरियाली बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। केंद्र सरकार की ओर से पहली बार वार्ड स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई और पहली ही बार में लखनऊ के पेपर मिल कॉलोनी वार्ड को सफलता मिली है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने इस सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व के साथ जनता, पार्षदों और नगर निगम कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि राजधानी की यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य शहरों के लिए भी स्वच्छ वायु प्रबंधन का मॉडल बन सकती है। लखनऊ का 198 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंचना राजधानी में स्वच्छ वायु के लिए किए गए प्रयासों की बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

ऐसे बदली लखनऊ की रैंकिंग

2022-23 : प्रथम स्थान
2023-24 : दूसरा स्थान
2024-25 : 15वां स्थान
2025-26 : प्रथम स्थान

योगी जी से बैर नहीं, नगर निगम की खैर नहीं

- भाजपा कार्यकर्ताओं ने घेरा जोनल कार्यालय

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी के भदरुख क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली को लेकर सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कार्यकर्ताओं ने जोन-8 कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां थीं। इस दौरान योगी जी से बैर नहीं, नगर निगम की खैर नहीं जैसे नारे लगाए गए।

प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा जिला मंत्री संजीव मिश्रा ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भदरुख क्षेत्र में सैकड़ों लोग पेयजल, सीवर, जलभराव, सफाई और खराब सड़कों की समस्या से जूझ रहे हैं। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद नगर निगम और जल निगम के स्तर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कई इलाकों में पर्याप्त पेयजल नहीं मिल रहा है। वहीं सीवर की नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर जमा रहता है। जलभराव के चलते लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे होने और नियमित कूड़ा उठान नहीं होने का भी आरोप लगाया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बदहाल सड़कों के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद संबंधित विभाग समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

भाजपा जिला मंत्री संजीव मिश्रा ने कहा कि जनता लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है। कई बार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जलभराव, सीवर, पेयजल और सड़कों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो कार्यकर्ता और क्षेत्रीय जनता बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल के साथ नगर निगम के अधिकारी पहुंचे।

अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने बताया कि मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत की गई। उन्होंने सड़क, सीवर और पानी से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। संबंधित समस्याओं के जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया गया है।

प्रो. राजन भटनागर ने लोहिया संस्थान के डीन का पदभार संभाला

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के एनाटॉमी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजन भटनागर ने सोमवार को डीन का पदभार ग्रहण कर लिया है। संस्थान में निवर्तमान डीन प्रो. प्रद्युम्न सिंह ने उन्हें डीन पद का कार्यभार सौंपा। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने प्रो. भटनागर को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके लंबे शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अनुभव से संस्थान की शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा अकादमिक व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी और संस्थान चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। प्रो. राजन भटनागर ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि छात्र-केंद्रित चिकित्सा शिक्षा, अकादमिक गुणवत्ता, अनुसंधान, नवाचार और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को और सुदृढ़ किया जाए।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तहत किया जागरूक

लखनऊ। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इनमें संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ खान-पान की आदतों को प्रोत्साहित करना था। सोमवार को ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, जुग्गौर में सप्ताह का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अनुराग, डॉ. वीरेंद्र, डा. पूजा एवं डा. विकास ने संतुलित आहार, स्वस्थ खाद्य विकल्पों के बारे में बताया।

ट्रामा सेन्टर में डाक्टरों की संख्या बढ़ी

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में गंभीर मरीजों को अब जांच और इलाज के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। कैजुअल्टी में रेजिडेंट डाक्टरों की संख्या बढ़ने से मरीजों को राहत मिलने लगी है। डाक्टरों की कमी के चलते कई बार मरीजों की जांच, निगरानी और इलाज शुरू करने में समय लग जाता था। भीड़ बढ़ने पर बेड नहीं मिलने से मरीजों को स्ट्रेचर पर ही इलाज कराना पड़ता था। अब रेजिडेंट डाक्टरों की तैनाती बढ़ने से व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। ट्रॉमा सेंटर में 400 से अधिक बेड हैं। कैजुअल्टी में 44 बेड की व्यवस्था है। यहां रोजाना 250 से अधिक गंभीर मरीज पहुंचते हैं।

फैजुल्लागंज में 80 घरों का भ्रमण, मरीजों को मिला उपचार

लखनऊ। फैजुल्लागंज चतुर्थ वार्ड की मामा कालोनी, पवन बिहार कालोनी और गोमती बिहार में संक्रामक रोग से पीड़ित मरीजों की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने घर-घर स्क्रीनिंग अभियान चलाया और मेडिकल मोबाइल यूनिट वैन तैनात की है। लोगों का आरोप है कि कालोनियों में जलभराव के बावजूद एंटीलार्वा का छिड़काव और फागिंग नहीं करायी जा रही है। 12 से ज्यादा लोग बुखार, उल्टी-दस्त की चपेट में हैं। सामाजिक कार्यकर्ता ममता त्रिपाठी ने बताया कि पवन बिहार कालोनी में सरिता (12), गुड्डू (7), विपिन (10), नेहा (8), जान्हवी (14), सूरज साहू (22), नितिन (14), रीता (10), संगीता (12), अनिल (9), राहुल (20) और राघवेंद्र (17) तेज बुखार से पीड़ित हैं। लोगों ने जलभराव दूर कराने, साफ पानी की आपूर्ति, नियमित फागिंग और एंटीलार्वा छिड़काव कराने की मांग की है। जलभराव के कारण कालोनियों में गंदगी और दुर्गंध बनी हुई है। जलभराव के कारण घरों में जीव-जन्तु घुसने की घटनाएं भी हो रही हैं। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुराना दाऊदनगर पहुंचकर 80 घरों का भ्रमण किया। टीम ने बीमारी से बचाव के लिए जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी। अलीगंज नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी शालिनी, फैजुल्लागंज नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की डॉ. आसमा ने टीम के साथ प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया। घर-घर जाकर लोगों को क्लोरीन की गोलियां और ओआरएस के पैकेट वितरित किये गये।

दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये की सहायता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में पुनः कुलपति पद पर नियुक्त होने पर डा. सोनिया नित्यानंद के लिए सोमवार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। केजीएमयू कर्मचारी परिषद की की ओर से आयोजित कार्यक्रम में इंडियन बैंक के सहयोग से सेवा के दौरान दिवंगत हुए कर्मचारियों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गयी। इस अवसर पर स्वर्गीय अफजाल अहमद, मेडिसिन विभाग की पत्नी नीमा बानो तथा स्वर्गीय बृजेश कुमार, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की पत्नी नीतू चतुर्वेदी को 20-20 लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए। यह सहायता राशि कुलपति एवं इंडियन बैंक के सहयोग से प्रदान की गयी। अपने संबोधन में कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद ने कर्मचारियों की एकजुटता की सराहना करते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताया। इस अवसर पर कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष विकास सिंह, महामंत्री अनिल कुमार, उपाध्यक्ष करुणेन्द्र प्रकाश एवं सोनू वाल्मीकि, भीम सिंह बघेल, संयुक्त मंत्री फैज दुबे एवं राम बहादुर, कोषाध्यक्ष उमाशंकर, संगठन मंत्री राजेश, कार्यक्रम सचिव शैलेंद्र भिंडी सहित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ताइक्वांडो में अवध कॉलेजिएट के खिलाड़ियों ने जीते 28 पदक

लखनऊ। राजधानी के चौक स्थित जवाहर लाल नेहरू युवा केंद्र में आयोजित अंतर जिला स्तरीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में अवध कॉलेजिएट के उभरते खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल 28 पदक अपने नाम कर विद्यालय और जिले का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों के उत्साह, अनुशासन और कठिन परिश्रम ने प्रतियोगिता में सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि विनय कुमार (ऐडवोकेट हाइकोर्ट) उपस्थित रहे।

आरुष सिंह स्वर्णकार ने कैडेट 36 किलोग्राम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। कृष्व तिवारी ने सब जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया, शशिकांत एवं प्रतीक यादव भी स्वर्ण पदक प्राप्त करने में सफल रहे तथा कौस्तुभ मणि पांडे अभिजीत ने रजत पदक हासिल किए। आरुष त्रिपाठी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वहीं तेजस श्रीवास्तव ने कैडेट 54 किलोग्राम वर्ग में शानदार मुकाबला खेलते हुए रजत पदक जीता। पार्थ अवस्थी ने कैडेट 30 किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन कर रजत पदक अपने नाम किया। सोनाक्षी सिन्हा एवं आजमा सिराज (महिला) ने सब जूनियर 32 एवं 25 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सत्यम पांडे एवं संस्कार द्विवेदी ने क्रमशः जूनियर 58 एवं 53 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। स्वस्तिका (महिला कैडेट) ने स्वर्ण पदक तथा वैष्णवी ने रजत पदक प्राप्त किया। अथर्व ने भी सब जूनियर वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। सक्षम ने कैडेट 54 किलोग्राम वर्ग में शानदार मुकाबला खेलते हुए रजत पदक हासिल किया। पुलकित श्रीवास्तव ने सब जूनियर 30 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अनुराग सिंह एवं आर्यन रॉय ने ब्रांज मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।अवनी रावत एवं खुशी (महिला कैडेट) पुमसे में स्वर्ण अवंवरजत पदक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

प्रतियोगिता में टीम चैंपियनशिप के अंतर्गत लखनऊ शुभराज ताइक्वांडो एकेडमी ने प्रथम, कानपुर रोड स्थित अवध कॉलेजिएट ने द्वितीय तथा नीलकंठ ताइक्वांडो लखनऊ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक सर्वजीत सिंह ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता से पूर्व कठोर प्रशिक्षण शिविर में अथक मेहनत की थी, जिसका सकारात्मक परिणाम प्रतियोगिता में स्पष्ट दिखाई दिया। विद्यालय की संस्थापक प्रबंध निदेशिका जतिंदर वालिया ने कहा, हमारे खिलाड़ियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास और तकनीकी दक्षता का अद्भुत प्रदर्शन किया है।

लोहिया संस्थान में रोबोट-असिस्टेड किडनी ट्रांसप्लांट में मिली सफलता

लखनऊ। डा. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के यूरोलॉजी विभाग ने एडवांस्ड यूरोलॉजिकल सर्जरी के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रोबोट-असिस्टेड रीनल ट्रांसप्लांट (आरएआरटी) किया है। यह उत्तर प्रदेश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में दूसरी बार और डा. आरएमएलआईएमएस में दूसरी सफल रोबोट-असिस्टेड किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी है। यह उपलब्धि डा. आरएमएलआईएमएस की अत्याधुनिक रोबोटिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से विश्वस्तरीय, कम से कम चीर-फाड़ वाली ट्रांसप्लांट देखभाल सरकारी संस्थान में उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस किडनी ट्रांसप्लांट की प्राप्तकर्ता एक 18 वर्षीय अविवाहित युवती थीं, जो एंड स्टेज रीनल डिजीज (ईएसआरडी) से पीड़ित थीं और बिना निशान वाली सर्जरी के लिए उपयुक्त उम्मीदवार मानी गयी। यह जटिल रोबोट-असिस्टेड ट्रांसप्लांट सर्जरी हैदराबाद के केआईएमएस के प्रसिद्ध ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. समित चतुर्वेदी के सदस्यता में सम्पन्न हुई।

स्वाइन फ्लू की तीन नये मरीजों में पुष्टि, एक भर्ती

लखनऊ। राजधानी में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या थमने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार को तीन नये मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई, इनमें एक मरीज की हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, दो मरीजों को होम आइसोलेशन में दवा खाकर आराम करने की सलाह दी गयी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार लखनऊ में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 68 हो गयी है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनबी सिंह के अनुसार अब तक एच1एन1 संक्रमण के चलते 24 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है, इनमें से 20 मरीज उपचार के बाद स्वस्थ हो गये। उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। माना जा रहा है कि अगर स्वाइन फ्लू के बचाव के प्रटोकाल का पालन किया जाए, तो काफी हद तक संक्रमण से बचे रह सकते हैं।

सिधौली पहुंचा केरल का मीडिया दल

लखनऊ। लखनऊवी चिकनकारी की बारीक कढ़ाई और सदियों पुरानी हस्तशिल्प परंपरा ने केरल से आए मीडिया प्रतिनिधिमंडल का ध्यान खींचा। प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को सीतापुर जिले के सिधौली क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय कारीगरों से मुलाकात की और चिकनकारी के पारंपरिक हुनर को करीब से देखा। सिधौली लखनऊ के आसपास के प्रमुख ग्रामीण चिकनकारी केंद्रों में शामिल है। यहां घरों में होने वाली कढ़ाई के जरिए बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी कला को रोजगार में बदल रही हैं। मीडिया दल ने कारीगरों से बातचीत कर यह भी जाना कि किस तरह पीढ़ियों से चली आ रही यह कला ग्रामीण परिवारों की आय का जरिया बन रही है। प्रतिनिधिमंडल को चिकनकारी की बारीकियों से रूबरू कराते हुए कारीगरों ने बखिया, जाली, टेपची, मुरी और पश्नी जैसी पारंपरिक कढ़ाई तकनीकों का प्रदर्शन किया। महीन कपड़ों पर सुई और धागे से बेहद सावधानी से की जाने वाली कढ़ाई ही चिकनकारी की खास पहचान है।

डायबिटीज व ब्लड प्रेशर दिल की बीमारी का बड़ा कारण: डा. निर्मल जोशी

लखनऊ। अमेरिका निवासी जार्जियन डा. निर्मल जोशी ने कहा कि डायबिटीज और ब्लड प्रेशर दिल की बीमारी का बड़ा कारण है। समय पर जांच व इलाज से दिल की बीमारी के खतरों से बच सकते हैं। डा. जोशी सोमवार को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ब्राउन हॉल में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खानपान में अधिक नमक और चीनी, शारीरिक गतिविधि की कमी दिल को नुकसान पहुंचा रही है। डा. रेनू जोशी ने कहा कि पेट का मोटापा दिल की बीमारी के लिए सबसे बड़े जोखिम कारकों में शामिल है। शरीर में मसल कम होने और फैट अधिक होने से मेटाबॉलिक बीमारियों का खतरा बढ़ता है। केजीएमयू की लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डा. ऋषि सेठी ने कहा कि दिल के बीमारी के जोखिम वाले लोगों में एलडीएल यानी खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रखना भी अहम है। भारतीयों में कम उम्र में दिल के रोग का खतरा चिंता का विषय है।

सरोजनीनगर की डिजिटल लाइब्रेरी की पहल अब गांव-गांव पहुंचेगी

लखनऊ। सरोजनीनगर में वर्ष 2022 में शुरू की गई डिजिटल शिक्षा और डिजिटल लाइब्रेरी की पहल अब प्रदेश के गांवों तक विस्तार लेने जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी विकसित किए जाने की योजना का सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा संसाधनों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि 25 जुलाई 2022 को सरोजनीनगर में डिजिटल शिक्षा अभियान की शुरूआत की गई थी। इसके तहत 37 विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 450 से अधिक कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए, जिससे 30 हजार से अधिक विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल शिक्षा संसाधनों का लाभ मिल रहा है। इसके साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासरूम जैसी सुविधाओं को भी बढ़ावा दिया गया। विधायक के मुताबिक प्रदेश सरकार की डिजिटल लाइब्रेरी विकास योजना के तहत कुल 223 ग्राम पंचायतों को शामिल किया जाना प्रस्तावित है। इनमें से 113 ग्राम पंचायतों में किताबें और फर्नीचर पहुंच चुके हैं, जबकि अगले चरण में आईटी उपकरण उपलब्ध कराने की तैयारी है।

डिजिटल लाइब्रेरी के जरिए ग्रामीण विद्यार्थियों को किताबों के साथ ऑनलाइन शैक्षणिक सामग्री, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और विभिन्न डिजिटल संसाधनों तक पहुंच मिल सकेगी। इससे गांवों में ही बेहतर अध्ययन का माहौल तैयार होने और विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए शहरों पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में 2022 में जनसहभागिता के साथ शुरू की गई डिजिटल शिक्षा की परिकल्पना को अब प्रदेश के गांव-गांव तक पहुंचते देखना संतोष की बात है। उन्होंने इस पहल को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी सिर्फ किताबों तक पहुंच का माध्यम नहीं होगी, बल्कि ग्रामीण युवाओं को तकनीक, ऑनलाइन शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से जोड़ने का प्रभावी केंद्र बन सकती है। इससे गांव के विद्यार्थियों को भी आधुनिक शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध होंगे।

पीजीआई में कैंसर से जूझ रहे दो मासूमों को मिला नया जीवन

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के पीडियाट्रिक सर्जिकल सुपरस्पेशियलिटीज विभाग के डॉक्टरों ने कैंसर से जूझ रहे दो मासूम बच्चों को नई जिंदगी दी है, इनमें से एक बच्ची के किडनी का ट्यूमर नस के रास्ते दिल तक पहुंच चुका था। वहीं, दूसरे बच्चे के पैंक्रियाज में बड़ा ट्यूमर था। मल्टीडिसिप्लिनरी टीम के तालमेल से दोनों बच्चों के जटिल ऑपरेशन सफल रहे। दोनों की हालत अब स्थिर है और वे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं।

बिहार की ढाई वर्षीय बच्ची को पेट में बड़ी गांठ की शिकायत के बाद संस्थान लाया गया था। जांच में दाहिनी किडनी में विल्म्स ट्यूमर पाया गया। ट्यूमर किडनी से आगे बढ़ते हुए इन्फीरियर वेना कावा नस के रास्ते दिल के दाहिने हिस्से तक पहुंच चुका था। पहले बच्ची को 9 साइकिल कीमोथेरेपी दी गई। इसके बाद पीडियाट्रिक सर्जरी, सीटीवीएस और एनेस्थीसिया टीम ने मिलकर कार्डियोपल्मोनरी बाईपास की मदद से सर्जरी की। डॉक्टरों ने प्रभावित किडनी, यूरेटर और दिल के दाहिने हिस्से तक फैले ट्यूमर थ्रोम्बस को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

शाहजहांपुर के 4 वर्षीय बच्चे को पेट में गांठ और लगातार बुखार की शिकायत के कारण अस्पताल लाया गया था। जांच में पैंक्रियाज में बड़ा ट्यूमर मिला, जो ड्यूओडेनम और आसपास के अंगों को प्रभावित कर रहा था। बच्चे की जटिल व्हिपल सर्जरी की गई। पैंक्रियाज का हेड, ड्यूओडेनम और कॉमन बाइल डक्ट निकालकर पाचन तंत्र का जटिल पुनर्निर्माण किया गया। बच्चा अब सामान्य रूप से मुंह से आहार ले रहा है। इन बच्चों की जटिल सर्जरी पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. बसंत कुमार के नेतृत्व में की गई।

टाटा पावर ने एनसीआर का बिजली ढांचा किया मजबूत

लखनऊ। टाटा पावर ने उत्तर प्रदेश में जलपुरा-खुरजा ट्रांसमिशन परियोजना के दूसरे चरण को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। परियोजना के तहत 162 सर्किट किलोमीटर लंबी 400 केवी डबल-सर्किट ट्रांसमिशन लाइन और जलपुरा में 1,000 एमवीए क्षमता वाला 400/220 केवी जीआईएस सबस्टेशन शुरू किया गया है। इससे एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। नया सबस्टेशन 400 केवी ग्रिड से 220 केवी नेटवर्क तक बिजली पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। परियोजना से नोएडा समेत एनसीआर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की क्षमता, विश्वसनीयता और दक्षता बढ़ने की उम्मीद है।

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के लिए आज होगा वैरिफिकेशन

लखनऊ। रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय व उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों की जिन छात्राओं ने अभी तक अपना आधार वेरिफिकेशन नहीं कराया है, वे अनिवार्य रूप से 8 सितम्बर उपस्थित हों। ऐसी सभी छात्रओं को अंतिम अवसर देते हुए उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा भवन में वेरिफिकेशन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इसके लिए छात्राओं को अपने साथ लाने वाले अनिवार्य दस्तावेज (मूल एवं छायाप्रति) के रूप में आधार कार्ड, फाइनल ईयर मार्कशीट, आय प्रमाण पत्र (वार्षिक आय 12 लाख से कम), उत्तर प्रदेश का मूल निवास प्रमाण पत्र और अपार (अपार) आईडी / एबीसी आईडी लेकर आना होगा।

अक्टूबर से ग्रामीण क्षेत्रों में चलेगा रोड रेस्टोरेशन अभियान

- जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों को तैयारियां पूरी करने के दिए निर्देश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न पेयजल योजनाओं की मंडलवार समीक्षा की। उन्होंने मानसून के बाद अक्टूबर से पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद स्तर पर रोड रेस्टोरेशन अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी अभियान की तैयारियां समय से पूरी कर लें।

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई स्थानों पर सड़कें खोदी गई हैं। मानसून के दौरान बारिश के कारण इन मार्गों पर आवागमन में राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विभाग इस समस्या को लेकर गंभीर है। उन्होंने निर्देश दिया कि अक्टूबर से अभियान चलाकर खोदी गई सड़कों को दोबारा भरकर, समतल करते हुए उन्हें दुरुस्त किया जाए।

उन्होंने विभिन्न जोन के अभियंताओं एवं अधीक्षण अभियंताओं से क्षेत्र भ्रमण और रात्रि प्रवास के संबंध में फीडबैक भी लिया। बैठक में एई और जेई को भी रात्रि प्रवास के लिए निर्देशित किया गया। निमार्णाधीन पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय में शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यकता के अनुसार मैनपावर लगाया जाए। कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को जल प्रबंधन पर विशेष फोकस करने के निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल योजनाओं के संचालन और जलापूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए अधिकारी नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं एवं अधिशासी अभियंताओं (एक्सईएन) को अपने अधीनस्थ अभियंताओं और एजेंसियों के कार्यों की गोपनीय रिपोर्ट तैयार कर अपर मुख्य सचिव को भेजने के निर्देश भी दिए।

बैठक में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक योगेश कुमार, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक जोगिंदर सिंह, जेएमडी (प्रशासन) डॉ. राजेश प्रजापति, जेएमडी प्रभाष कुमार, स्टेट कोऑर्डिनेटर डीके सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एकेटीयू में यूपी स्टार्टअप संवाद 3.0 का आयोजन आज

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के इनोवेशन हब फाउंडेशन की ओर से 8 सितंबर को यूपी स्टार्टअप संवाद के तीसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय सभागार में सुबह 11 बजे से होगा। दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत से शुरू होने वाले कार्यक्रम में कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय स्वागत करेंगे। इसके बाद डीन इनोवेशन प्रो. बीएन मिश्रा यूपी स्टार्टअप संवाद की जानकारी देंगे।

इस क्रम में इनोवेशन फॉर सोशल गुड एंड बेटर भारत पहल का शुभारंभ किया जाएगा। इंवेस्ट यूपी, भारत केयर्स, सांची कनेक्ट, टैली सॉल्यूशन, रैपाइडर क्लाउड सॉल्यूशन एवं फिजिक्स वाला के साथ एमओयू सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद राज्यपाल द्वारा कलाम पेटेंट सेंटर का लोकार्पण, स्टूडेंट एंड फैकल्टी इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप पॉलिसी 2026 का विमोचन किया जाएगा।

एकेटीयू: स्मार्ट मोबाइल मेडिकल वैन प्रस्ताव को हरी झंडी

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में वित्त समिति की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए विश्वविद्यालय अपने गोद लिये गये गांवों में जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की पहल करने जा रहा है। इसी क्रम में गोद लिए गए गांवों के लिए एक स्मार्ट मोबाइल मेडिकल वैन के प्रस्ताव का अनुमोदन प्रदान किया गया। यह मेडिकल वैन गांवों में जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेगी। वहीं एनईपी 2020 को लागू करने के क्रम में विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस रखने की दिशा में भी कदम बढ़ा दिया है। बैठक में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए मानदेय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। वहीं अब विश्वविद्यालय को अपना परीक्षा भवन मिलेगा। इसके लिए 40 करोड़ रुपये के बजट के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। विश्वविद्यालया में साइबर एवं फॉरेंसिक इंवेस्टिगेशन तकनीकी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एवं साइबर लैब के बजट को पांच करोड़ से नौ करोड़ रुपये किये जाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गयी। साथ ही अन्य प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

मेट्रो

सड़क हादसे में ढाई महीने के बच्चे की दर्दनाक मौत

बीकेटी इलाके की घटना, मां की गोद से उछलकर गिरा मासूम, बुखार के चलते अस्पताल जा रहे थे

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ के बीकेटी इलाके में शनिवार देर शाम सीतापुर रोड पर एक हादसा हो गया। वीरेंद्र धर्मकांटा के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में ढाई महीने का एक मासूम मां की गोद से उछलकर सिर के बल सड़क पर गिर गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही जान चली गई। हादसे में मासूम के माता-पिता भी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दूसरी बाइक पर सवार युवक मौके से भाग गया। बीकेटी के गहरा रामपुरा गांव निवासी राम कुमार किसान हैं। शनिवार देर शाम वह अपनी पत्नी अंजलि और ढाई महीने के बेटे को बाइक से अस्पताल लेकर जा रहे थे। मासूम को बुखार था। इसी दौरान सीतापुर रोड पर वीरेंद्र धर्म कांटा के पास सामने से तेज रफ्तार बाइक लेकर आए युवक की उनकी बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि अंजलि की गोद मासूम उछलकर सड़क पर सिर के बल गिर गया। राम कुमार और अंजलि भी बाइक से गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद दूसरी बाइक पर सवार युवक वहां से निकल गया।

राहगीरों ने पहुंचाया ट्रॉमा सेंटर: हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे और घायल दंपती को उठाया। सूचना पर बीकेटी पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने राहगीरों की मदद से राम कुमार, अंजलि और मासूम को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने ढाई महीने के बच्चे को मृत घोषित कर दिया। राम कुमार और अंजलि को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बीकेटी इंस्पेक्टर संजय सिंह के मुताबिक, अभी बच्चे के परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शव घर पहुंचा तो मां को पता चला: राम कुमार ने बताया कि हादसे के बाद प्राथमिक उपचार के बाद अंजलि को घर भेज दिया गया था। उसे बेटे की मौत की जानकारी नहीं दी गई थी। घर से जब भी वह बेटे के बारे में पूछती, तो परिजन यही बताते रहे कि उसका इलाज चल रहा है। रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद जब मासूम का शव घर पहुंचा, तब अंजलि को बेटे की मौत की जानकारी हुई। बेटे का शव देखते ही वह फूट-फूटकर रोने लगी। उसकी हालत बिगड़ती देख परिवार के लोगों ने उसे संभाला।

छह साल बाद हुआ था बेटा: राम कुमार ने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं। ढाई महीने का बेटा उनका इकलौता बेटा था। करीब छह साल बाद बड़ी मन्नतों से बेटा हुआ था। उसके जन्म के बाद परिवार में खुशी का माहौल था, लेकिन एक हादसे ने सारी खुशियां मातम में बदल दीं।

महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या: काकोरी क्षेत्र में महिला ने फांसी लगाकर जानदे दी। सूचना पाकर काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर शव को पोस्टमार्टम केलिए भेजा। पुलिस को मौके पर सूरसती (63) पत्नी भवानी रावत निवासी तेजकिशन खेड़ा थाना काकोरी कमरे के अंदर कपड़े टांगने के लिए लगी मोटी बल्ली में प्लास्टिक की रस्सी बांधकर फंदे से लटकी मिलीं। परिजनों की उपस्थिति में मौके की वीडियोग्राफी कराते हुए बल्ली में बंधी रस्सी को कटवाकर शव को नीचे उतरवाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका अपने पति से अलग कमरे में अकेले रहती थीं। बगल में उनकी पुत्री संगीता रहती हैं, जो तालाब गई थीं। वापस आने पर उन्होंने अपनी मां को फंदे से लटका हुआ देखा, जिसके बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई।

कार से टक्कर लगने पर ई-ऑटो ड्राइवर की गयी जान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ठाकुरगंज में एक्सीडेंट में ई-ऑटो ड्राइवर की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने ई-ऑटो को टक्कर मारी। हादसे में ई-ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी, दो साल की बेटी समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

मदेयगंज के खदरा मस्तोला निवासी अकील (28) ई-ऑटो चलाने के साथ ही कारपेंटर का काम भी करते थे। उनके भाई सगीर के मुताबिक, अकील शनिवार को पत्नी फरहीन, दो साल की बेटी अन्नू, बहन मुन्नी और दो मामियां शहनाज व शहनाज बानो के साथ ई-ऑटो से ठाकुरगंज थाने के पास स्थित मुसाहिबगंज गए थे। रविवार दोपहर करीब 2 बजे सभी लोग घर लौट रहे थे। इसी दौरान ठाकुरगंज स्थित गुलाला घाट के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने ई-ऑटो में टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद डिवाइडर से टकराकर पलटा ऑटो: कार की टक्कर से ई-ऑटो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया और पलट गया। ऑटो में सवार सभी छह लोग उसके नीचे दब गए। हादसा होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जबकि कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सभी घायलों को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अकील को मृत घोषित कर दिया। वहीं, उनकी पत्नी फरहीन, दो साल की बेटी अन्नू, बहन मुन्नी और दोनों मामियों शहनाज व शहनाज बानो की हालत गंभीर बताई जा रही है। अकील के भाई सगीर ने पुलिस से घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर फरार कार चालक की पहचान और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मृत व्यक्ति का लर्निंग लाइसेंस कैसे बन गया, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान इस बात पर गंभीर सवाल उठाया कि आधार कार्ड के विवरण के आधार पर एक मृत व्यक्ति के नाम पर लर्निंग लाइसेंस कैसे जारी हो गया। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में आधार के विवरण के आधार पर लर्निंग और ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जाने की मौजूदा ऑनलाइन व्यवस्था को चुनौती दी गई है। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि एक मामले में आधार विवरण के साथ अश्लील तस्वीरें ऑनलाइन अपलोड होने के बावजूद लर्निंग लाइसेंस जारी कर दिया गया। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी की पीठ ने यह आदेश संतोष मिश्रा की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया। याचिका में मुख्य रूप से केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 11 और आधार प्रमाणीकरण संबंधी नियमों के तहत जारी अधिसूचना को चुनौती दी गई है। न्यायालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम के नियम 11 को चुनौती दिए जाने के मद्देनजर अटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया को भी नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद होगी। याचिका में कहा गया है कि मौजूदा ऑनलाइन व्यवस्था के तहत लर्निंग लाइसेंस के लिए आधार नंबर उपलब्ध कराने पर आधार में दर्ज विवरण लाइसेंसिंग अथॉरिटी के पास पहुंच जाता है और इसी आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती है। याची का तर्क है कि आधार कार्ड उम्र का वैध प्रमाण नहीं है। ऐसे में केवल आधार विवरण के आधार पर लर्निंग लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत हो सकती है। याचिका में यह भी कहा गया है कि आधार को उम्र का प्रमाण न मानने के बावजूद उसके विवरण के आधार पर लाइसेंस जारी होने से 16 या 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को भी लाइसेंस जारी होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

याची की ओर से न्यायालय के समक्ष ऐसे दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए, जिनके आधार पर दावा किया गया कि एक मृत व्यक्ति के आधार नंबर का इस्तेमाल कर उसके नाम पर लर्निंग लाइसेंस जारी कर दिया गया। इसके अलावा एक अन्य मामले का हवाला देते हुए कहा गया कि आधार विवरण के साथ अश्लील तस्वीरें ऑनलाइन अपलोड किए जाने के बावजूद लर्निंग लाइसेंस जारी हो गया। याची ने ऐसी घटनाओं को गंभीर बताते हुए इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा से भी खतरा बताया है। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकार की ओर से इन आरोपों का विरोध किया गया। सरकारी पक्ष ने कहा कि केवल आधार नंबर उपलब्ध कराने से लर्निंग लाइसेंस स्वतः जारी नहीं हो जाता, बल्कि इसके लिए अन्य निर्धारित औपचारिकताएं भी पूरी करनी होती हैं। इस पर न्यायालय ने सवाल किया कि यदि वास्तव में किसी मृत व्यक्ति के आधार नंबर के आधार पर उसके नाम पर लर्निंग लाइसेंस जारी हुआ है तो ऐसा कैसे संभव हुआ। हालांकि, सरकारी पक्ष की ओर से इस सवाल का कोई स्पष्ट जवाब न्यायालय को नहीं मिल सका।

ऑटो सवार महिला का छीना पर्स

लखनऊ। आलमबाग थाना क्षेत्र अंतर्गत मवैया स्थित दुर्गापुरी मैट्रो के निकट ऑटो से ट्रेन पकड़ने रेलवे स्टेशन जा रहे दंपत्ति का बाइक सवार अज्ञात लुटेरा महिला के हांथ में पकड़ा पर्स छीन कर फरार हो गए।

धीरेन्द्र हत्याकांड में शामिल 50 हजार का इनामी आरोपित गिरफ्तार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में हुए चर्चित धीरेन्द्र प्रताप सिंह हत्याकांड में पुलिस और एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी जय किशन को गिरफ्तार कर लिया है।

एसटीएफ और सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को सेक्टर-10 चौराहे के पास घेराबंदी कर उसे दबोचा। आरोपी के पास से 7300 रुपये नकद और मृतक की कीमती अंगूठी बरामद हुई है।

धीरेन्द्र प्रताप सिंह की 29 अगस्त को हत्या कर दी गई थी।इस मामले में पुलिस ने पहले ही मुख्य साजिशकर्ता उनके चालक रवि उर्फ रवि किशन, उसके साथी ओमकार साहू और रवि की पत्नी पूजा को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। घटना के खुलासे के बाद फरार आरोपितों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपित जय किशन ने बताया कि उसके बड़े भाई रवि किशन ने ही अपने दोस्तों के साथ मिलकर धीरेन्द्र प्रताप सिंह की हत्या की साजिश रची थी। इस साजिश की जानकारी उसे और उसकी भाभी पूजा को भी थी। प्लॉट और मकान मिलने के लालच में वह इस साजिश में शामिल हो गया।

जय किशन ने बताया कि 29 अगस्त को उसने भाई रवि किशन और उसके दोस्त द्वारा भेजे गए शूटर के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था।हत्या के बाद रवि किशन ने उसे कुछ रुपये और मृतक की अंगूठी देकर फरार होने के लिए कहा था। आरोपित ने यह भी कबूला कि हत्या के बाद उसने और उसकी भाभी पूजा ने सबूत मिटाने के लिए धीरेन्द्र प्रताप सिंह के मोबाइल फोन ट्रेन में फेंक दिए थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार लखनऊ में ही ठिकाने बदल बदल कर रहा था। इसी बीच एसटीएफ को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इनामी आरोपित जय किशन सेक्टर-10 चौराहे पर किसी से मिलने आने वाला है, जिसके बाद संयुक्त टीम ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।पुलिस अब अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

पांच युवकों को शांति भंग की धाराओं में पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ। नगराम क्षेत्र के करोरा गांव में एक-दूसरे के खिलाफ दिए गए प्रार्थना पत्र को लेकर सोमवार को दो पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के चार युवक आपस में भिड़ गए और मारपीट व फसाद पर आमादा हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काफी समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन युवक शांत नहीं हुए। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने चारों को हिरासत में ले लिया। वहीं, एक अन्य मामले में सिरौना गांव निवासी युवक को भी झगड़ा-फसाद करने पर गिरफ्तार किया गया।

थानाध्यक्ष नगराम अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को उपनिरीक्षक संदीप कुमार पुलिस टीम के साथ करोरा गांव में एक प्रार्थना पत्र की जांच के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान प्रथम पक्ष के ददुरी जमालपुर निवासी दिलीप कुमार वर्मा (19) और आशू वर्मा (30) तथा द्वितीय पक्ष के करोरा निवासी आशीष गौतम (23) और अजय गौतम (20) पुराने विवाद और थाने में एक-दूसरे के खिलाफ दिए गए प्रार्थना पत्र को लेकर फिर आमने-सामने आ गए।

पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन चारों युवक उत्तेजित होकर फसाद करने पर आमादा रहे। किसी संज्ञेय घटना की आशंका और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने चारों को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत हिरासत में ले लिया। वहीं, दूसरे मामले में सिरौना गांव निवासी अमरजीत रावत को भी झगड़ा-फसाद करने के आरोप में शांति भंग की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद चालानी रिपोर्ट के साथ पांचों आरोपियों को कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया।

हुक्का बार में दबिश, 13 गिरफ्तार 14 हुक्के व तम्बाकू बरामद

लखनऊ। ठाकुरगंज पुलिस ने अवैध हुक्का बार के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से अवैध तम्बाकू उत्पाद व हुक्का बरामद यिा गया है। पुलिस का कहना है कि सोमवार को ठाकुरगंज पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि 'द राशा कैफे' निकट चोर घाटी के पास चौकी रिंगरोड थाना ठाकुरगंज में अवैध रूप से हुक्का बार चल रहा है, जहां कम उम्र के लड़कों को लाइसेंस होने का झांसा देकर बुलाया जाता है तथा उनको नशे का आदी बनाया जा रहा है। इस सूचना का ठाकुरगंज पुलिस द्वारा संज्ञान लिया गया व मौके पर दबिश दी गयी तो मो0 एहतिशाम, फरहान खान, मो0 फरमान, तौकीर अहमद, मो0 साद, मुस्तफा, मो0 अनस, मो0 आमीर, अंकित कुमार, आजम, समीर, अमन चौधरी व मो0 अयान को गिरफ्तार किया गया। मौके पर 14 छोटे बड़े हुक्के मय पाट, स्टेम, आइसपाट, चीलम, पाइप के, 6 अतिरिक्त चिलम, तीन अतिरिक्त रबर पाइप, दो छोटे बड़े हीटर, तीन चीमटी, तीन पैस सिल्वर फाइल व 29 सील पैक फ्लेवर बरामद हुए।

महिला से 2.53 लाख ठगी

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-के में रहने वाली महिला को साइबर जालसाजों ने डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के नाम पर ऐप डाउनलोड करा खाते को हैक कर लाखों की नगदी पार कर दी । मामले की जानकारी होने पर पीड़िता ने साइबर सेल समेत स्थानीय थाने में लिखित तहरीर दी । पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्यवाही में जुटी है । आशियाना थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-के में रहने वाली रुचि सहगल पत्नी प्रदीप सहगल के अनुसार बीती 29 अगस्त की सुबह लगभग 8 बजे उनके एक रिश्तेदार पीएन टंडन ने फोन कर हेल्थ सिटी अस्पताल में मरीज किरण टंडन को दिखाने के लिए अपॉइंटमेंट लेने की बात कही । पीड़िता का आरोप है कि अस्पताल को फोन करने पर दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति ने अस्पताल का सर्विस ऐप डाउनलोड कर मरीज का विवरण भर 5 रुपये के ऑनलाइन भुगतान करने की बात कही । पीड़िता ने गूगल पे के माध्यम से 5 रुपये भुगतान का प्रयास किया लेकिन असफल रहा । जिसके बाद ठग ने उन्हें हैशटैग नंबर डायल कर फोन होल्ड पर रखने की बात कही । करीब 5 मिनट तक फोन होल्ड पर रखने के बाद पीड़िता ने फोन काट दिया । फोन काटते ही दो बार में उनके बैंक खाते से लगभग 2 लाख 54 हजार रुपए निकल गए ।

मुख्यमंत्री के विरुद्ध फर्जी व भ्रामक बातें फैलाने वाले के विरुद्ध दर्ज हुआ मुकदमा

लखनऊ। मुख्यमंत्री की छवि आलमबाग थाने में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ने सोशल मीडिया पर एक प्रतिष्ठित मीडिया प्रतिष्ठान का नकली अकाउंट बनाकर फर्जी और भ्रामक स्टेटमेंट प्रसारित कर छवि को धूमिल करने का आरोप लगा लिखित शिकायत दी । अधिवक्ता की तहरीर पर रविवार रात मुकदमा दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्यवाही में जुटी है । उच्च न्यायलय के अधिवक्ता आदेश कुमार वाजपेई ने आलमबाग थाने में लिखित शिकायत देते हुए आपत्ति दर्ज कराई कि एनबीटी ऑनलाइन न्यूज चैनल ऐप पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि को धूमील करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री का फर्जी स्टेटमेंट प्रसारित किया जा रहा है । मामले की जानकारी होने पर अधिवक्ता के विरोध पर एनबीटी ने अपने ट्विटर हैंडल से उक्त स्टेटमेंट के प्रसारण का खंडन करते हुए कहा कि जहां से भी खबर प्रसारित की जा रही है यह उनका असली अकाउंट नहीं है, बल्कि कोई अन्य व्यक्ति फर्जी अकाउंट बनाकर मुख्यमंत्री के नाम से फर्जी और भ्रामक स्टेटमेंट को प्रसारित कर रहा है । एनबीटी के खंडन के उपरांत अधिवक्ता आदेश वाजपेई ने आलमबाग थाने में मामले की लिखित तहरीर दी ।

NOTICE

I Preeti Mittal w/o Mr Akshat Mittal residing in 529/2038, Rajeev Nagar, Kalyanpur, Lucknow U.P. Inform that prior to my marriage, my name was recorded as Preeti Agrawal in the bank's official records; however, my name is registered as Preeti Mittal on my Aadhaar card and PAN card. Both Preeti Agrawal and Preeti Mittal refer to me.

सूचना

सूचित हो कि मैनै अपना नाम रईस अहमद (RAIS AHMAD) से बदलकर रईस अहमद अंसारी (RAIS AHMAD ANSARI) रख लिया है। यही नाम मेरे आधार कार्ड पर अंकित है। अब मुझे रईस अहमद अंसारी के नाम से जाना व पहचाना जाए। **रईस अहमद अंसारी पुत्र जहीर अहमद नि. खतराना निकट पावर हाउस थाना कोतवाली शहर रायबरेली।**

सूचना

मैं, निधि प्रजापति, पुत्री मनोज कुमार प्रजापति, निवासी ग्राम त्रिलोकपुर, पोस्ट- धम्मौर, जनपद- सुलतानपुर, उ.प्र., यह घोषित करती हूँ कि मेरी सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा-2026 (रोल नं. 23712027) में मेरे पिता का नाम गलती से मनोज प्रजापति अंकित हो गया है। मेरी हाई स्कूल प्रमाण-पत्र/मार्कशीट (रोल नं. 23296798) के अनुसार मेरे पिता का सही नाम मनोज कुमार प्रजापति है। अतः भविष्य में सभी अभिलेखों में मेरे पिता का नाम मनोज कुमार प्रजापति ही माना एवं अंकित किया जाए। **निधि प्रजापति निवासी- ग्राम त्रिलोकपुर, पोस्ट धम्मौर, जनपद- सुलतानपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री अनामिका देवी का जन्म दिनांक 22/12/2010 को निजी आवास घर में ही हुआ है। जानकारी के अभाव में मैं अपनी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत नहीं करवा सका। इसके पहले मैंने कहीं से भी जन्म प्रमाण पत्र के लिए कोई आवेदन नहीं किया। मेरी पुत्री अनामिका देवी का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाना जनहित में आवश्यक है इसे जारी किया जाए। किसी को आपत्ति हो तो प्रस्तुत कर सकता है। राम औतार पुत्र जगतपाल निवासी ग्राम मेवली विकासखंड बहुआ तहसील व जिला फतेहपुर।

महिला दारोगा समेत 50 से अधिक पुलिसकर्मियों से करोड़ों ठगे

पुलिस कमिशनर के आदेश पर मुकदमादर्ज

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में घूम रहे जालसाज ने पुलिस वालों को बड़ी संख्या में ठगा। ट्रांसफर-पोस्टिंग और निवेश के नाम पर इस जालसाज ने 50 से अधिक लोगों को करोड़ों का झटका दिया। महिला दारोगा समेत कई पुलिस वालों को चूना लगा दिया।

जालसाज हजरतगंज के विधानभवन, लोकभवन और दारुलशफा के आसपास जालसाजों का एक ऐसा समूह घूम रहा है जो विशेष रूप से पुलिस वालों को ही ठग रहा है। कभी ट्रांसफर-पोस्टिंग तो कभी निवेश के नाम पर इसने महिला दारोगा मोना सिकरवार समेत 50 से अधिक पुलिस कर्मियों से करोड़ों रुपये ठग लिए हैं। जालसाज खुद को शासन में तैनात बड़े अफसरों का करीबी बताकर पुलिस कर्मियों को निवेश में धन दोगुना करने और ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम झांसे में लेता था। पीड़ित दरोगा की तहरीर पर हजरतगंज पुलिस जालसाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में दबिश दे रही है। पीड़ित महिला दरोगा मोना सिकरवार चौक कोतवाली में तैनात हैं। पीड़िता के मुताबिक विधानसभा सत्र के दौरान दारुलशफा पुलिस चौकी में उसकी मुलाकात जालसाज प्रदीप शिवहरे उर्फ पप्पू से हुई थी। प्रदीप शिवहरे ने एक साल में धन दोगुना करने का झांसा दिया था। उसने निवेश के नाम पर कई योजना बताईं। खुद को कई बड़े अफसरों का करीबी बताया। उसके झांसे में आकर उसने 16.55 लाख रुपये निवेश के नाम पर ठग लिए। पीड़िता ने बताया कि 9.55 लाख रुपये उन्होंने प्रदीप शिवहरे को ऑनलाइन ट्रांसफर किए और सात लाख रुपये नकद दिए थे। निवेश में मुनाफे की रकम वापस न मिलने पर विरोध किया तो वह टाल मटोल करता रहा। इसके बाद उसने धमकी देनी शुरू कर दी। फिर उसने मोबाइल बंद कर लिया। मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद जांच हुई तब आरोपी के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ। पीड़िता ने बताया कि उसने लाखों रुपये ठगे जाने और धमकी से वह बेहद परेशान थी। उसने 28 जुलाई को शिकायत प्रकोष्ठ में प्रार्थनापत्र दिया था। इसके बाद पुलिस कमिश्नर से मिली। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर एसीपी हजरतगंज रजनीश वर्मा को पूरे मामले की जांच दी गई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी जालसाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

ग्रीन गैस मीटर अपडेट के नाम पर ग्राहक से ठगे 98 हजार

फॉर्म भरवा बैंक की जानकारी हासिल कर जमा कराया 50 रुपये का सरचार्ज

लखनऊ। आशियाना थाना के एलडीए कॉलोनी रजनी खंड में रहने वाले ग्रीन गैस लिमिटेड के उपभोक्ता को जालसाज ने अपने झांसे में लेते हुए उपभोक्ता के बैंक खाते की जानकारी हासिल कर उसके बैंक खाते से हजारों की नगदी निकाल ली । मामले की जानकारी होने पर पीड़ित ने साइबर सेल समेत स्थानीय थाने में लिखित तहरीर दी । पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्यवाही में जुटी है ।

आशियाना थाना क्षेत्र अंतर्गत एलडीए कॉलोनी शारदा नगर योजना के रजनीखंड में रहने वाले सुरेंद्र सिंह की माने तो बीती 9 अगस्त की रात लगभग 8 बजे अज्ञात कॉलर ने फोन कर खुद को ग्रीन गैस लिमिटेड का कर्मचारी बता पीड़ित से गैस मीटर अपडेट न होने की बात कह तत्काल ऑफिस बुलाया और मीटर अपडेट न होने पर गैस सप्लाई रोकने की बात कही । पीडित ने तत्काल ऑफिस पहुंचने में असमर्थता जताई तो जालसाज ने व्हाट्सएप पर फॉर्म भेज कर भरने की बात कही । जालसाज ने उपभोक्ता को फॉर्म भेज ऑनलाइन 50 रुपये सरचार्ज जमा करने की सलाह दी । सरचार्ज जमा करने के 15 मिनट बाद ही उनके बैंक खाते से 98 रुपए रुपये निकल गए । मामले की जानकारी होने पर पीड़ित ने साइबर सेल समेत स्थानीय आशियाना थाने में लिखित तहरीर दी । स्थानीय थाने में कोई सुनवाई न होता देख पीड़ित ने एसीपी कैंट से मामले की शिकायत की । एसीपी के निर्देश पर रविवार रात मुकदमा दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्यवाही में जुटी है।

शिक्षिका ने महिला दरोगा को जड़ा थप्पड़

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। महानगर कोतवाली में हुए हंगामे के दौरान महिला शिक्षक ने महिला दरोगा को थप्पड़ जड़ दिया और हाथापाई की। मौके मौजूद पुलिस कर्मचारियों ने दोनों को अलग कराया।

महिला दरोगा ने इस सम्बंध में शिक्षिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंची शिक्षिका ने महिला दरोगा पर सुनवाई न करने का आरोप लगाया। शिक्षिका का कहना है कि वह काफी देर से थाने में बैठी थी। महिला दरोगा देर से पहुंची। बार-बार शिकायत के बाद भी उसने मामले में कार्रवाई नहीं की। इस पूरे मामले में इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश कुमार मिश्र का कहना है कि महिला दरोगा सान्या निरंजन की तहरीर पर शिक्षिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिक्षिका उन्नाव जनपद के सर्वोदयनगर में रहती हैं।

पीलीभीत जनपद के एक प्राथमिक विद्यालय में तैनात हैं। शनिवार को शिक्षिका का विज्ञानपुरी मोहल्ले में किसी से विवाद हो गया था। महिला दरोगा सान्या निरंजन उसी क्षेत्र की हल्का प्रभारी हैं। शिक्षिका विवाद की शिकायत लेकर थाने पहुंची थी। उस समय दरोगा सान्या अपने क्षेत्र में गश्त पर थी। कुछ देर बाद वह दरोगा थाने पहुंची। शिक्षिका ने उन्हें अपनी शिकायत बताई। दरोगा मामले में कार्रवाई कर रही थी। इस बीच शिक्षिका भड़क गई। महिला टीचर ने दरोगा से हाथापाई शुरू कर दी। महिला टीचर चिल्लाने लगीं। जब तक अन्य पुलिसकर्मी दौड़े शिक्षिका ने दरोगा को थप्पड़ जड़ दिया। महिला टीचर महिला दरोगा की वर्दी फाड़ने की कोशिश की। कोतवाली हंगामे जैसा माहौल हो गया। महिला पुलिस कर्मियों ने शिक्षिका को खींचकर अलग किया। इसके बाद दरोगा ने थाने में तहरीर दी। दरोगा की तहरीर पर आरोपी शिक्षिका के खिलाफ मारपीट करने, सरकारी कार्य में बाधा करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच- कर रही है।

क्रिटिकल कॉरिडोर टीम का दायित्व केवल दुर्घटना के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं : डीजीपी

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं एवं जनहानि को न्यूनतम करने के उद्देश्य से जेडएफडी कार्यक्रम के तृतीय एवं चतुर्थ चरण की क्रिटिकल कॉरिडोर टीम प्रभारियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में 59 जनपदों के 213 दुर्घटना बाहुल्य स्थलों पर गठित 228 क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों के प्रभारी एवं जेडएफडी नोडल अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 राजीव कृष्ण ने दुर्घटनाओं के मूल कारणों की वैज्ञानिक पहचान एवं उनके प्रभावी निराकरण पर विशेष बल दिया।

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से प्रदेश में संचालित जीरो फैसलिटी (जेडएफडी) योजना को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाए जाने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस मुख्यालय, उ0प्र0, लखनऊ स्थित अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद प्रेक्षागृह में यातायात निदेशालय, उ0प्र0 द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला में जेडएफडी कार्यक्रम के तृतीय एवं चतुर्थ चरण के अंतर्गत प्रदेश के 59 जनपदों के सर्वाधिक दुर्घटना बाहुल्य 213 चिन्हित क्रिटिकल स्थानों पर गठित 228 क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों (सीसीटीम्स) के प्रभारी अधिकारियों एवं जेडएफडी नोडल अधिकारियों (अराजपत्रित) द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला के दौरान राजीव कृष्ण पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश ने अपने सम्बोधन में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल आकस्मिक घटना मानने के बजाय उनके पीछे मौजूद कारणों की पहचान कर उन्हें दूर करने पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों का विश्लेषण कर उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय एवं निरंतर अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाए। पुलिस महानिदेशक ने क्रिटिकल कॉरिडोर टीम प्रभारियों को अपने-अपने एरिया ऑफ रिस्पॉसबिलीटी में दुर्घटना संभावित स्थलों एवं उनके कारकों की पहचान कर प्रभावी रोकथाम की कार्यवाही मिशन मोड में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना रोकथाम एवं दुर्घटना की विवेचना दोनों ही विशेषज्ञता वाले कार्य हैं, जिनमें तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। संबंधित विभागों से अपेक्षित सुधारात्मक कार्यों को निरंतर फॉलोअप एवं उच्च स्तर पर एस्केलेट करते हुए पूर्ण कराया जाए।

हरतालिका तीज 14 को, सुहागिनें पति के लिए रखेंगी निर्जला व्रत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण व्रतों में से एक माना जाता है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना से निर्जला व्रत रखती हैं। वहीं, अविवाहित लड़कियां अच्छे जीवनसाथी की इच्छा से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। पंचांग के अनुसार, भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 13 सितंबर 2026 को सुबह शुरू होगी और 14 सितंबर की सुबह तक रहेगी।

उदयातिथि के आधार पर हरतालिका तीज का व्रत 14 सितंबर 2026, सोमवार को रखा जाएगा। इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करना शुभ माना जाएगा। कई बार किसी तिथि की शुरुआत एक दिन होती है और उसका समापन अगले दिन होता है। ऐसे में लोगों के बीच व्रत की सही तारीख को लेकर भ्रम पैदा हो जाता है। हरतालिका तीज के मामले में भी ऐसा ही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत में उदयातिथि का विशेष महत्व माना जाता है। इसलिए ज्यादातर पंचांग 14 सितंबर को ही हरतालिका तीज का व्रत बता रहे हैं।

हरतालिका तीज पर बनेंगे खास संयोग: इस साल हरतालिका तीज का पर्व कई शुभ संयोगों के बीच मनाया जाएगा। तीज के दिन चित्रा नक्षत्र रहेगा और ब्रह्म योग का निर्माण होगा। इसके अलावा ग्रहों की विशेष स्थिति भी इस पर्व की महत्ता को और बढ़ा रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शुभ योग और मुहूर्त में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से सुख-शांति और सौभाग्य बढ़ता है।

हरतालिका तीज व्रत पारण: हरतालिका तीज व्रत का पारण 15 सितंबर 2026 को होगा। इस दिन सुबह सूर्योदय के बाद सुहागिनों दान और व्रत पारण से जुड़े कार्य कर सकती हैं।

हरतालिका तीज का महत्व: धार्मिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। तभी से हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियम के साथ करने से वैवाहिक जीवन में सुख बना रहता है। अविवाहित कन्याओं को मनचाहे वर का आशीर्वाद मिलता है।

हरतालिका तीज की पूजा विधि: हरतालिका तीज के दिन सुबह स्नान के बाद व्रत का संकल्प लिया जाता है। भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। मिट्टी या बालू से शिव-पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूजा करने की भी परंपरा है। फल, फूल, बेलपत्र, धतूरा, सुहाग का सामान और मिठाई अर्पित की जाती है। रात में जागरण और हरतालिका तीज की कथा सुनने का भी विशेष महत्व बताया गया है।

इस दिन कई महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। पूरे दिन भगवान शिव और माता पार्वती का स्मरण किया जाता है। अगले दिन पूजा के बाद व्रत का पारण किया जाता है। हालांकि, स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर व्रत रखने से पहले परिवार के बुजुर्ग या जानकार आचार्य की सलाह लेना बेहतर माना जाता है।

शिव परिवार के आशीर्वाद का भाव: तीज मुख्य रूप से शिव-पार्वती का पर्व है। इस बार गणेश चतुर्थी जुड़ने से पूजा का महत्व और बढ़ गया है।

गणेश जी विघ्न हरने वाले माने जाते हैं। गणेश चतुर्थी पर घर में सुख-शांति और कार्यों में रुकावट कम होने की कामना के लिए गणपति की पूजा की जाती है। हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी एक साथ पड़ने से एक ही दिन में शिव परिवार की पूजा इसे बेहद खास बना रहा है।

शिव परिवार के एक साथ आशीर्वाद का फल: जब एक ही दिन तीनों देवताओं की पूजा होती है, तो घर में सौभाग्य, संतान सुख और बाधाओं से मुक्ति की कामना विशेष रूप से पूर्ण होने की बात कही जाती है। शिव से स्थिरता, पार्वती से सौभाग्य और गणेश से विघ्न हरण का फल एक साथ मिलता है। सुहागिन महिलाएं इस संयोग को अखंड दांपत्य के लिए अत्यंत शुभ मानती हैं। कुंवारी कन्याएं भी इसी दिन मनचाहे वर की कामना से पूजा करती हैं। हरतालिका तीज इस बार शिव, पार्वती और गणेश जी की संयुक्त आराधना का अवसर लेकर आ रही है। व्रत श्रद्धा से रखें और पूजा सादगी से करें। यही इस पर्व का मूल भाव है।

पूजन मुहूर्त

- पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 05 मिनट से सुबह 7 बजकर 06 मिनट तक रहेगा
- इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 32 मिनट से सुबह 5 बजकर 19 मिनट तक रहेगा
- अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 52 मिनट से दोपहर 12 बजकर 41 मिनट तक रहेगा

3 शुभ योग में आज रखा जायेगा भौम प्रदोष व्रत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सितंबर महीने का पहला प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन पड़ने के कारण इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है। प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में करने का विधान है। इस बार व्रत के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है, जिसे धार्मिक दृष्टि से बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस योग में की गई पूजा और शुभ कार्यों से मनोकामना पूर्ति के मार्ग प्रशस्त होते हैं। शिव आराधना के लिए इस दिन करीब 2 घंटे 18 मिनट का शुभ समय मिलेगा। पंचांग के अनुसार भाद्रपद कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 8 सितंबर को दोपहर 2:42 बजे आरंभ होगी और 9 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे समाप्त होगी।

प्रदोष काल 8 सितंबर को पड़ने के कारण इसी दिन भौम प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस बार प्रदोष व्रत पर एक साथ तीन शुभ योग बन रहे हैं। इनमें सर्वार्थ सिद्धि योग, परिघ योग और शिव योग शामिल हैं। परिघ योग सुबह से लेकर रात 12:40 बजे तक रहेगा। इसके बाद शिव योग शुरू होगा। वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग 8 सितंबर को शाम 4:39 बजे से प्रारंभ होकर 9 सितंबर की सुबह 6:03 बजे तक रहेगा। ज्योतिषीय मान्यता में सर्वार्थ सिद्धि योग को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना जाता है। प्रदोष व्रत के दिन पुष्य नक्षत्र सुबह से शाम 4:39 बजे तक रहेगा। इसके बाद अश्लेषा नक्षत्र का आरंभ होगा।

भौम प्रदोष व्रत का पूजा मुहूर्त: 8 सितंबर को भगवान शिव की पूजा के लिए शाम 6:35 बजे से रात 8:52 बजे तक का समय शुभ रहेगा। यानी भक्तों को शिव पूजा के लिए लगभग 2 घंटे 18 मिनट का समय प्राप्त होगा। इस अवधि में भगवान शिव का जल, दूध, बेलपत्र, फूल और अन्य पूजन सामग्री से विधिवत अभिषेक कर सकते हैं। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:31 बजे से 5:17 बजे तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:54 बजे से दोपहर 12:44 बजे तक है। रात में निशिता काल 11:56 बजे से 9 सितंबर को 12:42 बजे तक रहेगा।

प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व: प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत और शिव आराधना से जीवन के संकट, परेशानियां और नकारात्मक प्रभाव दूर करने में सहायता मिलती है। भक्त सुख-शांति, समृद्धि, धन और संपत्ति की कामना से भी यह व्रत रखते हैं।

भौम प्रदोष व्रत की पूजा विधि: भौम प्रदोष के दिन भगवान शिव की माता पर्वती के साथ पूजा करने का विधान है। शास्त्रोक्त विधि से पूजन करने के लिए व्रत के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत्त हो कर रेशम के कपड़ों से मण्डप का निर्माण करना चाहिए। मण्डप में शिवलिंग या शिव परिवार का चित्र स्थापित करें। इसके बाद आटे और हल्दी से स्वास्तिक बनाएं तथा भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, मदार, दूध, दही, शहद का भोग लगाना चाहिए। पंचाक्षर मंत्र से आराधना करें तथा संकल्प लेकर पूरे दिन फलाहार करते हुए व्रत रखना चाहिए। व्रत का पारण अगले दिन चतुर्दशी को किया जाता है। भौम प्रदोष का व्रत रखने से दाम्पत्य जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं तथा विवाह में आने वाली बाधा को भी दूर किया जा सकता है।

डिजिटल मूविंग झांकी में श्रीकृष्ण ने अघासुर का किया वध

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मित्तल परिवार की ओर से अमीनाबाद रोड स्थित न्यू गणेशगंज में 6 दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं डिजिटल मूविंग झांकियों में कृष्ण की लीलाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। झांकी संयोजक अनुपम मित्तल ने बताया कि चौथे दिन सोमवार को अघासुर वध का प्रसंग दिखाया गया। इसके अलावा दही हांडी मटकी फोड़ प्रतियोगिता हुई। मुंबई की तर्ज पर दही हांडी मटकी फोड़ स्पर्धा कराई गई। इसमें 20 फीट ऊंचाई पर दही से भरी हांडी लटकाई गई। इस प्रतियोगिता में बच्चों की कई टीमों ने प्रतिभाग किया। विजयी टीम को मित्तल परिवार की ओर से पुरस्कृत किया गया।

डिजिटल मूविंग अघासुर वध की झांकी में एक दिन श्रीकृष्ण अपने ग्वाल-बाल मित्रों और बछड़ों के साथ वन में खेलने गए। उसी समय कंस ने उन्हें मारने के लिए अघासुर नामक राक्षस को भेजा। अघासुर, पूतना और बकासुर का भाई था। अघासुर ने एक बहुत बड़े अजगर का रूप धारण किया। उसका शरीर पर्वत जैसा विशाल था और उसका मुंह गुफा की तरह खुला हुआ था। ग्वाल-बालों ने उसे देखकर सोचा कि यह कोई अद्भुत गुफा है। वे खेल-खेल में उसके मुंह के अंदर चले गए। बछड़े भी उनके पीछे अंदर चले गए। श्रीकृष्ण समझ गए कि यह अजगर कोई साधारण जीव नहीं, बल्कि अघासुर राक्षस है। अपने मित्रों और बछड़ों की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण भी उसके मुंह में प्रवेश कर गए। अघासुर ने अपना मुंह बंद कर लिया। तब श्रीकृष्ण ने अपना शरीर बहुत विशाल कर दोनों हाथों से अघासुर का मुंह चीर कर उसका वध कर दिया। श्रीकृष्ण सभी ग्वाल-बालों और बछड़ों को रक्षा की। वहीं अन्य झांकियों में सावन में झूला झूलते राधा कृष्ण, बाबा अमरनाथ के दर्शन, भक्त शिरोमणि हनुमान जी के हृदय में राम सीता के दर्शन की स्वचालित झांकी भक्तों के आकर्षण का केंद्र रही। भालू-बंदर नचाते और सांप का खेल दिखाते मदारी की झांकी के साथ राम नाम जपते तुलसीदास, माखन चोरी करने पर कन्हैया को छड़ी लेकर दौड़ाती यशोदा माता की चलती फिरती झांकी भक्तों को लुभा रही थी। 20 फिट ऊंचे शिवलिंग से गंगा अवतरण का सेल्फी कार्नर भी बनाया गया था। डिजिटल मूविंग झांकी लाइट एंड साउंड के इफेक्ट के साथ स्वचालित मूर्तियां एक्शन करती हुई दिखाई दे रही थी जो सभी भक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। न्यू गणेशगंज झांकी स्थल को फूल पत्तियों, खूबसूरत आकृतियों की कोलकाता की एलईडी लाइट पैनल, झूमर, रंग बिरंगी झालरों एवं विशालकाय तोरण द्वारों पर कृष्ण के विविध रूपों को लखनऊ के मशहूर अग्रवाल इलेक्ट्रिकल, चौक के अंकुल जी द्वारा उकेरा गया था।

बुद्ध संस्कृति और उपदेशों पर आधारित नृत्य-नाटिका ने मोहा मन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बुद्धिस्ट आर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन, काकोरी, लखनऊ द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय बौद्ध साहित्य, कला एवं संस्कृति की समृद्ध विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से बौद्ध साहित्य एवं कला कार्यशाला का आयोजन मोहन सिंह बिष्ट प्रेक्षागृह, लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर भगवान बुद्ध के जीवन एवं उनके उपदेशों पर आधारित आकर्षक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन भरत सिंह बिष्ट ने किया, जबकि फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के विचार आज भी पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक हैं। करुणा, अहिंसा, शांति, मैत्री और मानवता का उनका संदेश नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नृत्य-नाटिका के माध्यम से कलाकारों ने भगवान बुद्ध के जीवन, उनके संघर्ष और मानव कल्याण से जुड़े उपदेशों को भावपूर्ण अभिनय, संगीत एवं नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रस्तुति ने दर्शकों को बुद्ध के विचारों और भारतीय बौद्ध संस्कृति से गहराई से परिचित कराया। नृत्य-नाटिका का निर्देशन लवली गैलियन ने तथा सहायक निर्देशन कामना बिष्ट ने किया। प्रस्तुति में महेंद्र सिंह, पीयूष, हर्षिता, महेश, पंकज, रमेश, लाल सिंह, रितेश, संगीता, प्रियंका एवं शिप्रा चंद्र ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में कामना बिष्ट द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। बौद्ध संस्कृति और भारतीय लोक परंपरा के सुंदर समन्वय ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। आयोजकों ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय बौद्ध साहित्य, कला एवं संस्कृति से जोड़ना तथा देश की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में बुद्ध के शांति, करुणा और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया गया।

बच्चों ने मनाया कान्हा का जन्मदिन

लखनऊ। बादशाहनगर स्थित मनोरंजन संस्थान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। जन्माष्टमी उत्सव के दौरान योगेश्वर श्री कृष्ण की मनमोहक झांकियां विशेष आकर्षण का केन्द्र रहीं। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने केक काटकर कान्हा जी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर बच्चों, स्काउट्स एंड गाइड्स तथा रेलकर्मियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोक नृत्यों एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मण्डल रेल प्रबन्धक गौरव अग्रवाल के कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और कर्तव्य का प्रतीक है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन रेल परिवार को एक सूत्र में पिरोते हैं तथा कर्मचारियों और उनके परिजनों में नई ऊर्जा, आपसी सौहार्द और सकारात्मकता का संचार करते हैं। रेल प्रशासन आगे भी इस प्रकार के आयोजनों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज की 82वीं व्यास पूजा को भक्तों ने श्रद्धापूर्वक मनाया

लखनऊ। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज की 82 वीं व्यास पूजा (आविर्भाव दिवस) सम्पूर्ण विश्व सहित श्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर इस्कॉन लखनऊ में 07 सितम्बर, 2026 दिन सोमवार को अत्यंत भव्यता, श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया।

गोपाल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज का जन्म 14 अगस्त 1944 अन्नदा एकादशी को एक बहुत ही संभ्रान्त, उच्च शिक्षित एवं धनी परिवार मे हुआ था, उनकी उच्च शिक्षा यूरोप मे हुयी और 1960 के दशक मे एमबीए करने के बाद पेप्सीको, एशिया के सीईओ के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। गोपाल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज का रुझान कृष्ण भक्ति की ओर हुआ और वह मांट्रियल के मन्दिर अध्यक्ष से कुछ सेवा मांगने गये तो उन्हें श्रील प्रभुपाद जी का कमरा साफ करने की सेवा दी गयी, उन्होंने वह सेवा इतनी सुन्दर तरीके से की, जिससे श्रील प्रभुपाद जी अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्हें मिलने के लिए बुलाया, इस तरह गुरू महाराज की श्रील प्रभुपाद से पहली भेंट 13 मई 1968 को हुई ' श्रील प्रभुपाद जी ने उन्हें कृष्ण भक्ति उत्साहपूर्वक करने के लिए प्रेरित किया। 27 मई 1969 को गुरू महाराज की हरिनाम दीक्षा हुई महाराज को उनके भौतिक नाम के अनुरूप दीक्षित नाम गोपाल कृष्ण दास दिया गया। गुरू महाराज की अपने गुरू श्रील प्रभुपाद के प्रति ऐसी शरणागति थी कि वह अपना सम्पूर्ण वेतन लेकर श्रील प्रभुपाद के चरणों मे रख देते थे ' प्रभुपाद जी उनकी पत्नी को बुलाकर उन्हें घर खर्च के पैसे दिया करते थे। गुरू महाराज की निरंतर सेवाओं से प्रसन्न होकर श्रील प्रभुपाद जी ने उन्हें 1975 मे भारत भेजा और मुख्य रूप से पुस्तक वितरण पर अपना ध्यान केंद्रित रखते हुए प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। गुरू महाराज को 1976 मे रूस मे प्रचार के लिए भेजा गया, जहाँ उन्हें अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा परन्तु उनकी गुरू के प्रति शरणागति और इच्छा शक्ति के कारण आज विश्व में सर्वाधिक भक्त रूस मे ही हैं ' 1981 मे गुरू महराज ने सन्यास ग्रहण किया और 1982 मे (जनरल बॉडी काउंसिल) द्वारा उन्हें दीक्षा गुरू के रूप मे नियुक्त किया गया और तबसे वह निरंतर अपनी सेवाएं देते रहे और 05 मई 2024 को इस नश्वर संसार से गोलोक धाम को प्रस्थान कर गए। गोपाल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज की व्यास पूजा (आविर्भाव दिवस) पर इस्कॉन परिवार, लखनऊ द्वारा श्री श्री राधा रमण बिहारी जी मंदिर मे भक्तों ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनका गुणगान किया गया।

सत्ता और अहंकार की कहानी ने छोड़ी गहरी छाप

नाटक कथा एक कंस की ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। संकृति मंत्रालय भारत सरकार के सययोगा से नाट्य संस्था भरत रंग, लखनऊ द्वारा प्रसिद्ध नाटककार दया प्रकाश सिन्हा के चर्चित नाटक कथा एक कंस की का मंचन रवींद्रालय प्रेक्षागृह, चारबाग, लखनऊ में किया गया। नाटक का निर्देशन चन्द्रभाष सिंह ने किया। नाटक ने दर्शकों को पौराणिक कथा के साथ-साथ सत्ता, अहंकार, महत्वाकांक्षा, प्रेम और नियति के संघर्ष से रूबरू कराया। मंच पर कंस के चरित्र को केवल एक अत्याचारी शासक के रूप में नहीं, बल्कि उसके भीतर चल रहे मानसिक द्वंद्व, असुरक्षा और सत्ता की महत्वाकांक्षा से जूझते एक मनुष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक की प्रस्तुति में अभिनय, प्रकाश, संगीत और मंच संयोजन का प्रभावी तालमेल देखने को मिला। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से कथा को जीवंत कर दिया। विशेष रूप से कंस के चरित्र की भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक परतों को कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। निर्देशक चन्द्रभाष सिंह ने कहा कि कथा एक कंस की को प्रस्तुत करने का उद्देश्य केवल पौराणिक कथा को दोहराना नहीं, बल्कि कंस के माध्यम से सत्ता और मनुष्य के बीच के संबंध को समकालीन संदर्भों में देखने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि रंगमंच समाज के सामने सवाल खड़े करने का सशक्त माध्यम है और यह नाटक भी दर्शकों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है। मंच पर गिन्नी सहगल, मुस्कान सोनी, अनामिका, लावण्या बाजपेई, लता बाजपेई, चन्द्रभाष सिंह, मृत्युन्जय प्रकाश, सुन्दरम मिश्रा, गिरिराज किशोर शर्मा, अग्नि सिंह, मुकुल कुमार, विनीता पटेल, कृष्ण कुमार पाण्डेय, अर्चना, नितिन कुमार, अर्पित मोदनवाल, अमोल पाण्डेय, रजनीश कुमार, सहित कुल 30 कलाकरों ने अभिनय किया। मंचन के दौरान प्रेक्षागृह में दर्शकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। नाटक के विभिन्न दृश्यों पर दर्शकों की प्रतिक्रियाएं और तालियां कलाकारों का उत्साह बढ़ाती रहीं। प्रस्तुति के समापन पर कलाकारों एवं रंगकर्मियों का दर्शकों ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया।

एकल नृत्य प्रतियोगिता में अर्पिता प्रथम, श्रेया सिंह रहीं द्वितीय

लखनऊ। एकल नृत्य प्रतियोगिता में अर्पिता और श्रेया के बाद संस्कृति एवं आस्था ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार कृति, सिक्की, ऋचा एवं रोशनी को प्रदान किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में विशाखा एवं निकिता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि फेस पेंटिंग में पलक ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। एकल गायन प्रतियोगिता में आंचल सिंह प्रथम, मानवी राजपूत द्वितीय तथा दीपांशी तिवारी तृतीय स्थान पर रहीं। फैशन शो में उत्कृष्टा ने प्रथम, संस्कृति कांडपाल ने द्वितीय तथा अंशिका गौतम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार मानसी, अंशिका एवं महक को मिला। स्वरचित काव्य पाठ में निधि बाजपेई प्रथम, मानवी द्वितीय तथा मुब्स्सिरा एवं श्वेता शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में ज्योति ने प्रथम, आराधना ने द्वितीय तथा मान्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कलश सज्जा में शालू प्रजापति प्रथम एवं आराधना बहेलिया द्वितीय रहीं। एंकरिंग प्रतियोगिता में निकिता सिंह प्रथम, आनंदी अवस्थी द्वितीय तथा इलीना तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बलरामपुर

पत्रांक: 2502/2ए/निविदा /2026 दिनांक:-25.08.2026

ई-निविदा सूचना

1- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बलरामपुर महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग में श्रेणी ''ए ,बी., सी. डी'' में पंजीकृत पात्र ठेकेदारों से प्रतिषत दरों में अधोलिखित विवरण के अनुसार आन लाइन निविदा आमंत्रित करते है। निविदादाता कार्य हेतु विड प्रस्तुत कर सकते है।

क्र. सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
(विधानसभा- बलरामपुर)						
1	बलरामपुर	जनपद बलरामपुर में कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड एवं (प्र.प./भवन) लो.नि.वि. बलरामपुर के सुरक्षा हेतु चाहर दीवारी का कार्य।	28.70	2.87	944.00	03 माह

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट- http://etender.up.nic.in पर दिनांक 13.09.2026 से 22.09.2026 तक सांय 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 22.09.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 22.09.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 22.09.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई-पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

(राजेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि.,बलरामपुर।

UPID-255657 Date: 07.09.26
Website : www.upgov.nic.in

संक्षेप

एसएसपी ने सुनीं लोगों की फरियादें

आजमगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने सोमवार को सुबह पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज क्षेत्रों से फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। साथ ही निर्देशित किया गया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखते हुए पीड़ित पक्ष को प्रभावी न्याय दिलाया जाए।

रास्ते में चाकुओं से हमले में युवक गंभीर

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोचन छतरी मार्ग के पास सोमवार को बाइक सवार एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक की पहचान 27 वर्षीय किसान यादव पुत्र राजेश यादव, निवासी बरइयापुर, थाना जलालपुर के रूप में हुई है। पीड़ित के मुताबिक दोपहर में वह बाइक से जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में करीब 10 से 20 लोगों ने उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला करने के साथ चाकू से भी वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान उसके साथ बाइक पर एक अन्य युवक के होने की भी बात बताई जा रही है। मारपीट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों की मदद से घायल किसान यादव को एंबुलेंस के माध्यम से आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

मेडिकल स्टोर पर छापा

जौनपुर। सुजानगंज क्षेत्र के मेडिकल स्टोर पर औषधि विभाग की टीम ने छापेमारी की है। विभाग की टीम द्वारा गौरी शंकर मेडिकल स्टोर पर अचानक छापेमारी से आसपास के मेडिकल संचालकों में हड़कंप मच गया छापेमारी के दौरान टीम को कुछ ऐसी दवाएं मिलीं, जिनके संबंध में बिल उपलब्ध नहीं होने और दवाओं की वैधता को लेकर सवाल उठने की बात सामने आई है। सबकी नजर औषधि विभाग की आगे की कार्रवाई और आधिकारिक रिपोर्ट पर टिकी है।

पत्रकार के भाई का निधन ,उपजा में शोक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन जौनपुर के अध्यक्ष एवं मीडिया सेन्टर के संचालक पत्रकार शशि राज सिन्हा के ज्येष्ठ भ्राता विजय मोहन सिन्हा का निधन हो गया। वे 7व वर्ष के थे। पिछले दो महीने से वे एम्स में भर्ती थे तथा गंभीर बीमारी से जीवन और मौत से जूझते हुए कोमा और वेंटिलेटर पर थे। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली से 125 किलोमीटर दूर गंगा के किनारे गढ़ मुक्तेश्वर गढ़ गंगा पर पूरे नागरिक सम्मान के साथ हुआ। उनके शव यात्रा में बड़ी में लोगों ने भागीदारी किया। मुखाग्नि उसके पुत्र अनुभव सिन्हा ने दिया। उपजा के संरक्षक डाक्टर ज्ञान प्रकाश सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रोफेसर डाव आसाराम महामंत्री आफताब आलम सौरभ श्रीवास्तव ,एवं सम्पादक जय प्रकाश मिश्र विरेन्द्र गुप्ता जनार्दन मिश्रा आदि पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की है।

झाड़ियों के बीच नवजात को देख उमड़ी भीड़

मड़िहान/मीरजापुर। मलुआ गांव के सिवान में सोमवार सुबह उस समय लोगों के कदम अचानक ठहर गए, जब टहलने निकले ग्रामीणों के कानों में एक नवजात शिशु के रोने की आवाज पड़ी। खेतों और सिवान की खामोशी के बीच गूंज रही मासूम की किलकारी सुनकर ग्रामीण आवाज की दिशा में पहुंचे तो वहां कपड़े से लिपटा नवजात शिशु को देखकर हैरान रह गए। सुबह मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने जब मासूम को देखा तो देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर जन्म के कुछ ही समय बाद इस नन्ही जान को खुले सिवान में कौन और किन परिस्थितियों में छोड़ गया। मासूम के रोने की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोगों का कलेजा पसीज उठा। ग्रामीणों ने मानवता दिखाते हुए सबसे पहले पुलिस को दी। वहीं घटना की जानकारी गांव में फैलते ही तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

जिला संवाददाता(vol)

सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र में जिला कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड, सदर विधायक भूपेश चौबे, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद एवं वरिष्ठ नेता रामलखन सिंह मौजूद रहे।

कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक संतोष शुक्ला ने किया।

मुख्य अतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संगठन के एक सामान्य कार्यकर्ता से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक की यात्रा में सेवा और राष्ट्रसमर्पण की मिसाल कायम की है। उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन से निरंतर ह्मराष्ट्र प्रथम की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का संकल्प है। सोनभद्र में अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटेंगे।

सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में देश और समाज के प्रति समर्पण की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास और आत्मविश्वास की नई ऊंचाइयों को हासिल किया है। कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि प्रधानमंत्री के सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाएं और सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। अध्यक्षीय संबोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों को कार्यकर्ता निष्ठा के साथ सफल बनाएं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत ह्यआशीर्वाद का दीया, ह्यसेवा संकल्प अभियान, सेवा चित्र, सेवा स्मरण, आंगन का मिलन, कहानी की बदलाव, 25 साल-25 कहानी, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, मानव रंगोली एवं जनसेवा महाकुंभ सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों को जिले के प्रत्येक मंडल और बूथ स्तर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को दी गई है।

23 शिकायतें आयीं, सभी का कराया तत्काल निस्तारण

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जन शिकायतों की सुनवाई एवं उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को नगरीय निकायों में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। नगर पालिका परिषद सोनभद्र में आयोजित जनसुनवाई की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने की।

जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें नगर पालिका परिषद सोनभद्र में दो, नगर पंचायत घोरावल में दो, चुर्क-घुर्मा में दो, चोपन में चार, ओबरा में चार, रेनुकूट में दो, पिपरी में दो, दुद्धी में दो, डाला बाजार में एक तथा अनपरा में दो शिकायतें शामिल रहीं प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल, मार्ग प्रकाश सहित अन्य जनसमस्याएं शामिल थीं। अधिकारियों द्वारा शिकायतों का संज्ञान लेते हुए सभी का तत्काल निस्तारण कराया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने कहा कि

जनता की समस्याओं से रूबरू होकर उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जनसमस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से कार्यवाही की जा रही है इस अवसर पर नगर पालिका के सभासदगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तहसील, इंजीनियरिंग कॉलेज और 100 बेड के अस्पताल की मांग को लेकर देवारावासी मुखर

आजमगढ़। देवारा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर सोमवार को देवारा विकास सेवा समिति के बैनर तले कलेक्ट्रेट स्थित रिक्शा स्टैंड के सामने धरना दिया गया। समिति के पदाधिकारियों और क्षेत्रीय लोगों ने देवारा में तहसील, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज तथा 100 बेड के आधुनिक अस्पताल की स्थापना की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई।

समिति के अध्यक्ष रामकेदार यादव ने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी देवारा क्षेत्र के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि देवारा के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना अब किसी राजनीतिक मांग का विषय नहीं, बल्कि क्षेत्र की बुनियादी जरूरत है। प्रशासन को जनता की इस आवाज को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए। धरने को समर्थन देते हुए प्रयास सामाजिक संगठन के अध्यक्ष रणजीत सिंह व सचिव इंजीनियर सुनील यादव ने कहा कि क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से गरीब परिवारों के बच्चों, विशेषकर बेटियों को सबसे अधिक परेशानी होती है। उन्होंने कहा, देवारा में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना होने से स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा का अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्र में शिक्षा के साथ रोजगार और विकास के नए रास्ते भी खुलेंगे।

जिलाध्यक्ष सोनू यादव ने स्वास्थ्य सुविधाओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गंभीर बीमारी और आपात स्थिति में ग्रामीणों को लगभग 35 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। बरसात और बाढ़ के दौरान यह समस्या और गंभीर हो जाती है। समय पर अस्पताल और चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने से मरीजों की जान तक जोखिम में पड़ जाती है। देवारा में 100 बेड का आधुनिक अस्पताल अब क्षेत्र की आवश्यकता है, इसे टाला नहीं जाना चाहिए। समिति ने परशुरामपुर में प्रस्तावित तहसील का निर्माण शीघ्र कराने की भी मांग की। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष संतोष यादव, जिला उपाध्यक्ष बलजीत यादव, साधू पहलवान, शुभम यादव, राजू मिश्रा, विजयंशकर यादव, विमला यादव, सैरा यादव, अमृता कुमारी आदि मौजूद रहे।

एसएसपी से मिला सपा का प्रतिनिधिमंडल

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर छात्रों के साथ पुलिस द्वारा कथित दुर्व्यवहार और जिले में कानून-व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर शिकायत की।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि एक सितंबर 2026 को आरएसएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीव कुमार द्वारा अध्यक्षता किए जाने के विरोध में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने 15 छात्रों को कथित रूप से गालियां देते हुए कोतवाली सदर के लॉकअप में बंद कर दिया। सपा नेताओं का आरोप है कि छात्रों को करीब सात घंटे तक लॉकअप में रखा गया। इस दौरान पानी मांगने के बावजूद उन्हें पानी उपलब्ध नहीं कराया गया। छात्रों की रिहाई के बाद सीओ सिटी द्वारा कथित तौर पर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित एवं भयभीत किया गया तथा राजनीति से दूर रहने की बातें कही गईं। प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी के समक्ष पुलिस के इस रवैये को असंवैधानिक बताते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। पुलिस की कथित बर्बर कार्रवाई से छात्रों में आक्रोश है और अधिकारियों के इस प्रकार के व्यवहार से टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। सपा नेताओं ने जिले में बढ़ते अपराध, सामंती तत्वों द्वारा पीडीए वर्ग के लोगों के कथित उत्पीड़न तथा पुलिस द्वारा शिकायतों पर रिपोर्ट दर्ज नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने थानों और तहसीलों पर कथित धन उगाही तथा दबंगों के प्रभाव में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मनमाने तरीके से कार्य किए जाने का आरोप लगाया। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस भाजपा नेताओं के प्रभाव में आकर जमीनों पर जबरन कब्जा कराने का काम कर रही है। सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी। प्रतिनिधिमंडल में सपा जिलाध्यक्ष हवलदार यादव, सांसद दरोगा प्रसाद सरोज, विधायक अखिलेश यादव, विधायक डॉ. संग्राम यादव, विधायक कमलाकांत राजभर, जिला पंचायत अध्यक्ष विजय यादव, सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव अजीत कुमार राव, सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

अंतिम समय में गुरु के अलावा कोई मददगार नहीं होगा : संत पंकज

लालगंज, मीरजापुर। जयगुरुदेव शाकाहार-सदाचार जनजागरण यात्रा के तहत संत पंकज जी महाराज ने सोमवार को नेवढ़िया गांव के मैदान में 18वें पड़ाव के दौरान सत्संग किया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। ग्रामीणों ने बैंड-बाजे, दीप प्रज्वलित कलश और पुष्पवर्षा कर संत पंकज जी महाराज का स्वागत किया। सत्संग में संत पंकज जी महाराज ने कहा कि बड़े सौभाग्य से मनुष्य को अनमोल मानव तन मिला है। यह किराये का मकान है, जिसे एक दिन खाली करना पड़ेगा। धन-दौलत, मकान और जमीन-जायदाद यहीं रह जाएगी। अंतिम समय में गुरु के अलावा कोई मददगार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कलियुग में मनुष्य की आयु और शारीरिक बल घटा है जबकि मन की चंचलता बढ़ गई है। उन्होंने सुरत-शब्द योग (नाम-योग) को प्रभु प्राप्ति का सरल मार्ग बताते हुए मानव जीवन को सार्थक बनाने का आह्वान किया। समाज में बढ़ती हिंसा और अपराध पर चिंता जताते हुए कहा कि अशुद्ध खान-पान और महात्माओं की शिक्षाओं से दूरी के कारण स्थिति बिगड़ी है। जाति-पाति के नाम पर लड़ने से नफरत के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ। मानव धर्म अपनाकर चरित्रवान बनना जरूरी है। उन्होंने शाकाहारी रहने, शराब समेत नशे से दूर रहने और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने की अपील की। कहा कि भयावह समय से बचने के लिए भजन जरूरी है। प्रभु की भक्ति से जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिल सकती है। उन्होंने 17 से 21 दिसंबर तक मथुरा में होने वाले वार्षिक भंडारा सत्संग मेले में पहुंचने का निमंत्रण दिया। इस दौरान घूरन प्रसाद, मोतीलाल सिंह, अमरनाथ यादव, राजबली पाल, कृष्ण कुमार पाल, उमाशंकर सिंह और जयेन्द्र प्रताप सिंह एडवोकेट समेत अन्य मौजूद रहे।

ट्राई साइकिल मिली तो छलक पड़े खुशी के आंसू

सोनभद्र। जनसुनवाई के दौरान अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे दिव्यांगजनों के लिए सोमवार का दिन उस समय यादगार बन गया, जब जिलाधिकारी की पहल पर उनकी आवागमन संबंधी समस्या का तत्काल समाधान करते हुए उन्हें मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। ट्राई साइकिल मिलते ही दोनों दिव्यांगजनों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई के दौरान अनपरा निवासी दिव्यांग असगर हुसैन पुत्र तबाम मालू हुसैन ने जिलाधिकारी को बताया कि वे दोनों पैरों से दिव्यांग हैं और आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, ताकि दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर उनकी निर्भरता कम हो सके। इसी प्रकार ग्राम भैंसवार, तहसील घोरावल निवासी अजय प्रताप सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह ने बताया कि उन्होंने कृष्णा पीजी कॉलेज, राजगढ़, मिजार्पुर में प्रवेश लिया है। उनका कॉलेज घर से करीब 15 किलोमीटर दूर है। आवागमन का साधन उपलब्ध न होने के कारण उन्हें नियमित रूप से कॉलेज जाने में परेशानी हो रही थी। उन्होंने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिससे वह अपनी पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रख सकें। जिलाधिकारी ने दोनों दिव्यांगजनों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ संज्ञान में लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद दोनों को एनटीपीसी के सीएसआर फंड के माध्यम से मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई।

धड़ल्ले से चल रहे अवैध क्लीनिक और अस्पतालों पर नहीं लग पा रहा अंकुश

जिला संवाददाता

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध रूप से क्लीनिक व अस्पताल संचालित हो रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग इनके विरुद्ध कार्रवाई की बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। अवैध रूप से क्लीनिक व अस्पताल संचालित करने वाले झोलाछाप क्षेत्रीय जनता का आर्थिक दोहन कर उनकी जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं।

बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित इन अस्पतालों व क्लीनिकों में झोलाछाप द्वारा मरीजों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। हलिया क्षेत्र के नेशनल हाईवे किनारे स्थित दुर्जनीपुर गांव में प्रयागराज जिला निवासी एक व्यक्ति द्वारा बाकायदा टिनशेड लगाकर अवैध रूप से अस्पताल संचालित किया जा रहा है। जिनमें क्षेत्र से आने वाले मरीजों को अपने झांसे में फंसाकर बिना किसी डिग्री के झोलाछाप भर्ती कर उनका उपचार करते हैं। क्षेत्र के रतेह चौराहा, ड्रमंडगंज, बरौंधा, नैड़ी कठारी, दुर्जनीपुर आदि गांवों में आवासीय परिसर में अवैध रूप से अस्पताल और क्लीनिक बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हैं। झोलाछाप में इस बात का भी डर नही होता है कि उनके गलत इलाज से मरीज की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है लेकिन वह मरीजों का आपरेशन करने से भी नहीं चूकते हैं। क्षेत्र के मेडिकल स्टोर संचालक भी मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध क्लीनिक खोलकर बेखौफ होकर मरीजों का उपचार करते हैं। क्षेत्र के अधिकतर मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस के धड़ल्ले से संचालित हैं। बिना किसी चिकित्सा डिग्री व बगैर रजिस्ट्रेशन के मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे झोलाछापों के विरुद्ध क्षेत्रीय लोगों ने कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी हलिया डाक्टर अवधेश कुमार ने बताया कि बिना रजिस्ट्रेशन के अवैध रूप से चल रहे क्लीनिक और अस्पतालों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

श्री गणपति पूजा का पुरस्कार वितरण संपन्न

जौनपुर। श्री गणपति पूजा महासमिति के तत्वावधान में पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह महासमिति के मुख्य संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार लोलारक दुबे की अध्यक्षता में हुआ। गत वर्ष श्री गणेश उत्सव के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पूजन समितियों, धार्मिक अनुष्ठानों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संगठनों और समाज

के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवा देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ज्ञानप्रकाश सिंह व उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और गणपति वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्री गणेश भजनो ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मुख्यवक्ता ओमप्रकाश बाबा दुबे पूर्व विधायक बदलापुर ने महासमिति के कार्यों की सराहना करते हुए समस्त पूजन समितियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विशिष्ट अतिथि मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डॉ0 सरफराज खान प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पंचायत जफराबाद, डॉ0 ऋषभ यादव व डॉ0 विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे आयोजन से गंगा जमुनी तहजीब को बल मिलता है। पुरस्कृत की गई समितियों में शोभा यात्रा में गणेश मित्र मंडल रसूलाबाद, श्री शिवशक्ति बाल गणेश पूजा समिति ईशापुर, गणपति पूजनोत्सव सेवा समिति मियांपुर क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही । निर्णायक मंडल के सदस्य गण के रूप में हरिद्वार प्रसाद विश्वकर्मा एडवोकेट, सोम कुमार वर्मा, उर्वशी सिंह, अंजली जड़वानी, नीरज शाह, तुलिका श्रीवास्तव व संजय प्रजापति को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संचालन मुख्य ट्रस्टी संजीव कुमार यादव एडवोकेट ने की।

पुल निर्माण की मांग को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

आजमगढ़। सगड़ी तहसील एवं गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नौबरार देवारा जदीद कीता द्वितीय सहित आस-पास के गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पुल निर्माण की मांग देवारा विकास सेवा समिति ने तेज कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि हजारों की आबादी आज भी आवागमन के लिए नाव पर निर्भर है। बरसात और बाढ़ के दिनों में स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। इस संबंध में जिलाध्यक्ष सोनू यादव ने कहा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी क्षेत्र के लोगों को नाव के सहारे आवागमन करना पड़ रहा है, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। रात्रि के समय किसी महिला, बुजुर्ग, बच्चे या मरीज को चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता पड़ने पर जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है। सरकार की विकास योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी माना जाएगा, जब देवारा क्षेत्र के गांवों को सुरक्षित और स्थायी आवागमन की सुविधा मिले। सचिव हरेंद्र यादव ने कहा कि पुल बनने से नौबरार देवारा जदीद कीता द्वितीय, मलह पुरवा, उल्टहवा, महाजी सहित आसपास के कई गांवों के हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। बच्चों और युवाओं को विद्यालय जाने, मरीजों को अस्पताल पहुंचने तथा ग्रामीणों को बाजार और रोजगार से जुड़ने में बड़ी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर स्थलीय एवं भौतिक सत्यापन कराते हुए पुल निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजने और शीघ्र स्वीकृति दिलाने की मांग की जाएगी। जिलाध्यक्ष सोनू यादव ने प्रशासन से जनहित में इस गंभीर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने की मांग की है।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा कर रूपरेखा बनी

जौनपुर। बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में 21 से 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली नौ दिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियों को लेकर रविवार को बैंक्वेट हॉल में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कथा आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। सेवा भारती के बैनर तले आयोजित होने वाली श्रीराम कथा से पूर्व 20 अक्टूबर को भव्य कलश एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैठक में कलश यात्रा के रूट मैप, कलश वितरण, यात्रा की एकरूपता के लिए परिधान, झांकियों तथा सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। श्रीराम कथा के मुख्य आयोजक ज्ञानप्रकाश सिंह ने कहा कि कलश एवं शोभायात्रा को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक और समन्वित प्रयास से दिव्य एवं भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता मुरली पाल, प्रान्त कार्यवाह, काशी प्रांत ने की।

अनरसा और मिठाई की दुकान पर छापा

जौनपुर। मिलावट की लगातार शिकायत को लेकर खाद्य विभाग ने अधिकारियों द्वारा जफराबाद कस्बे में छापेमारी किया. छापेमारी की सूचना पाते ही पूरे मार्केट में जहां हड़कंप मंच गया है. उसके बाद सभी दुकानदार अपनी दुकान बंद करना शुरू कर दिया । खाद्य विभाग द्वारा कस्बे में फूड इंस्पेक्टर विनोद यादव द्वारा अपनी टीम के साथ छापेमारी किया जिसमें शिवाला मंदिर स्थित अनरसा की दुकान से तेल का सेम्पल,प्रेम डेरी से दूध पनीर और मिष्ठान भंडार से जलेबी और गजोधर मिष्ठान भंडार से बेसन का लड्डू का सैंपल लिया गया. जब इसकी भनक मार्केट में लगी तो सारे मिलावटी करने वाले दुकानदार अपनी-अपनी दुकान बंद कर फरार हो गए उक्त मार्केट में डेयरी संचालक द्वारा मिलावटी पनीर दूध खोवा बेची जाती है और इसके साथ-सा थ जितने भी मिठाई की दुकान है उसमें भी अधिक मात्रा में मिलावटी खाद्य बेची जा रही है जिसकी शिकायत मिलने पर खाद्य विभाग द्वारा शिकायत को संज्ञान में लेते हुए उक्त कार्रवाई किया गया है।

मुसहर बस्ती की बिजली काटने पर प्रदर्शन

जौनपुर । जफराबाद क्षेत्र के उत्तरगांवा में मुसहर बस्ती की बिजली काट दी गई है। सोमवार को इस मामले में दो दर्जन से ज्यादा महिलाओं ने डीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। उन्होंने डीएम को संबोधित एक पत्र परियोजना निदेशक को सौंपा है। उत्तरगांव गांव के छोटेलाल मुसहर ने बताया कि उनकी बस्ती में करीब 15 साल पहले विधायक निधि से बिजली लगाई गई थी। तब से लेकर अब तक बिजली की सप्लाई लगातार जारी थी। करीब एक महीने पहले बिजली विभाग की टीम ने बस्ती के सभी कनेक्शन काट दिए। बस्ती के लोगों के पास बिजली का कोई दूरा इंतजाम नहीं है जिससे वे अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। छोटेलाल ने जब बिजली काटने का कारण पूछा, तो टीम ने कहा कि उन्हें जो आदेश मिला है, वे वही कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को विभाग में जाकर पता करने को कहा। छोटेलाल ने बताया कि बारिश के दिनों में जलजमाव की समस्या है। इस मौसम में रात के अंधेरे में जीना मुश्किल हो गया है। उन्हें रात में जहरीले जानवरों का डर सता रहा है। छोटेलाल मुसहर ने डीएम से इस मामले की जांच कराने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव

मड़िहान, मीरजापुर। संतनगर थाना क्षेत्र के ककरद गांव में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 20 वर्षीय युवक का शव महुआ के पेड़ पर फंदे से लटकता मिला। शव मिलने की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान शिवम विश्वकर्मा (20) पुत्र सुरेंद्र विश्वकर्मा, निवासी नेवढ़िया गांव के रूप में हुई है। बताया गया कि नेवढ़िया गांव से ककरद गांव स्थित घटनास्थल की दूरी करीब आठ किलोमीटर है। युवक का शव ककरद गांव में महुआ के पेड़ पर फंदे से लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत को लेकर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि शिवम की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और पूरे मामले की गहन जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

निवेश की नयी उड़ान भरेगा सोनभद्र

सोनभद्र। जनपद को निवेश, उद्योग और रोजगार के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 5.0 की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही शेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभागवार जिम्मेदारी निर्धारित की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि जीबीसी 5.0 के लिए सोनभद्र को 20,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष अब तक 33 परियोजनाओं के माध्यम से 14,612 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन परियोजनाओं से करीब 4,068 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। अब शेष 5,388 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए तेजी से कार्य किया जाएगा। शेष लक्ष्य की पूर्ति के लिए जिलाधिकारी ने विभागवार लक्ष्य निर्धारित किए। पर्यटन विभाग को 1,040 करोड़ रुपये, प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित क्षेत्र को 1,000 करोड़ रुपये, राइस मिल के लिए 200 करोड़ रुपये, नई डेयरी इकाइयों की स्थापना के लिए 200 करोड़ रुपये, पेट्रोल पंप से संबंधित निवेश के लिए 500 करोड़ रुपये, नए नर्सिंग होम एवं स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों के लिए 500 करोड़ रुपये तथा आबकारी विभाग को 200 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने का लक्ष्य दिया गया।

संक्षेप

करोड़ों की सरकारी भूमि खुर्द-बुर्द करने के प्रयास में 16 परकेस दर्ज

मथुरा। मथुरा की तहसील सदर क्षेत्र में करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि को फर्जी तरीके से एग्रीमेंट कर बेचने के बड़े मामले का खुलासा हुआ है। जिलाधिकारी मथुरा के निर्देश पर तहसीलदार सदर की तहरीर पर थाना सदर कोतवाली में 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है।गौतलब हो कि ग्राम आड़ूकी, भुडरुसू, तारसी और बाद में स्थित 15.62 हेक्टेयर (15 हेक्टेयर से अधिक) बहुमूल्य सरकारी भूमि को लेकर यह फजीर्वाड़ा सामने आया है। आरोप है कि नेम सिंह (पुत्र लाल, निवासी समसपुर, मथुरा), योगेंद्र (पुत्र रघुनाथ, निवासी आजमपुर, मथुरा), नारायण सिंह (पुत्र ज्ञानी, निवासी भैसा), राजू (पुत्र रतिराम, निवासी रासपुर), डोरीलाल (पुत्र गोपी, निवासी नगला मोहर, राल) तथा अन्य लोगों द्वारा इस सरकारी जमीन का अन्य लोगों के पक्ष में विक्रय हेतु फर्जी एग्रीमेंट कर दिया गया था। जब इस पूरे मामले की शिकायत प्रशासन को प्राप्त हुई, तो तहसील स्तर पर इसकी गहन जांच कराई गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि को अवैध रूप से निजी व्यक्तियों को बेचने के लिए एग्रीमेंट किए गए थे।

संपूर्ण समाधान दिवस में निपटीं 12 शिकायतें

फिरोजाबाद। शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए तहसील सभागार शिकोहाबाद में सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य सहित जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में शिकोहाबाद क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जिलाधिकारी ने एक-एक कर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान शासन की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता लापरवाही अथवा हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्व एवं पुलिस विभाग से संबंधित संयुक्त मामलों में दोनों विभागों की टीमें मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष पैमाइश एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करें। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण के मामलों में तत्काल स्थलीय जांच कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 97 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। शेष प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया गया। इस दौरान मौजा दिवनारा निवासी रचना पचौरी ने गाटा संख्या 864 पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष एवं तहसीलदार शिकोहाबाद को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

वहीं मौजा कनवारा, थाना खैरगढ़ निवासी विजय कुमार ने गाटा संख्या 243 भाग 239 की पैमाइश के बाद भी विपक्षियों द्वारा मेड़ डालने में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत की। इस पर डीएम ने उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद को पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम भेजकर मौके पर समस्या का तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। नीतू ने गाटा संख्या 514 में सहखातेदारों द्वारा कम रकबा दिए जाने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

डीएम ने शिकायतकर्ताओं से लिया फीडबैक

जिलाधिकारी ने पूर्व में निस्तारित शिकायतों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए शिकायतकताओं से दूरभाष पर वार्ता कर फीडबैक भी लिया। हरिया निवासी कमलेश कुमार डभौनी निवासी रघुवीर सिंह तथा नौभवन निवासी रघुवीर सिंह से शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली गई। शिकायतकताओं ने निस्तारण पर संतोष व्यक्त किया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई एवं सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार एवं निर्धारित समयसीमा में पारदर्शी ढंग से निस्तारण किया जाए। फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आईआरटीसीएसओ की वार्षिक आम बैठक संपन्न

मथुरा। भारतीय रेलवे टिकट चेकिंग स्टाफ संगठन (आईआरटीसीएसओ) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और सराहनीय सेवाओं के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। समारोह में एक मंडल वाणिज्य प्रबंधक और दो सहायक वाणिज्य प्रबंधक (डीसीएम) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शकील अहमद को कर्मयोगी अवॉर्ड एवं सम्मान-पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही संगठन की ओर से अन्य टिकट चेकिंग स्टाफ को भी सम्मानित किया गया, जिसमें ऋषिकेश मीणा और रवि गोड़ सहित संगठन के कई अन्य सदस्य शामिल रहे।

समारोह में आईआरटीसीएसओ की नई जनरल बॉडी की आधिकारिक घोषणा भी की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने सभी सम्मानित कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की और रेलवे कर्मचारियों के हितों की रक्षा तथा संगठन को अधिक मजबूत बनाने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की

टूंडला। तहसील टूंडला स्थित बार हॉल में सोमवार को बार एसोसिएशन तहसील टूंडला के वार्षिक चुनाव में विजयी प्रत्याशियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट सलीम खां की देखरेख में संपन्न हुआ। समारोह के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद एवं दायित्वों की शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम में अध्यक्ष पद पर भंवर सिंह सोलंकी सचिव पद पर अवनीश यादव एडवोकेट सह सचिव पद पर अविनेश पाल सिंह एडवोकेट कोषाध्यक्ष पद पर दिगंबर सिंह एडवोकेट तथा उपाध्यक्ष पद पर सुरेश कुमार एडवोकेट ने शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए बार एवं अधिवक्ताओं के हित में कार्य करने की अपेक्षा जताई। पदाधिकारियों ने भी अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान तथा संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल भी मौजूद रहा। समारोह शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुआ।

तहसील टूंडला समाधान दिवस में 51 शिकायतें आयी आठ का मौके पर निस्तारण

टूंडला। तहसील टूंडला में सोमवार को उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए।समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से आठ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए उपजिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समाधान दिवस में सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विद्युत एवं आपूर्ति विभाग से संबंधित रहीं,उपजिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और फरियादियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। इस दौरान तहसील एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बीमारी से तड़प रहा निराश्रित गोवंश, इलाज और टीकाकरण की मांग

टूंडला। तहसील टूंडला क्षेत्र के गांव कोटकी और आसपास के गांवों में निराश्रित गोवंश के बीमार होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार कई गोवंश बीमारी के लक्षणों से पीड़ित होकर गांव में तड़पते हुए घूम रहे हैं। समय पर उपचार और टीकाकरण नहीं मिलने से उनकी हालत गंभीर होती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीमार गौवंश के संबंध में पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दिए जाने के बावजूद नियमित उपचार एवं टीकाकरण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की जा रही है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि संबंधित पशु चिकित्सकों से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कई बार फोन नहीं उठाया गया।बीमार गोवंश की हालत देखकर ग्रामीणों में रोष है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पशु चिकित्सा विभाग की टीम गांव में पहुंचकर गोवंश की जांच उपचार दवा एवं आवश्यक टीकाकरण नहीं कराती है तो बीमारी अन्य पशुओं में भी फैल सकती है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने गांव में पशु चिकित्सकों की टीम भेजकर बीमार गोवंश की जांच एवं उपचार कराने तथा आवश्यक टीकाकरण अभियान चलाने की मांग की है।

जनपद न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर चार प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

मथुरा। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास कुमार द्वारा सोमवार को, राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु जनपद न्यायालय परिसर, मथुरा से चार प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

प्रचार वाहन के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी व पराविधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। प्रचार वाहनों ने शहर व ग्रामीण क्षेत्र में लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस मौके पर अपर जिला जज अजय पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, श्रीमती अनीता सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा सहित अन्य न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल आदि उपस्थित रहे। आगामी 12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार पूरे जनपद में किया जा रहा है। श्रीमती अनीता सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा द्वारा समस्त जनमानस से अपील की गई है 12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मुकदमे को चिन्हित कर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर उसका निस्तारण कराए।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास से चोरों ने उड़ाये लाखों के जेवर-नगदी सहित पिस्टल

मथुरा। धर्मनगरी मथुरा के अति-सुरक्षित माने जाने वाले जजेज कॉलोनी क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (ब्श्रड) के सरकारी आवास (श्र-09) को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और लाइसेंसी पिस्टल मय जिंदा कारतूस पार कर दिए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पीड़िता की तहरीर पर थाना सदर बाजार में भारतीय न्याय संहिता (ठछै), 2023 की धारा 305 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।थाना सदर बाजार में दर्ज कराई गई प्राथमिकी (एफआईआर) के अनुसार पीड़िता श्रीमती प्रिया कुमारी ने बताया कि उनके पति मथुरा में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत हैं। गत 04 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे पूरा परिवार मकान पर ताला लगाकर अपने गृह जनपद रोहतक (हरियाणा) गया हुआ था। 06 सितंबर की सुबह करीब 11रू15 बजे जब एक डिलीवरी बॉय सामान देने पहुंचा, तो उसने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ है। उसने तुरंत इसकी सूचना जज की पत्नी श्रीमती प्रिया कुमारी को दी। शक होने पर जब उनसे वीडियो कॉल के जरिए घर के अंदर देखने को कहा गया, तो मुख्य द्वार के साथ-साथ बेडरूम का भी ताला और कुंडी टूटी पाई गई। घर के अंदर का सामान बिखरा पड़ा था और अज्ञात चोर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे। गोल्ड एवं सिल्वर ज्वेलरीरू 8 जोड़ी सोने के कुंडल, 2 सोने की अंगूठियां, 1 सोने की चेन (पेंडेंट सहित), 1 रुद्राक्ष वाली सोने की चेन, 2 सोने की नथिया, 100 ग्राम चांदी का बिस्किट और 2 चांदी के सिक्के ।25,000 नकद चोरी कर लिए। सबसे गंभीर बात यह है कि चोरों ने एसीजेएम साहब की लाइसेंसी पिस्तौल और उसके साथ रखे जिंदा कारतूस भी चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही थाना सदर बाजार पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग लगाया जा सके।

पांडेय फर्नीचर शोरूम में शार्ट सर्किट से लगी भीषण आग,

मथुरा। शहर कोतवाली क्षेत्र के बीएसए मार्ग पर स्थित कृष्ण विहार कॉलोनी में सोमवार शाम करीब 6:30 बजे पांडेय फर्नीचर शोरूम में आग लग गई। शोरूम में रखे फोम, गद्दे, सोफे,बेड और फर्नीचर के कारण आग तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में शोरूम से आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा। इस घटना से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरातफरी मच गई।

सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे शोरूम से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने शोरूम के अंदर रखे फोम और अन्य सामान को अपनी चपेट में ले लिया। फोम में आग लगने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल कर्मियों ने करीब पौने घंटे की कोशिश के बाद आग पर काबू पा लिया। इस दौरान दमकल कर्मियों ने आसपास के हिस्से को भी सुरक्षित किया, जिससे आग दूसरी दुकानों और आसपास के मकानों तक फैलने से बच गई।

17 सितंबर को हर बूथ पर जलेगा आशीर्वाद का दीया

जिला संवाददाता

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जिला मथुरा द्वारा जिला कार्यालय पर सेवा संकल्प अभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री सतपाल चैधरी जी ने किया।

मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एवं एमएलसी अशोक कटारिया, विधायक पूरन प्रकाश, अभियान के जिला संयोजक अनिल चैधरी, सह-संयोजक श्रीमती मुदिता गोस्वामी एवं सुरेश तरकर, ब्लॉक प्रमुख अनिल तरकर, संजय दीक्षित, पालिका अध्यक्ष गोकुल, निरंजन सिंह धनगर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम में हिस्सेदारी करने वालों में केबिनेट मंत्री मंत्री लक्ष्मीनारायण चैधरी, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुमन चैधरी, शोभाराम शर्मा, नरदेव चैधरी, नगर पालिका अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष सालिगराम वाटिया, मुरारीलाल अग्रवाल, सुशील जाटव तथा जगमोहन पाठक, देय किशोर वार्ष्णेय, मुकेश वार्ष्णेय, आकाश चैधरी, अमन ठाकुर, मंजीत सिंह, हिमांशु गुप्ता, श्रीमती मनीषा पाराशर, श्रीमती निर्मला बघेल आदि को जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्य अतिथि एमएलसी कटारियाजी ने कहा मोदीजी के ये 25 वर्ष सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र प्रथम के 25 वर्ष हैं। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान के तहत आशीर्वाद का दीया, नमो सेवा गाथा, सेवा ज्योति यात्रा और जनसेवक महाकुंभ जैसे 13 कार्यक्रम बूथ स्तर तक मनाए जाएंगे। मथुरा जिले को हमें बृज क्षेत्र में प्रथम लाना है। विधायक पूरन प्रकाश ने कहा प्रधानमंत्रीजी ने जो कहा वो करके दिखाया है। आज हर लाभार्थी के घर में मोदी जी की योजना का लाभ पहुंचा है। जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा प्रधानमंत्री के 25 साल के सेवा काल के इस पावन अवसर पर जिले के प्रत्येक मंडल और बूथ पर सेवा संकल्प अभियान मनाया जाएगा। जिला संयोजक अनिल चैधरी और सह-संयोजक श्रीमती मुदिता गोस्वामी जी व श्री सुरेश तरकर जी के नेतृत्व में सभी 13 कार्यक्रमों को सफल बनाकर मथुरा को प्रदेश में अव्वल बनाएंगे। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी के 25 वर्ष के सेवा काल के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प / शिखर संकल्प अभियान के तहत जिले के सभी मंडलों और बूथों पर 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें सभी कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर भाग लेंगे।

वेतन और मानदेय न मिलने पर नगर निगम के कर्मचारियों में आक्रोश

मथुरा। त्योहारों के नजदीक आने के बावजूद वेतन और मानदेय का भुगतान न होने से नगर निगम मथुरा-वृंदावन के कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर एकता मंच के नेतृत्व में कर्मचारियों ने आंदोलन का बिगुल बजाते हुए चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो समस्त सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे और सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप कर दी जाएगी।

एकता मंच का कहना है कि त्योहारों के इस अवसर पर भी 11 कंपनियों के कर्मचारियों और डूडा (क्न्क्।) के कर्मचारियों को मानदेय नहीं मिला है। मंच ने डूडा के मानदेय और सूची की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। कर्मचारियों का आरोप है कि नगर निगम सेवा में शामिल करने के लिए मात्र 110 ड्राइवर और क्लीनर कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है, जिससे बाकी कर्मचारियों का भविष्य अधर में लटक गया है। बोर्ड प्रस्ताव के तहत 500 कर्मचारियों की भर्ती की जगह 540 कार्मिकों को 15 दिन का प्रशिक्षण दिलाया गया था, लेकिन इसके बाद कई कर्मचारियों को काम से हटा दिया गया, जिन्हें पुनः बहाल करने की मांग की जा रही है। फिलहाल ड्राइवर एवं हेल्पर कर्मचारियों द्वारा चक्का जाम किया गया है। विभिन्न ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों को पूर्ण समर्थन देते हुए सरकार व प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। इस दौरान उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर एकता मंच के जिला अध्यक्ष कामरेड उत्तम चंद सजना, महानगर अध्यक्ष प्रीतम सिंह, महामंत्री अजय चैधरी, बंटी चैटाला, ड्राइवर यूनियन के महामंत्री जितेंद्र सिंह ताराचंद खरे, दिलीप ठाकुर, और अब हमें गोपाल ठाकुर, रितेश सेंधवाल, दीपक राजोरिया, शुभम सांवरिया, संजू सैनी, गौरव चैहान, पंकज चैधरी, बृजेश चैधरी, मुकेश राणा, प्रदीप कश्यप, संदीप कश्यप, रवि वाल्मीकि, अजय कुमार, सोनू ठाकुर, अरुण धनवार, रविकांत आनंद उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ 4845 नगर अध्यक्ष राजवीर सिंह ड्राइवर यूनियन अध्यक्ष 4845 सनी प्रधान जिला अध्यक्ष उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी संघ 10039 सहित अनेक कर्मचारी नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने किया प्रा.वि.किशनपुर का निरीक्षण

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने विकासखंड शिकोहाबाद के प्राथमिक विद्यालय किशनपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक स्थितियों का बारीकियों से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार भी मौजूद रहें।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं कक्षा- 2 व कक्षा- 4 में जाकर बच्चों की पढ़ाई व पठन-पाठन की गुणवत्ता को परखा, कक्षा चार की छात्रा आंचल और गुंजन ने जिलाधिकारी द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया, साथ ही छात्रा गुंजन ने 18 का पहाड़ा जिलाधिकारी को निर्बाध रूप से सुनाया, जिस पर जिलाधिकारी ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की।

जिलाधिकारी ने कक्षाओं में जाकर उपस्थित बच्चों को टॉफी का वितरण भी किया, विद्यालय के प्रधानाचार्या मंजू यादव ने बताया कि विद्यालय में कुल 109 छात्र-छात्राऐं पंजीकृत हैं, जिनके सापेक्ष निरीक्षण के समय 66 छात्र-छात्राएं भी उपस्थित पाए गए।

विद्यालय में कुल 6 शिक्षक तैनात थे, वर्तमान में पांच शिक्षक उपस्थित थे, जिलाधिकारी ने मिड-डे मील, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता तथा रसोइयों के मानदेय भुगतान की जानकारी प्राप्त की, जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि मिड-डे मील विद्यार्थियों को मेनू के अनुसार दिया जा रहा है, स्वच्छता हेतु लगातार सफाई कर्मचारी यहां पर आकर साफ-सफाई करता है, साथ ही रसोइयों को विगत माह तक मानदेय प्राप्त हो चुका है। जिलाधिकारी ने विद्यालय के बाहर एकत्र हुए ग्रामीण और अभिभावकों से संवाद कर उन्हें अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया, साथ ही प्रधानाचार्या मंजू यादव को सख्त शब्दों में निर्देशित किया कि बच्चों की उपस्थिति विद्यालय में शत-प्रतिशत रहे, पठन-पाठन की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता मंजूर नहीं है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई, तो संबंधित पर कठोर कार्रवाई की जाएगी, इस दौरान उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद भी उपस्थित रहें।

बिना फिटनेस दौड़ रहे 136 वाहनों का चालान, 14 वाहन सीज

मथुरा। उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त के निर्देश तथा जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के समन्वय से जनपद में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए चलाए जा रहे तीन दिवसीय विशेष अभियान ऑपरेशन कवच 2.0 (07 से 09 सितंबर 2026) के पहले दिन परिवहन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रमुख मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के नेतृत्व में, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सतेंद्र कुमार सिंह तथा यात्री कर अधिकारी श्रीमती पूजा सिंह की संयुक्त टीम ने अभियान के पहले दिन ताबड़तोड़ चेकिंग की। इस दौरान बिना परमिट, बिना फिटनेस, ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों (फायर अलार्म, आपातकालीन निकास आदि) की अनदेखी कर संचालित हो रही बसों और व्यावसायिक वाहनों पर शिकंजा कसा गया।

नियमों का उल्लंघन करने और बिना वैध परमिट व फिटनेस के संचालित 136 वाहनों के चालान काटे गए। सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले 14 वाहनों को निरुद्ध (सीज) कर जनपद के विभिन्न थानों में खड़ा कराया गया, जिसमें चार डग्गेमार ईको कारें और दो डग्गेमार बसें भी शामिल हैं।एआरटीओ (प्रवर्तन) राजेश राजपूत ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि बिना परमिट, अनफिट और यात्रियों की जान जोखिम में डालकर वाहन चलाने वाले संचालकों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

डीएम ने जनता के द्वार ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

फिरोजाबाद। जनपद में जन समस्याओं के त्वरित व पारदर्शी निस्तारण के उद्देश्य से प्रशासन जनता के द्वार पहल के तहत जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में शिकोहाबाद क्षेत्र के ग्राम विदरखा में जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी शिकायतें जिलाधिकारी और उपस्थित अधिकारियों के समक्ष रखीं,जन चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के अलावा मुख्य चिकित्साधिकारी उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद जिला पूर्ति अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक व खण्ड विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहें। इस दौरान समाज कल्याण विभाग बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग जल जीवन मिशन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुॅचाने हेतु स्टॉल लगाए गए, जन चौपाल के दौरान

जिलाधिकारी द्वारा शिशुओं का अन्नप्रासन व गोद भराई भी करायी गयी, इस दौरान 15 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए तथा जिलाधिकारी ने 15 वर्ष की बालिकाओं को कैंसर से बचाव के लिए एच0पी0वी0 टीका व वैक्सीन लगाने की सलाह भी दी, साथ ही उपस्थित किसानों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त करने हेतु फार्मर रजिस्ट्री कराने तथा बिना राशन कार्ड वाले परिवारों को फैमिली आई0डी0 बनवाने हेतु प्रेरित किया।जिलाधिकारी ने इस दौरान कहा कि जन चौपाल का उददेश्य है कि अधिकारी आपके बीच उपस्थित रहकर जन समस्याओं का निस्तारण करें,उन्होने इस दौरान प्राप्त 10 आवेदनों को सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए तत्काल व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होने सख्त लहजे में हिदायत दी कि अगली बार इस तरह शिकायतें पुनः नही आना चाहिए। आवास योजना से जुड़ी शिकायतों पर खण्ड विकास अधिकारी को मौके पर जाकर मुआयना कर निष्पक्ष जांच करने व पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए, साथ ही जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पंचायत घर में लेखपाल व पंचायत सचिव नियमित रूप से बैठे,जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। जिलाधिकारी ने उपस्थित जनता से अपील की है कि उनकी जो भी समस्याऐं है, वह प्रतिदिन सुबह 10 से 12 चलने वाली जन सुनवाई में भी रख सकते है,जहां पर उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जन चौपाल में उपस्थित अधिकारियों को शाम तक प्राप्त सभी आवेदनों व शिकायतों की विस्तृत सूची तैयार कर त्वरित कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने का कड़े निर्देश दिये।

वैश्विक चुनौतियां

भारत का जीडीपी डाटा जो चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का सामने आया है, उससे स्पष्ट है कि भारत की आर्थिक प्रगति दर फिलहाल ठीक-ठाक है। अभी तक भू-राजनीतिक संकट से प्रगति दर बहुत अधिक प्रभावित नहीं हुई है, लेकिन इसके प्रभाव आने वाले दिनों में गंभीर हो सकते हैं, क्योंकि मध्यपूर्व संकट ज्यों का त्यों बरकरार है। क्रूड ऑयल लगातार 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है। इससे चालू खाते का घाटा और महंगाई बढ़ने तथा रुपये के और गिरने का खतरा बना हुआ है। अधिकारिक आंकड़ों में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.8 फीसदी की मजबूत दर से बढ़ने की पुष्टि के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देशवासियों से विदेश में छुट्टियों पर जाने और गैर-जरूरी सोने की खरीद से बचने की अपील की। यह अपील एक तरह से भारत के वृहद आर्थिक प्रबंधन की जटिलता को उजागर करती है। भारतीय रिजर्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, पहली तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा 4.2 अरब डॉलर यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.5 फीसदी रहा। अलग से देखें तो इसे एक सीमित घाटा कहा जा सकता है। भारत में आमतौर पर चालू खाता घाटे की भरपाई विदेशी निवेश से होती है जो घरेलू बचत का पूरक बनता है। यद्यपि इस तिमाही में पूंजी खाते में भी 3.9 अरब डॉलर का शुद्ध बहिर्गमन दर्ज हुआ जिसका मुख्य कारण पोर्टफोलियो निवेश का बाहर जाना रहा। परिणाम स्वरूप भुगतान संतुलन घाटे में चला गया। भुगतान संतुलन में लगातार बना रहने वाला घाटा मुद्रा पर दबाव डाल सकता है और अन्य वृहद आर्थिक जोखिमों को जन्म दे सकता है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि पिछले दो वित्त वर्षों के दौरान भुगतान संतुलन घाटे में रहा है। ईरान युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति में आये व्यवधानों के कारण कीमतें बढ़ीं, जिससे चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका पैदा हुई। पश्चिम एशिया में तनाव समेत कई कारणों से पूंजी प्रवाह पर दबाव था। ऐसे में इस वर्ष भी भुगतान संतुलन के घाटे में रहने की आशंका थी। इस स्थिति को देखते हुए रिजर्व बैंक ने जून में विदेशी मुद्रा स्वैप योजना शुरू की, जिसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक), यानी एफसीएनआर (बी) जमा भी शामिल थे। इस योजना को अपेक्षा से बेहतर समर्थन मिला है। इसके चलते रिजर्व बैंक ने एफसीएनआर (बी) के लिए योजना को समय से पहले बंद करने का फैसला किया। आंकड़े दिखाते हैं कि बैंकों ने इस योजना के तहत 136 अरब डॉलर से अधिक की धनराशि जुटायी है। इसलिए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में भुगतान संतुलन का बड़ा अधिशेष दिखने की संभावना है। यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह अधिशेष निकट और मध्यम अवधि की चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा लेकिन भारत की मूल समस्या का समाधान नहीं करेगा। वह समस्या है पर्याप्त और स्थिर विदेशी निवेश नहीं आना। मसलन, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2025 की शुरूआत से अब तक भारतीय शेयरों में 42 अरब डॉलर से अधिक की बिकवाली की है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत को शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) के रूप में 6.1 अरब डॉलर मिले। इन आंकड़ों पर्याप्त वृद्धि जरूरी है। बताया जाता है कि सरकार द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) के लिए बेहतर ढांचे पर काम कर रही है। उसे इसे जल्द घोषित करना चाहिए और विदेशी निवेशकों की आशंकाओं को दूर करना चाहिए। एफसीएनआर (बी) के माध्यम से हुआ पूंजी प्रवाह उत्साहजनक है और इससे बाहरी क्षेत्र की तात्कालिक समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी लेकिन इससे दूसरी तरह की जटिलताएं भी पैदा हो रही हैं। व्यवस्था में अधिशेष नकदी 6.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है जो अप्रैल 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। केंद्रीय बैंक परिवर्तनशील दर रिवर्स रेपो नीलामी के जरिये अतिरिक्त नकदी को कम करने में बहुत सफल नहीं रहा है। अगर यह लंबे समय तक बनी रहती है, तो मुद्रास्फीति का प्रबंधन चुनौतीपूर्ण हो जायेगी।

भारत की प्रगति दर फिलहाल ठीकठाक बनी हुई है लेकिन अगर वैश्विक चुनौतियां बनी रहीं, तो समस्या बढ़ सकती है।

आपदाओं से बचाव का करें स्थायी इंतजाम

नरेंद्र शर्मा

भारत के सबसे निकटतम पड़ोसी नेपाल में आये भयानक बाढ़ से हुई तबाही, विध्वंस और मानवीय त्रासदी पर दुनियाभर के पर्यावरण विशेषज्ञ गंभीर विमर्श कर रहे हैं। लेकिन नेपाल जैसी स्थितियां भारत में भी मौजूद हैं। यहां हर वर्ष बाढ़, भूस्खलन, क्लाउड ब्रस्ट की घटनाएं होती हैं। इसलिए भारत में इस पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। गत वर्ष बाढ़, भू-स्खलन, बादल फटने और बिजली आदि गिरने से देश में हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई। जिसमें सबसे ज्यादा मौतें उत्तराखंड, हिमाचल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र आदि में हुईं। अगर देश के अलग अलग राज्यों के अनुमानित नुकसान को समग्रता में देखा जाए, तो लगभग बीस हजार करोड़ रुपये का नुकसान बीते साल मानसून के दौरान हुआ। बारिश का पैटर्न ज्यादातर राज्यों में बहुत स्ट्रांग था और जिन राज्यों में कमजोर था, वहां बारिश न होने से कई सौ करोड़ रुपये के नुकसान का भी अनुमान था।

> जब हर साल भारत में बाढ़ एक आपदा बनकर आती है, तो आजादी से अब तक करीब 78 सालों में विभिन्न सरकारों ने इससे निपटने का कोई स्थायी इंतजाम क्यों नहीं किया? क्या इसकी वजह यह है कि मौसमी आपदा से शासन-प्रशासन में बैठे बहुत से लोगों को अच्छी खासी कमाई हो जाती है?

सवाल है जब हर साल भारत में बाढ़ एक आपदा बनकर आती है, तो आजादी से अब तक करीब 78 सालों में विभिन्न सरकारों ने इससे निपटने का कोई स्थायी इंतजाम क्यों नहीं किया? क्या इसकी वजह यह है कि इस मौसमी आपदा से शासन-प्रशासन में बैठे बहुत से लोगों को अच्छी खासी कमाई हो जाती है? ये लोग मालामाल हो जाते हैं? इसलिए हर साल हजारों जानें, जाने और करोड़ों अरबों रुपये का नुकसान होने के बावजूद देश में शासक प्रशासक वर्ग इस आपदा को गंभीरता से नहीं लेते? कहीं इसके पीछे राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी तो नहीं है? बाढ़ से जुड़ी योजनाएं अकसर लंबी अवधि की होती हैं और इनका चुनावों में किसी तरह का फायदा नहीं मिलता, क्योंकि बारिश के तुरंत बाद या बारिश के आसपास कभी चुनाव नहीं होते। आम चुनाव आमतौर पर या तो मार्च, अप्रैल में होते हैं या सर्दियों में और भारत में किसी भी आपदा को भुलाने के लिए 60 से 90 दिन बहुत होते हैं। बाढ़ से जो विभीषिका पैदा होती है, जनधन की हानि होती है, उसका कोई असर चुनावों पर नहीं पड़ता और अगर चुनाव का साल न हो, तब तो बाढ़ जैसी परेशानियों के बारे में सोचा भी नहीं जाता।

सवाल है क्या साल 2025 में जून और जुलाई के पहले हफ्ते में जो सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है, उसके कारण देश की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ या नुकसान। इससे भी बड़ी बात है कि जो नुकसान हुआ होगा, क्या उसके बारे में अगली बार नुकसान न हो, ऐसा गंभीरता से सोचा जायेगा? या फिर जैसे पिछले लगभग 78 सालों से चला आ रहा है, वैसा ही रूटीन साल होगा? याद रखिए, अगर हम बाढ़ को लेकर इतना ही उदासीन रहे, तो सन 2047 तक हम भारत को विकसित बनाने का जो ख्वाब देखते हैं, वह ख्वाब ही रह सकता है। यह समस्या भले अपने अपने फायदों के कारण शासन-प्रशासन में महत्वपूर्ण जगहों पर बैठे लोग न समझते हों, लेकिन देश के आम लोग जो इस बाढ़ से हर साल पीड़ित होते हैं, वो बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। इसलिए साल 2025 की सामान्य से बेहतर बारिश खुशियों के साथ जो समस्याओं पुलिंदा लेकर आयी थी, उसके बारे में अब गंभीरता से सोचना होगा, नहीं तो इस आपदा को लेकर हमारा यह चालू रवैय्या हमें हमेशा के लिए इसके साथ नत्थी कर देगा।

चिंतन

हम सब जानते हैं कि भारत आज भी मूलतः कृषि प्रधान देश है। भले हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथे पायदान पर पहुंच गई हो और इस अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी सिर्फ 18.2 फीसदी हो, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की अभी भी 42 फीसदी आबादी सीधे तौर पर और करीब 10 फीसदी आबादी अप्रत्यक्ष तौर पर कृषि पर ही निर्भर है। इस तरह देखें तो खेती अभी भी आधे से ज्यादा भारतीयों की जीविका है। हमारे यहां बारिश का होना इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज भी आधे से ज्यादा खेती मानसून पर ही टिकी है और देश में पेयजल का भी 60 फीसदी से ज्यादा आधार बारिश का पानी ही है। इसके अलावा देश में जो जलविद्युत बनती है, उसके लिए भी बारिश का होना बहुत जरूरी है। इसलिए भारत जैसे देश में मानसून का जल्दी आना जैसे इस साल आया अच्छी खबर मानी जाती है। मौसम विभाग के अनुसार बीते साल जून से सितंबर के बीच 106 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। बारिश की सामान्य परिभाषा में 87 सेंटीमीटर का दीर्घकालिक औसत के 96 से 104 प्रतिशत के बीच माना जाता है।

इस बार अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। जबकि कुछ क्षेत्रों में बारिश कुछ कम भी हो सकती है, जिनमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िसा के कुछ हिस्से, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य शामिल हैं। सवाल है क्या यह औसत से ज्यादा बारिश का अनुमान खेती के लिए खुशहाली की सूचना है? इसका जवाब 'हां' में भी है और 'न' में भी। क्योंकि अनुभव बताता है कि ज्यादा बारिश अपने यहां दुधारी तलवार की तरह है। यह खेती के लिए खुशखबरी भी हो सकती है और कई बार यह खेती के लिए परेशानी का सबब भी बनती है। बीते साल करीब 10 दिन पहले मानसून सक्रिय हो गया, इसलिए जुलाई के महीने में होने वाली खरीफ फसल बुआई का रकबा पिछले साल के मुकाबले 11.3 फीसदी बढ़ गया और जून की आखिरी तारीख तक ही 26.2 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की बुआई हो चुकी थी। विशेषकर धान, सोयाबीन और तिलहनों का रकबा बढ़ा है। बुआई के साथ साथ जलाशयों, नदियों और भूमिगत जल के स्तर में तेजी से पुनर्भरण हुआ है, जिससे रबी की फसल में आम सालों की तरह सिंचाई की कम जरूरत पड़ी। यही नहीं जून और मई के महीनों में औसत से कम गर्मी पड़ी है। मध्य भारत में विशेष तौरपर तापमान 4 डिग्री तक कम रहा है, जिससे गत वर्ष भीषण गर्मी वाले दिन यानी 'नौतपा' भी बाकी सालों के मुकाबले कम गर्म रहे। इस तरह मध्य भारत को बीते साल गर्मी से किसी हद तक छुटकारा मिला था। इस साल मानसून कैसा रहेगा? कितनी गर्मी पड़ेगी इस संदर्भ में आईएमडी के अनुमान अभी आने हैं। लेकिन समय से पहले बारिश आने से सबकुछ अच्छा-अच्छा ही नहीं सोचा जा सकता।

गुजरात में बीते साल 135 फीसदी तक यानी सामान्य से 30 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। चूंकि इतनी ज्यादा बारिश महज 20 दिनों के अंतराल में हुई, इसलिए इसकी तीव्रता, बारिश के पानी का प्रवाह फसलों के लिए फायदेमंद नहीं रहा। गुजरात में ही नहीं महाराष्ट्र के पुणे और मराठवाड़ा जिले में भी ज्यादा बारिश के कारण ज्वार, बाजरा, मूंगफली जैसी फसलों का 60 से 70 फीसदी तक नुकसान हुआ। इन सब बातों को देखते हुए अगर साल 2025 में कम या ज्यादा के होने वाले नुकसानों के प्रति संवेदनशील नहीं हुए तो आने वाले वर्षों में हमारे लिए यह लापरवाही बहुत भरी साबित होगी। देश में विशेषकर उत्तर और पश्चिम भारत में गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। अप्रैल के पहले हफ्ते तक गर्मी सामान्य रही है, लेकिन गर्मी, वर्षा और सर्दी कब करवट बदल ले कुछ कह नहीं सकते हैं। इसलिए सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की प्रतिकूलता से बचाव के लिए स्थायी उपाय विकसित करना होगा। अन्यथा प्राकृतिक आपदायें बड़ी जन-धन हानि का कारण बनती रहेंगी।

सोशल मीडिया

कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नाराज फूफाओं को होम्योपैथी वाली मीठी और शांति दवा दी, लेकिन उसका असर ऐलोपैथी की हाई एंटीबायोटिक की तरह हुआ। नितिन नवीन.

हर बार बीजेपी सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न, हादसे से पहले रोकथाम नहीं, उसके बाद बयान बाजी। छोटे अफसरों पर जवाबदेही मढ़ दी जाती है और असली बचे रहते हैं। राहुल गांधी.

ये है 'भारतीय जनता पार्टी कालीन विकास'। सुना तो ये था कि दरारों को कालीनों से ढका जाता है, लेकिन यहां तो गंगा एक्सप्रेस वे के भ्रष्टाचार के गड्ढे ढके जा रहे हैं। अखिलेश यादव.

आत्मशोधन का महत्व

अंतर्दृष्टि

ईश्वर ने मनुष्यको विशिष्ट जीव बनाया है। जीव विज्ञान के अनुसार मनुष्य बंदर जाति का एक प्राणी माना गया है। पर उसके अंतराल में परमात्मा ने इतनी विशिष्ट शक्तियों का जखीरा भर रखा है कि उसे सृष्टि का मुकुट मणि कहा जाना बहुत अंशों में सही है। शरीर संरचना में प्रयुक्त हुए असख्यों जीवकोशों में से प्रत्येक घटक ऐसा है जो नन्हें नन्हें गोलक जैसे प्रतीत होते हुए भी असाधरण क्षमता सम्पन्न है। पदार्थ के परमाणु का वैज्ञानिक विधि से नाभिकीय विस्फोट करने पर उससे निकलने वाली प्रचण्ड ऊर्जा समूचे क्षेत्र को प्रभावित करती है। ठीक इसी प्रकार जीवकोशों को सम्मिलित शक्ति भी एक आयन मण्डल बनाती है जिसे अंग्रेजी में आरा कहते हैं और संस्कृत में तोजोवलय। यह विद्युत प्रकाश यंत्र उपकरणों से स्थलूतः तो प्रायः एक जैसा ही दिखता है। उनमें रंगों भर का अंतर पाया जाता है, किन्तु सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाये तो उसमें रंगों का ही नहीं शक्ति का भेद भी पाया जाता है। इसमें जैव चुम्कत्व के गुण भी होते हैं। मोटे तौर से बिजली दो प्रकार की होती है। एक खींचने वाली, दूसरी धकेलने वाली। प्रकारान्तर से इसे उसका गुण कह सकते हैं। इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म के रूप में यह दूसरों के शरीर, मन आदि को अपनी ओर आकर्षित करती है। धक्का मारने वाली दूसरी शक्ति त्रास पहुंचाती है। यह जैव विद्युत सामने वाले को तोड़ती व पतन के गर्व में गिरा देती है। तांत्रिकों और मांत्रिकों में यही भेद होता है। वेद मंत्रों की दिव्य ध्वनियों का गुंजन मनुष्य को मोहित झंगृत, प्रसन्न और प्रफुल्लित करता है। इससे शक्ति बलिष्ठता मिलती है। जिससे वह आत्मिक प्रगति के क्षेत्र में ऊंचा उठता व आगे बढ़ता है। शक्ति के आदान प्रदान का यह क्रम मित्रों, बालकों, अभिभवकों के बीच भी चलता है, पर सबसे अधिक सामर्थ्य गुरु के शक्तिपात में होती है। जिसने तप साधना द्वारा अपने में शक्ति का भण्डार एकत्रित किया है। वह उसका अनुदान भी किसी को दे सकता है। जिसकी कमाई का आधर रोटी भर है, अपना खर्च ही मुश्किल से चला पाता है, वह क्या किसी को दे सकता है? लिया तो किसी से, कहीं से भी जा सकता है किन्तु दे पाना उन्हीं के लिए संभव है जिनके पास कुछ जमा पूंजी हो। यह जमा पूंजी अध्यात्म क्षेत्र में तप साधना संयम सेवा के आधर पर ही कमाई गयी होती है। अपने को पवित्र बनाकर, अनगढ़ से सुगढ़ बनाकर मनुष्य निरोग बनता है और पुण्य की प्रखरता से बलिष्ट बनता है। यों साधना से जप तप भी करना पड़ता है। किन्तु सबसे बड़ी बात है आत्मशोधन, स्व का परिमार्जन, परिष्कार। यह जितना अधिक गहरा बन पड़ता है, मनुष्य उतना ही गुण, कर्म, स्वभाव से शक्तिशाली होता जाता है।

गरीबी निवारण कार्यक्रम

व्यंग्यलोक

सरकारों ने भरसक प्रयत्न किया था कि देश में समाजवाद आ जाये, परन्तु पता नहीं कैसे नहीं आया। इसमें कुछ समाजवाद की भी गलती है कि यह हमारे देश में जाने क्यों आना ही नहीं चाहता, जबकि हमारे यहाँ तो समाजवादी भी हैं और समाजवादी पार्टी भी। मुझे लगता है कि यदि इसी तरह लगे रहे तो वह दिन दूर नहीं है, जब समाजवाद हर क्षेत्र में आ ही जायेगा। समाजवाद का अर्थ अब अमीर-गरीब की खाई को पाटना भर नहीं है, अपितु हर क्षेत्र में हर नागरिक को समान रूप से कार्य करने का अधिकार मिल जाये तो यह भी समाजवाद ही है। इधर सांसद भी समाजवाद की ओर अग्रसर हो गये हैं, पहले केवल काम करने की रिश्वत सरकारी कर्मचारी ही लेता था, लेकिन अब सांसद, मंत्री और तमाम राजनेता इस ओर पूरी ईमानदारी से चेष्टा कर रहे हैं। यदि रिश्वत सार्वजनिक हो जाती है तो यह समाजवाद ही है। सभी को रिश्वत लेने का अवसर हाथ लग जाये और उन पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं हो तो यह हमारे लिए समाजवाद के सन्निकट ले जाती है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की प्रासंगिकता बिलकुल नहीं रही है। जांच आयोगों का हश्र हम लोग देख ही रहे हैं। रिश्वतखोर, घोटालेबाज तथा दलालों को समान दृष्टि से देखा जाना ही समाजवाद का पर्याय है। युग बदला है तो समाजवाद के मायने भी बदल गये हैं। समाजवाद अब हर कोई लाने पर उतारू है। सरकार का किसी पर कोई नियंत्रण नहीं है और सबको सभी की मेहनत का फल बराबरी से मिल रहा है। अब लोग कर्तव्यों को भूलकर अपने अधिकारों के प्रति इतने जागृत हो गये हैं कि समाजवाद का सा वातावरण सब ओर दिख रहा है। अब समाजवाद को कहीं से उधार लाने की आवश्यकता नहीं है, अपितु हमारी सरकारें भी सबको समान अवसर देने का संकल्प कर चुकी हैं। मनमानी को ही लें, हर नागरिक इसे तहेदिल से अपना चुका है और मनमानी में लगभग समाजवाद पूरी तरह आ चुका है। पुलिस और चोर मिलकर एक बीड़ी फूंक रहे हैं। राजनेता बाहुबलियों को लेकर सत्तातंत्र पर हावी हैं। डॉन से दोस्ती रखना गर्व की बात मानी जाने लगी है और वे मिल-बैठकर अपनी स्वार्थ सिद्धी में लगे हैं। यह हमारे समाजवाद का ही प्रतिफल है। जो लोग बीपीएल हैं, उनके बारे में तो बात करना ही बेमानी है। ये लोग इतने ढ़ीठ हो गये हैं कि आजादी के छह दशक बाद भी अपने आप को नहीं उठा सके हैं। इनके कारण बड़ा शर्मिन्दा होना पड़ता है। वरना सरकार ने तो गरीबी हटाओ का कार्यक्रम इतने जोरों से चला रखा है कि इसे अब तक ऊपर आ जाना ही चाहिए था। गरीबी मिटाते-मिटाते नेता अमीर हो गये, लेकिन इन गरीबों की गरीबी अभी तक भी इनका पीछा नहीं छोड़ रही।

पूरन सरमा

क्या महिलाओं को अधिक नींद की जरूरत होती है

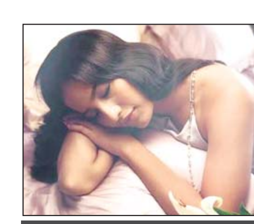

स्वास्थ्य

डॉ.माजिद अलीम

विभिन्न अध्ययनों से यह बात स्पष्ट हुई है कि महिला पुरुषों की तुलना में औसतन अधिक नींद लेती हैं। साल 2022 में किये गये एक बड़े वैश्विक अध्ययन में जिनमें 70 हजार महिलाओं का डेटा शामिल किया गया था, इस अध्ययन के नतीजों के अनुसार हर उम्र की महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद ली थी। 40 से 44 साल की महिलाओं ने इस बात को स्वीकार किया कि वे पुरुषों की तुलना में 20 से 30 मिनट ज्यादा नींद लेती हैं। कुछ अन्य अध्ययनों के आधार पर महिला और पुरुषों के नींद की गुणवत्ता पर भी जब ध्यान दिया गया तो उसमें यह तथ्य सामने आया कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को ज्यादा गहरी और आरामदायक नींद की जरूरत होती है और वो जितना गहरी नींद लेती हैं, उतना ही उनकी कार्यक्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। स्वस्थ रहने के लिए हमें कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेनी चाहिए, ऐसा कहा जाता है। लेकिन महिलाओं को इतनी नींद लेने के बावजूद भी सुबह उठते समय थकावट महसूस होती है और उन्हें लगता है कि उनकी नींद पूरी नहीं हुई और उन्हें थोड़ा और सोना चाहिए। वहीं पुरुष 7-8 घंटे की नींद से ही अच्छी तरह से काम कर लेते हैं।

अच्छी नींद क्यों जरूरी है?

अच्छी नींद हमारी कार्यक्षमता में वृद्धि करती है और हमारे दिल के स्वास्थ्य और पाचनशक्ति को दुरुस्त करने के लिए और हमारी त्वचा और बालों की गुणवत्ता में भी सुधार लाती है। अच्छी नींद लेने से चिंता और अवसाद कम होता है और घर हो या बाहर हम काम में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। क्योंकि नींद के दौरान हमारे शरीर में उत्तकों की मरम्मत और मांसपेशियों की वृद्धि होती है।

नींद की कमी के नतीजे

अगर महिलाओं को पर्याप्त नींद न मिले तो उनमें हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, दिल की बीमारियां और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। इससे उनकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर होता है। नींद की कमी से तनाव, गुस्सा, उदासी और चिंता होती है। नींद की कमी से थकान बढ़ती है और काम में मन नहीं लगता। लंबे समय तक नींद कम लेने से मासिक चक्र गड़बड़ा जाता है और प्रजनन क्षमता पर भी बुरा असर होता है। यही वजह है कि महिलाओं के लिए अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है। क्योंकि इसी से उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सही रहता है।

नींद का बदलता पैटर्न

नवजात शिशु या छोटे बच्चों को शारीरिक वृद्धि के लिए अधिक नींद की जरूरत होती है और वयस्क व्यक्ति को 7 से 8 घंटे की नींद चाहिए। हालांकि उम्र के साथ नींद का पैटर्न भी बदल जाता है और धीरे-धीरे गहरी नींद के कुल घंटे कम हो जाते हैं। 40 वर्ष की आयु के बाद महिला हो या पुरुष उनकी नींद के पैटर्न में परिवर्तन हो जाते हैं। विभिन्न शोधों से भी यह बात पता चलती है कि महिलाएं चूंकि दिनभर शारीरिक श्रम ज्यादा करती हैं, अपनी दैनिक गतिविधियों से उपजी थकान मिटाने के लिए महिलाओं को पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद की जरूरत होती है। क्योंकि महिलाओं की मस्तिष्क की संरचना पुरुषों की तुलना अलग और जटिल होती है। महिलाएं एक साथ कई कार्य करने और एक ही समय में अपनी बुद्धि का कई कामों के लिए इस्तेमाल करने के लिए जानी जाती हैं। यही वजह है कि उन्हें शारीरिक और मानसिक थकान ज्यादा लगती है और पुरुषों की तुलना में उन्हें ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

इसके अलावा महिलाओं में पुरुषों की तुलना में तनाव, चिंता, अवसाद के कारण अनिंद्रा की समस्या होने की ज्यादा संभावना होती है। भले ही महिलाओं को पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद की जरूरत हो, इसके बावजूद महिलाओं में अनिंद्रा का खतरा पुरुषों की तुलना में 40 प्रतिशत ज्यादा होता है। विभिन्न अध्ययन भी इस बात का खुलासा करते हैं कि अधिक नींद लेने के बावजूद नींद में बार-बार व्यवधान और गड़बड़ी के कारण पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नींद की गुणवत्ता कम हो जाती है, जिसकी एक वजह महिलाओं की नींद पर उनमें हार्मोन्स का बदलाव भी मायने रखता है। मासिक धर्म के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हामोनों में उतार-चढ़ाव भी महिलाओं में नींद के पैटर्न को बाधित करते हैं। इसके अलावा गर्भावस्था में हार्मोनल परिवर्तन और शरीर में होने वाले बदलावों के कारण भी उनके नींद के पैटर्न में बदलाव आ जाता है। मोनोपॉज के दौरान भी महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव उनकी नींद को प्रभावित करते हैं।

विचार

विनम्रता से अच्छी कोई नीति नहीं। जहां होशियार जुबान असफल हो जाती है, वहां अच्छा व्यवहार बहुत काम कर जाता है।
– मेंगून.

चिंता से ही चिंता दूर होती है। धोखा देकर इसे रोकने का प्रयस करने से परिणाम उल्टा होता है।
–रवीन्द्र नाथ टैगोर.

अपनी उन्नति और शत्रु का विनाश–यही दो नीति है। इन्हीं को अंगीकार करके कुशल पुरुष अपनी वाक् चतुरता का विस्तार करते हैं।
–माघ.

जो मूर्ख दुष्टों का साथ करता है, वह अपने हाथों से अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारता है।
– बृंद.

सबसे कठिन तीन वस्तुएं हैं– एक रहस्य को अप्रकट रखना, कष्ट को भूल जाना और अवकाश का सदुपयोग करना।
–चिलो.

आप की बात

रोजगार सृजन की चुनौती

युवाओं के लिए उपयुक्त रोजगार का सृजन कर उनको राष्ट्र निर्माण से जोड़ना फिलहाल देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हर साल एक करोड़ से अधिक युवा कालेजों से ग्रेजुएट्स होकर निकल रहे हैं और इस लिहाज से देखा जाये तो देश की सबसे बड़ी जरूरत रोजगार सृजन ही है। जहां देश की सबसे बड़ी जरूरत रोजगार सृजन है, तो देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। बेशक एक युवा जब कालेज से निकलता है तो उससे उसके परिवार की, उसकी खुद की और समाज की बहुत सारी उम्मीदें होती हैं और इन उम्मीदों और दायित्वों का पूरा होना तभी संभव है जब उसके पास या तो कोई नौकरी हो अथवा व्यवसाय। किसी काम धंधे में नियोजित होकर ही व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में अपना सम्यक योगदान दे सकता है। इस संदर्भ में यह बात उत्साह बढ़ाने वाली है कि इस रोजगार कालेज से निकलने वाले युवाओं की भर्तियां बढ़ी हैं। फ्रेशर्स हायरिंग में वृद्धि यह बताती है कि धीरे-धीरे रोजगार का बाजार सुधर रहा है, नयी नौकरियां सृजित हो रही हैं। लेकिन यह जरूरी है कि अब रोजगार का स्वरूप बदल रहा है। कुछ समय पूर्व एक सर्वे में यह बात सामने आयी थी कि अगले छह-सात वर्षों में करोड़ों नौकरियां खत्म हो जायेंगी जो मुख्यतः क्लर्क, कैशियर, लिखा-पढ़ी जैसे साधारण प्रकृति के कामों से जुड़ी होंगी। इसी तरह एप आधारित गिग जॉब, एआई, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में रोजगार बाजार में सुधार देखने को मिलेगा।

दरअसल प्रौद्योगिकी के अत्यधिक उपयोग से रोजगार संकुचन की जो बात कही जा रही है उसमें बहुत सचाई नहीं है। हम आईटी सेक्टर को लेकर ही देखें तो आईटी क्रांति से नयी-नयी नौकरियां पैदा हुई हैं, देश की जीडीपी और निर्यात में इजाफा हुआ है और बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके भी पैदा हुए हैं। ऐसे में जब एआई जैसी तकनीक आमतौर पर इस्तेमाल होने लगेगी, तो रोजगार का स्वरूप जरूरत बदल सकता है लेकिन रोजगार के मौके कम होने की बात सही नहीं लगती। युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुकूल स्किल्ड करना तो जरूरी होगा अन्यथा सामान्य युवा को रोजगार मिलना कठिन हो जायेगा। प्रौद्योगिकी के इस युग में रोजगार भी उन्हीं लोगों को मिलेगा जो प्रौद्योगिकी में दक्ष होंगे। इसलिए नये विकसित होते क्षेत्रों में स्किल्ड युवाओं को तैयार करने के लिए शिक्षा और बेहतर प्रशिक्षण जरूरी है।

विनोद कुमार सिंह, लखनऊ.

समावेशी विकास

भारत के साथ आजाद होने वाले अधिकांश देश आर्थिक प्रगति, नागरिकों की सुख-सुविधा, सुरक्षा, स्वास्थ्य रक्षा, रोजगार और समग्र प्रगति के मामले में बहुत आगे निकल चुके हैं। समावेशी विकास, महिला अधिकारिता, शिक्षा और बाल विकास जैसे तमाम मुद्दों पर छोटे-छोटे देश भी भारत से बहुत आगे हैं। भले ही हम आज दुनिया में महाशक्ति बनकर उभर रहे हों लेकिन फिर भी गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी आदि के मामले में भारत की स्थिति ठीक नहीं है। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर जब हम यह सोचते हैं कि आखिर कहां ऐसी कमी रही, कौन से कारण रहे जिनके चलते भारत मानव विकास, नागरिकों की समृद्धि आदि के मामले में विश्व रैंकिंग में कहीं नहीं ठहरता। जिस भी खराब मुद्दे को लेते हैं चाहे वह गरीबी हो, कुपोषण हो, खराब शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा हो, वैश्विक स्तर पर जब इनके आंकड़ों का अध्ययन करते हैं, तो यह पाते हैं कि भारत अधिकांश में नंबर एक पर है। यह भारत और उसके हरेक नागरिकरों के लिए चिंता का, चिंतन का और शर्म का भी विषय है। ऐसा क्यों है कि भारत में बहुत कुछ होते हुए भी हम अपने नागरिकों को बेहतर मानवीय सुविधाएं नहीं दे पाये हैं, तो इसके पीछे एक जो सबसे ठोस कारण नजर आता है वह है शिक्षा। अच्छी शिक्षा हरेक समाज की, हरेक नागरिक की जरूरत है। शिक्षा के बिना कोई भी समाज या देश प्रगति नहीं कर सकेगा।

प्रेम प्रकाश शुक्ल, लखनऊ.

संक्षेप

बुजुर्ग से मारपीट, धमकाया

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम दैलवारा में घर लौट रहे 65 वर्षीय बुजुर्ग को रास्ते में रोककर गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि तीन लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया और विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट कर दी। मारपीट में बुजुर्ग को अंदरूनी चोटें आई। घटना के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम दैलवारा के मोहल्ला सिद्धपुरा निवासी 65 वर्षीय रामसेवक पुत्र जुगरे अहिरवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 अगस्त 2026 की रात करीब 8.30 बजे वह अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में दैलवारा निवासी दयाराम पुत्र छोटेलाल अहिरवार तथा उसके दो साले थाना जखौरा के ग्राम सीरोन निवासी जगदीश और रंजीत पुत्रगण अजब अहिरवार ने उन्हें रोक लिया। रामसेवक के अनुसार आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने कथित तौर पर उनके साथ लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में उन्हें अंदरूनी चोटें आई।

अतिवृष्टि से बिरधा में फसलें बर्बाद

ललितपुर। जिले के बिरधा विकासखंड समेत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में हाल के दिनों में हुई मूसलाधार बारिश और अतिवृष्टि से खरीफ की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में जलभराव होने से उड़द, मूंग, सोयाबीन और मूंगफली की खड़ी फसलें सड ? लगी हैं। ग्राम मैनवार के

- किसानों ने मुआवजे की लगाई गुहार
- 80 से 100 प्रतिशत तक फसलें नष्ट होने का दावा
- राजस्व-कृषि विभाग और बीमा कंपनी की संयुक्त टीम से सर्वे की मांग

पीड़ित किसानों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर फसल क्षति का तत्काल संयुक्त सर्वे कराने तथा आपदा राहत और फसल बीमा के तहत मुआवजा दिलाने की मांग की है। किसानों के मुताबिक बिरधा क्षेत्र में मुख्य रूप से उड़द, मूंग, सोयाबीन और मूंगफली की खेती की जाती है। लगातार हुई भारी बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया, जिससे खड़ी फसलें जलमग्न हो गईं। किसानों का कहना है कि कई खेतों में फसल पूरी तरह सड़ चुकी है और करीब 80 से 100 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। इससे किसानों की खेती में लगी लागत डूब गई है और उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि राजस्व विभाग, कृषि विभाग और फसल बीमा कंपनी के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर प्रभावित गांवों में मौके पर जाकर निष्पक्ष सर्वे कराया जाए। किसानों का कहना है कि सर्वे के दौरान वास्तविक फसल क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि पात्र किसानों को शासन की ओर से मिलने वाली सहायता का लाभ मिल सके। किसानों ने अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति की रिपोर्ट शासन को भेजकर राज्य आपदा मोचक निधि से तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही फसल बीमा के तहत नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि खरीफ की फसलें बर्बाद होने से उनकी पूरी लागत प्रभावित हुई है। प्राकृतिक आपदा ने कृषक परिवारों के सामने आर्थिक परेशानी खड़ी कर दी है। ऐसे में प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द सर्वे कराकर क्षति का आकलन और राहत राशि उपलब्ध कराना जरूरी है। जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र पर सुनील पुत्र रामदयाल, हीरालाल पुत्र रामदयाल समेत ग्राम मैनवार, विकासखंड बिरधा के अन्य पीड़ित किसानों के नाम और हस्ताक्षर शामिल हैं। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई है।

अवैध गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

ललितपुर। कोतवाली पुलिस और चैकी बिरधा पुलिस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 7.232 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ओडिशा से गांजा खरीदकर अलग-अलग स्थानों पर बेचने के लिए ललितपुर आया था। उसके कब्जे से गांजे के अलावा नकदी, पर्स और वीवो कंपनी का टचस्क्रीन मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चैकी बिरधा प्रभारी उपनिरीक्षक राहुल कुमार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बाहरी व्यक्ति पीले रंग का ट्रॉली बैग लेकर बिरधा क्षेत्र में घूम रहा है और उसके पास अवैध मादक पदार्थ है। वह गांजा बेचने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए चैकी प्रभारी ने क्षेत्राधिकारी पाली/सदर राजेश कुमार श्रीवास्तव को अवगत कराया। इसके बाद उनके निर्देशन में कोतवाली पुलिस और चैकी बिरधा पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर संदिग्ध व्यक्ति की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने एनएच-44 की सर्विस रोड पर सतरवांस ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम जनपद बांदा की शहर कोतवाली अंतर्गत मोहल्ला बन्योटा निवासी सत्यम सिंह पुत्र स्व. बलराम सिंह बताया। तलाशी के दौरान उसके दाहिने हाथ में पकड़े पीले रंग के सफारी लिखे अटैची बैग से भूरे रंग की टेप से लिपटे सात पैकेट बरामद हुए। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक तराजू से पैकेटों में मिले पदार्थ का वजन कराया, जो कुल 7.232 किलोग्राम गांजा निकला। इसके अलावा आरोपी के पास से एक पर्स, नकदी और वीवो कंपनी का टचस्क्रीन मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजा ओडिशा से खरीदकर लाया था और इसे अलग-अलग स्थानों पर बेचने की तैयारी में था। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक राजपत्रित अधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी पाली/सदर राजेश कुमार श्रीवास्तव की मौजूदगी में एनडीपीएस एक्ट की धारा-50 के प्रावधानों के तहत तलाशी एवं की गई। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से की गई।

लोक अदालत को लेकर विधि छात्रों ने प्रस्तुत किया नुक्कड़ नाटक

बाराबंकी। आगामी 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को लोक अदालत के माध्यम से विवादों के सरल, सुलभ एवं त्वरित निस्तारण के प्रति जागरूक किए जाने को लेकर विधि छात्रों द्वारा जनपद न्यायालय परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव, प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय वंदना, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण पीठासीन अधिकारी अल्पना सक्सेना, एडी0जे विनय कुमार सिंह, राष्ट्रीय लोक अदालत नोडल अधिकारी श्रीकृष्ण कुमार सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव उज्ज्वल उपाध्याय, लवकुश आदि मौजूद रहे।

फिजियोथैरेपी क्लब ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

ललितपुर। फिजियोथैरेपी क्लब रजि के तत्वाधान में विश्व फिजियोथैरेपी दिवस के उपलक्ष्य में निशुल्क विशाल फिजियोथैरेपी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन क्लब अध्यक्ष डा. विक्रांत तोमर की अध्यक्षता में जीआईसी में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एएसपी कालू सिंह व आईएमए जिलाध्यक्ष डा.राजकुमार जैन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। फिजियोथैरेपी स्वास्थ्य शिविर में विशिष्ट अतिथि क्षेत्रिय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डा.विनीता भारती, आर्थोपेडिक क्लब अध्यक्ष डा.अरविन्द दिवाकर, नीमा अध्यक्ष डा.एस.पी.पाठक, उपाध्यक्ष डा.दीपक चैबे एवं आर्थोपेडिक क्लब सचिव डा.आकाश खैरा इत्यादि की उपस्थिति रही। इस निशुल्क फिजियोथैरेपी स्वास्थ्य शिविर में लाभान्वित 272 मरीजों का फिजियोथैरेपी चिकित्सा पद्धति (योग, व्यायाम, इलेक्ट्रो थेरेपी इत्यादि) द्वारा सफल परीक्षण व इलाज किया गया। जरूरतमंद मरीजों को दर्द निवारक डाइक्लोफिनेक जेल वितरण बी.पी., शुगर जांच निशुल्क किया गया। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में क्लब के पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष डा.रक्षा मिश्रा, डा.तेजस्व श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष डा.पंकज जैन, उप सचिव डा.अनुभव वर्मा, लेखा परीक्षक डा.बृजेश जोशी, डा.राजुल समैया, कार्यकारिणी सदस्य डा.प्रतिभा प्रकाश, डा.विशाल गौर, डा.रिजु दुबे, डा.विशाल कुशवाहा एवं चिकित्सकों के सहयोगी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। शिविर में पधारे अतिथियों, पत्रकार बंधु, बुद्धिजीवी वर्ग, समाजसेवियों को ललितपुर फिजियोथैरेपी क्लब द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत, सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। सफल संचालन क्लब सचिव डा.सौरभ देवलिया द्वारा किया गया।

राज्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लिया स्थिति का जायजा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। नेपाल से आ रहे पानी के कारण तहसील रामनगर, सिरौलीगौसपुर और रामसनेहीघाट बाढ़ की चपेट में हैं।

एसडीएम नाव के सहारे बाढ़ पीड़ितो को पहुंचा रहे भोजन सामग्री

ग्राम खेतासराय में घाघरा नदी किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रही है। अब तक करीब 40 बीघा जमीन घाघरा नदी में समा गई है। जिसको लेकर खाद्य एंव रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने तहसीलदार शशांक उपाध्याय के साथ आज रामसनेहीघाट तहसील के ग्राम खेतासराय व चिर्रा का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। तथा प्रशासन को राहत और बचाव कार्य तेज किये जाने के निर्देश दिये। तो वही उपजिलाधिकारी बृजेंद्र उपाध्याय ग्राउंड जीरो पर नाव के सहारे पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों तक भोजन सामग्री पहुंचाने मे जुटे हुये है।

देवगढ़ की धार्मिक-ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की मांग

ललितपुर। देवगढ़ की प्राचीन धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत के संरक्षण और क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विकास को लेकर देवगढ़ सनातन धर्मरक्षा समिति (रजि.) ने प्रशासन एवं संबंधित विभागों के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। समिति ने देवगढ़ को प्रमुख

- दशावतार द्वार व वे-साइड अमेनिटी का निर्माण जल्द शुरू कराने की मांग
- प्राचीन मंदिरों और पुरातात्विक अवशेषों के सर्वेक्षण पर जोर

धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए लंबित परियोजनाओं को गति देने के साथ ही प्राचीन मंदिरों, प्रतिमाओं और पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण की मांग की है। समिति ने पर्यटन विभाग द्वारा प्रस्तावित दशावतार द्वार एवं वे-साइड अमेनिटी का निर्माण कार्य शीघ्र

शुरू कराने की मांग की है। समिति का कहना है कि यदि वे-साइड अमेनिटी के लिए प्रस्तावित भूमि के स्वामित्व, सीमांकन अथवा किसी अन्य प्रशासनिक या राजस्व संबंधी समस्या के कारण परियोजना लंबित है तो उसका तत्काल निस्तारण कर आवश्यक भूमि उपलब्ध कराई जाए, जिससे निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब न हो। समिति ने नरवराह मंदिर की स्वच्छता, रखरखाव, धार्मिक आयोजनों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन एवं संबंधित विभागों के समन्वय से समिति को नियमानुसार सहभागी बनाए जाने की मांग भी की है। समिति का कहना है कि स्थानीय धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता से मंदिर की व्यवस्थाओं को और बेहतर किया जा सकता है। समिति ने नरवराह मंदिर सहित देवगढ़ में सनातन परंपरा से जुड़े सभी प्राचीन मंदिरों, धार्मिक स्थलों, प्रतिमाओं और पुरातात्विक अवशेषों का विस्तृत सर्वेक्षण कराने की मांग की है। इसके साथ ही इनके संरक्षण, सुरक्षा, सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं के विकास की समुचित कार्ययोजना तैयार करने की बात कही गई है। समिति ने कहा कि देवगढ़ की एक प्राचीन प्रतिमा को जनदबाव के माध्यम से बाहर कराया गया था और उसके उचित संरक्षण एवं पुनर्स्थापना की प्रतीक्षा होना पीड़ादायक है।

समिति ने जनभावनाओं तथा देवगढ़ की ऐतिहासिक विरासत को ध्यान में रखते हुए इस मामले में प्राथमिकता से कार्रवाई करने और आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर संबंधित विभागों को भेजने की मांग की है। समिति ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य देवगढ़ की सनातन धार्मिक परंपरा, ऐतिहासिक धरोहर और पुरातात्विक महत्व को सुरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ ?ों के लिए संरक्षित करना है।

बाराबंकी में सरयू का जलस्तर बढ़ा

बाराबंकी। जिले में हो रही बारिश व शारदा बैराज से लगातार छोड़ जा रहा नेपाल का पानी के चलते सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से रामनगर और सूरतगंज क्षेत्र में बाढ़ और कटान का संकट गहराता जा रहा है। आज शाम नदी का जलस्तर 106.500 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से लगभग 43 सेंटीमीटर ऊपर है। जलस्तर बढ़ने के साथ तहसील क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है, जबकि कटान से किसानों की जमीन और फसलें प्रभावित हो रही हैं। तपेसिपाह गांव में संजय सेतु के आसपास सरयू नदी के तेज कटान से किसानों की फसल लगी जमीन प्रभावित हो रही है। नदी लगातार किनारों को काट रही है, जिससे ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। वहीं नदी के मुहाने पर बसे कोरिनपुरवा गांव के पास कराए गए बाढ़ राहत कार्य से कटान में कुछ राहत मिलने की बात सामने आई है। हालांकि गांव में बिजली व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को रात के समय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण विषैले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना हुआ है।

उधर, सूरतगंज क्षेत्र के हेतमापुर इलाके में कटान के साथ बांध के अंदर बसे करीब एक दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में हैं। सुंदरनगर गांव के कई घरों में पानी पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने बांध पर शरण ले रखी है। कोडरी गांव भी पिछले दो दिनों से चारों ओर से पानी से घिरा हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलभराव के बावजूद लंच पैकेट और राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है जो पर्याप्त नहीं है।

साइबर ठगों ने युवती के खाते से उड़ाए 86 हजार रुपये

ललितपुर। बानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चकौरा निवासी एक युवती के बैंक खाते से साइबर ठगी कर करीब 86 हजार रुपये निकाल लिए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत और अदालत के आदेश के बाद बानपुर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम चकौरा निवासी खुशबू पुत्री सुखलाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई थी। आरोप है कि साइबर ठग ने किसी तरह उन्हें झांसे में लेकर उनके पंजाब नेशनल बैंक की बानपुर शाखा में संचालित खाते से करीब 86 हजार रुपये ऑनलाइन निकाल लिए। घटना की जानकारी होने के बाद खुशबू ने तत्काल साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद खाते से निकाली गई रकम को होल्ड कराए जाने की कार्रवाई की गई। खुशबू का कहना है कि घटना के बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक को भी शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की।

बिना समय-सारणी बसों के संचालन पर निजी बस ऑपरेटरों ने जतायी आपत्ति

ललितपुर। परिवहन निगम झांसी द्वारा कथित तौर पर बिना निर्धारित समय-सारणी के बसों का संचालन किए जाने को लेकर जिला बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने परिवहन आयुक्त लखनऊ को शिकायती पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप करते हुए नियमानुसार संचालन सुनिश्चित

- परिवहन निगम झांसी पर मनमाने संचालन का आरोप
- परिवहन आयुक्त को भेजा ज्ञापन, बसें बंद कर परमिट जमा करने की चेतावनी

कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि मनमाने संचालन पर रोक नहीं लगी तो निजी बस ऑपरेटर अपनी बसों का संचालन बंद कर परमिट कार्यालय में प्रपत्र जमा करने को मजबूर होंगे। एसोसिएशन का कहना है कि जिले के निजी बस संचालक राज्य परिवहन प्राधिकरण एवं संभागीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत परमिट के अनुसार निर्धारित मार्गों पर अपनी बसों का संचालन कर रहे हैं। इसके बावजूद परिवहन निगम झांसी की बसों के संचालन को लेकर आए दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ज्ञापन में बताया गया कि जनपद में बस संचालन के लिए परिवहन निगम झांसी की ओर से 16 मार्गों पर

स्थायी सवारी गाड़ी परमिट के लिए आवेदन किए गए थे। प्राधिकरण की 6 जुलाई 2026 को हुई बैठक में यह शर्त रखी गई थी कि राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण का अंतिम निर्णय आने तक अस्थायी अधिकार पत्र जारी किए जाएं। एसोसिएशन का आरोप है कि इसके बावजूद प्राधिकरण द्वारा बिना समय-सारणी निर्धारित किए स्थायी परमिट जारी कर दिए गए। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि परिवहन निगम द्वारा स्वीकृत मार्गों पर निर्धारित व्यवस्था के अनुसार वाहन चलाने के बजाय अन्य मार्गों पर भी मनमाने ढंग से बसों का संचालन किया जा रहा है। शिकायती पत्र में उदाहरण देते हुए कहा गया कि 5 सितंबर 2026 से झांसी-मदनपुर मार्ग पर बिना परमिट और बिना निर्धारित समय-सारणी के बसों का संचालन किए जाने से निजी बस संचालकों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। बस ऑपरेटरों का कहना है कि इस प्रकार के संचालन से प्रतिदिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है और निजी बस मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि निजी बस संचालक परमिट की शर्तों और निर्धारित समय के अनुसार अपनी सेवाएं संचालित करते हैं, ऐसे में निगम की बसों के लिए भी समान नियमों का पालन किया जाना चाहिए। जिला बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने परिवहन आयुक्त से मांग की है कि परिवहन निगम को जारी किए गए परमिटों पर नियमानुसार समय-सारणी निर्धारित कर उसी के तहत बसों का संचालन सुनिश्चित कराया जाए। एसोसिएशन ने कहा कि इससे आए दिन होने वाले विवादों पर रोक लगेगी और निजी बस संचालकों की आजीविका भी सुरक्षित रहेगी। एसोसिएशन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि मामले में शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं हुई और मनमाने संचालन पर रोक नहीं लगी तो निजी बस ऑपरेटर अपनी बसों का संचालन बंद कर परमिट कार्यालय में जमा करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन की प्रतिलिपि मंडलायुक्त झांसी मंडल, उप परिवहन आयुक्त झांसी क्षेत्र, संभागीय परिवहन अधिकारी झांसी, जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है। ज्ञापन पर जिला बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, महासचिव अवधेश कौशिक सहित राजू राजा, जितेन्द्र सिंह, हरिश्चंद्र, पिंटू कुमार, इन्द्रपाल सिंह, आबिद, मुहम्मद हामिद, आदि है।

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को वितरित की छात्रवृत्ति, नए सदस्यों का हुआ सम्मान

ललितपुर। वर्धमान एजुकेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट रजि. द्वारा प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से 15वां छात्रवृत्ति वितरण एवं ट्रस्ट के नए सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री विशद् सागरजी महाराज एवं पूज्य मुनिश्री शिव सागरजी महाराज के मंगल सानिध्य में हुआ। अध्यक्षता नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने की, जबकि मुख्य अतिथि दिगंबर जैन समाज पंचायत समिति से डा.अक्षय जैन रहे। विशिष्ट अतिथियों में सनत जैन, मनोज जैन, पंकज जैन मोदी एवं अशोक जैन रहे। मंगलाचरण रेखा कड़की एवं मेरी भावना का वाचन महिला संभाग द्वारा किया गया।

संस्था की प्रगति रिपोर्ट जैनेन्द्र जैन एवं मनोज जैन ने प्रस्तुत की। संस्था संस्थापक सदस्य एवं पूर्व प्राचार्य अजय जैन ने अपनी धर्मपत्नी विजया जैन की स्मृति में प्रतिवर्ष शिक्षा पुरस्कार देने की घोषणा की। मुनिश्री विशद् सागर जी महाराज ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए व्यसनों से दूर रहने, चरित्र निर्माण और सद्गुणों को अपनाने का संदेश दिया तथा ट्रस्ट के कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में संरक्षक सदस्य जैनेन्द्र नजा, महेंद्र सराफ, ज्ञानचंद जैन, मनोज नजा, सुनील सराफ, राजकुमार सराफ, अशोक जैन, महिपाल जैन, अखिलेश जैन, विजय जैन, देवेंद्र जैन, संतोष वत्सल, प्रमोद चैधरी, आनंद जैन, महेंद्र जैन, डा.अरुण जैन, पत्रकार रवि चुनगी, पत्रकार राहुल जैन नवभारत, वीणा जैन, अनीता मोदी, विजया नजा, रागिनी नजा, मालती सराफ, रत्नप्रभा जैन, संगीता जैन एवं मीणा जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संचालन सनत जैन एवं सुनील सराफ ने किया।

ललितपुर के जलप्रपातों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग

ललितपुर। बुंदेलखंड के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत से समृद्ध ललितपुर के प्रमुख जलप्रपातों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की मांग को लेकर नागरिक विकास मोर्चा ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने जिले के प्राकृतिक जलप्रपातों तक सुगम पहुंच के साथ पर्यटकों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि ललितपुर जिले में प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर कई आकर्षक जलप्रपात मौजूद हैं। इनमें कंकड़, करकरावल, च्यवन और चंडी जलप्रपात प्रमुख हैं। इन स्थलों पर बारिश के मौसम में प्राकृतिक सौंदर्य देखते ही बनता है और बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने की संभावनाएं हैं। इसके बावजूद पर्याप्त सुविधाओं के अभाव में ये प्राकृतिक स्थल अपेक्षित रूप से पर्यटन मानचित्र पर पहचान नहीं बना पा रहे हैं। कहा कि प्रमुख जलप्रपातों तक पहुंचने वाले संपर्क मार्ग कई स्थानों पर खराब और दुर्गम हैं।

ऐसे में मुख्य सड़कों से जलप्रपातों तक बारहमासी पक्के संपर्क मार्गों का निर्माण कराया जाना आवश्यक है, ताकि पर्यटकों को आवागमन में परेशानी न हो और बारिश के दौरान भी इन स्थलों तक पहुंच आसान बनी रहे। ज्ञापन में प्रमुख मार्गों एवं आसपास के कस्बों में पर्यटकों की सुविधा के लिए स्पष्ट दिशा-सूचक बोर्ड लगाने की मांग की गई। इसके अलावा जलप्रपातों के संवेदनशील और खतरनाक स्थानों पर सुरक्षा रेलिंग एवं फेंसिंग कराने तथा पर्यटन सीजन में होमगार्ड अथवा पीआरडी जवानों की तैनाती किए जाने की मांग भी उठाई गई। मोर्चा ने जलप्रपातों पर पर्यटकों के लिए स्वच्छ पेयजल, शौचालय, छायादार शेड और कूड़ेदान जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समुचित व्यवस्था किए जाने पर भी जोर दिया, ताकि प्राकृतिक स्थलों की सुंदरता और पर्यावरण सुरक्षित रह सके। इन जलप्रपातों को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से आधिकारिक इको-टूरिज्म सर्किट से जोड ? की मांग की। उनका कहना है कि पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय युवाओं को गाइड, खानपान, परिवहन और अन्य सेवाओं के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि लोक निर्माण विभाग, वन विभाग और जिला पर्यटन विभाग के अधिकारियों को इन स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कराने तथा आवश्यक विकास कार्यों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए जाएं।

नेताओं ने कहा कि बेहतर आधारभूत सुविधाएं विकसित होने पर ललितपुर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना सकता है। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष हरीबाबू शर्मा, अजय प्रताप सिंह तोमर, मु.आशिफ एड., मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

डीएम ने की जिला सड़क सुरक्षा समिति के साथ बैठक

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति के साथ बैठक की। बैठक मे जिलाधिकारी ने वर्तमान समय में हो रही बारिश के दृष्टिगत सड़कों की स्थिति पर विशेष ध्यान देने, वर्षा एवं जलभराव के कारण सड़कों पर गड्ढे हुये है संबंधित विभाग सड़कों के गड्ढों को तात्कालिक रूप से पटवाकर उन्हें मोटरेबल बनाना सुनिश्चित करने तथा

- बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्ढों को तत्काल पटवाकर मोटरेबल बनाने के निर्देश
- अवैध कटों एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश
- एएनपीआर एवं स्पीड कैमरों प्रणाली का अधिकतम उपयोग करे सुनिश्चित: डीएम

बरसात समाप्त होने के उपरांत उनका विधिवत एवं गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य कराये जाने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने जनपद के सभी ब्लैक स्पॉट्स एवं दुर्घटना बाहुल्य स्थलों पर आवश्यक सड़क सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू कराने, रम्बल स्ट्रिप, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, रोड मार्किंग आदि कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने तथा राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर अवैध कटों एवं सड़क किनारे अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। परिवहन एवं पुलिस विभाग को ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग एवं अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध नियमित एवं प्रभावी प्रवर्तन अभियान चलाने, एएनपीआर एवं स्पीड कैमरों जैसी इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन प्रणाली का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने एनएचएआई एवं 108 एम्बुलेंस सेवाओं के बेहतर समन्वय के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल, एआरटीओ प्रशासन अमिताभ राय, लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, परिवहन, पुलिस, स्वास्थ्य, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, समिति सदस्य मौजूद रहे।

किसान के इलाज में बिकी जमीन-मवेशी

ललितपुर। महरौनी तहसील क्षेत्र के ग्राम सिमिरिया निवासी एक महिला ने अपने पति के गंभीर स्वास्थ्य संकट के बीच शासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। विकास खंड बार के ग्राम सिमिरिया निवासी सविता ने राज्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपकर पति सोभाराम के इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। सविता ने प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पति सोभाराम 26 जून 2026 को खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक वह जमीन पर गिर पड़े और उनका शरीर अचेत एवं सुन्न हो गया। घटना के बाद परिजनों ने उनके उपचार के लिए ललितपुर जिला अस्पताल सहित झांसी, ग्वालियर, जयपुर और अन्य स्थानों पर इलाज कराया, लेकिन स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। सविता के अनुसार पति के इलाज में परिवार की आर्थिक स्थिति पूरी तरह बिगड़ गई है। उपचार का खर्च जुटाने के लिए उन्हें जमीन और मवेशी तक बेचने पड़े, जबकि इलाज जारी रखने के लिए भारी कर्ज भी लेना पड़ा।

संक्षेप

अपैरल ग्रुप ने दी रिटेल परिदृश्य को नयी परिभाषा

नई दिल्ली। अपैरल ग्रुप ने कारफोर के पहले फ्लैगशिप स्टोर के उद्घाटन के साथ भारत में कारफोर के प्रवेश की घोषणा की है, जो दुनिया के सबसे गतिशील उपभोक्ता बाजारों में से एक में दोनों व्यवसायों के लिए एक महत्वाकांक्षी नए अध्याय की शुरुआत है आज का लॉन्च कारफोर के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि हम आधिकारिक रूप से भारत में अपनी रिटेल यात्रा शुरू कर रहे हैं। हम भारत को दुनिया के सबसे गतिशील उपभोक्ता बाजारों में से एक मानते हैं, जिसकी नींव मजबूत आर्थिक आधारों, तेजी से विकसित हो रहे रिटेल परिदृश्य और अपार दीर्घकालिक संभावनाओं पर टिकी है। अपैरल ग्रुप के साथ हमारी साझेदारी कारफोर की वैश्विक विशेषज्ञता को स्थानीय बाजार के गहन ज्ञान के साथ जोड़ती है, जिससे सतत विकास के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म तैयार होता है। यह फ्लैगशिप स्टोर एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क और एक मजबूत ओमनीचैनल रिटेल बिजनेस बनाने की हमारी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा का पहला कदम है, जो पूरे भारत के ग्राहकों को गुणवत्ता, मूल्य और सुविधा प्रदान करता है।

सैमसंग ने गैलेक्सी टैब एस10 प्लस पेश किये

नई दिल्ली। सैमसंग ने आज भारत में त्योहारों से पहले अपने फ्लैगशिप टैबलेट गैलेक्सी टैब एस10प्लस पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की। इसमें अत्याधुनिक हार्डवेयर और एआई से चलने वाले फीचर, दोनों हैं। इससे यह उन पेशेवरों, रचनात्मक लोगों और तकनीक के शौकीनों के लिए सही विकल्प बन जाता है, जो काम, मनोरंजन और स्मार्ट होम संभालने, तीनों के लिए एक ही उपकरण चाहते हैं। गैलेक्सी टैब एस10प्लस में 31.47 सेमी का डायनैमिक एमोलेड 2एक्स डिस्प्ले है, जिसमें एंटी-रिफ्लेक्टिव तकनीक दी गई है, ताकि रंग चटख दिखें और चमक आंखों में न चुभे। दस्तावेज पर काम करना हो, प्रेजेंटेशन देखना हो या कुछ स्ट्रीम करना हो, यह डिस्प्ले हर बार डुबो देने वाला अनुभव देता है। इसमें चार स्पीकर हैं, जिन्हें एआई से चलने वाले डायलॉग बूस्ट का साथ मिलता है, जिससे आवाज साफ सुनाई देती है। साथ ही आईपी68 रेटिंग और आर्मर एल्युमीनियम की बनावट इसे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए मजबूत बनाती है। ग्राहक बैंकों (6 महीने) और एनबीएफसी (12 महीने तक) के जरिए बिना ब्याज वाली ईएमआई का विकल्प भी ले सकते हैं।

केनस्टार की एयर फ्रायर रेंज पेश

नई दिल्ली। केनस्टार ने एयर फ्रायर की नई रेंज पेश की है। इस रेंज में अलग-अलग क्षमता, डिजाइन और कुकिंग सुविधाओं वाले मॉडल शामिल हैं। इन्हें भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इनमें कम तेल में खाना पकाने के साथ सुविधा और अलग-अलग तरह के व्यंजन तैयार करने पर जोर दिया गया है। नई रेंज में रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए छोटे एयर फ्रायर से लेकर एक साथ दो व्यंजन पकाने वाले डुअल-बास्केट मॉडल, ऑल-ग्लास एयर फ्रायर और बड़े परिवारों के लिए ज्यादा क्षमता वाले एयर फ्रायर ओवन शामिल हैं। ग्राहक अपने परिवार के आकार, रसोई में उपलब्ध जगह और खाना पकाने की जरूरत के हिसाब से मॉडल चुन सकते हैं। कंपनी ने इसे गिफ्टिंग के लिए भी एक विकल्प के तौर पर पेश किया है। भारतीय रसोई में तेजी से बदलाव आ रहा है। ग्राहक अब ऐसे उपकरण चाहते हैं, जो खाना पकाने को आसान बनाएं, कई तरह के व्यंजन तैयार करने में मदद करें और जो खाना उन्हें पसंद है, उसे कम तेल में बनाने का विकल्प दें।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन का कैंपेन शाहजहांपुर पर पहुंचा

शाहजहाँपुर। फ्रैंकलिन टेम्पलटन (इंडिया) का चेंज द सोच लखनऊ टू अयोध्या ड्राइव उत्तर प्रदेश में अपनी तरह का पहला राज्यव्यापी अभियान अब शाहजहाँपुर शहर पहुँचा है। इस पहल का उद्देश्य वित्तीय सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, खासतौर पर महिलाओं के बीच। उत्तर प्रदेश के 21 शहरों और कस्बों में यह यात्रा की जाएगी। वे स्थानीय समुदायों से सीधे जुड़कर वित्तीय साक्षरता और समावेशन को आगे बढ़ाएँगे। यह अभियान 30 दिनों तक चलेगा, जिसमें वे छोटे शहरों और गाँवों का दौरा करेंगे और महिलाओं के लिए निवेशक शिक्षा कार्यशालाएँ आयोजित करेंगे।

सेंसेक्स में 383 अंकों की गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 383 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी 119 अंक नीचे आया। कच्चे तेल के दाम में तेजी, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने की संभावना से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक यानी 0.50 प्रतिशत टूटकर 76,132.81 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 544.91 अंक की गिरावट के साथ 75,970.52 अंक पर आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 नुकसान में रहे जबकि सात में तेजी रही। इसी तरह, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक जैसे शेयरों में गिरावट से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 118.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,779.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इन्फोसिस में सबसे ज्यादा 3.81 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा टेक महिंद्रा (1.96 प्रतिशत), टाटा स्टील (1.85 प्रतिशत), बजाज फिनसर्व (1.57 प्रतिशत), अल्ट्राटेक सीमेंट (1.41 प्रतिशत) और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (1.28 प्रतिशत) प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल, मारुति और पावर ग्रिड शामिल हैं। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में हमलों के बीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड एक प्रतिशत से अधिक बढ़कर 97.41 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वैश्विक अनिश्चितता जारी रहने और अमेरिका में ब्याज दर में संभावित बढ़ोतरी की आशंका के बीच बाजार में सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव बना रहा। कच्चे तेल की ऊंची कीमत और वैश्विक अनिश्चितता जारी रहने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इससे भारतीय शेयर बाजार गिरावट के दौर से गुजर रहा है। पूरे कारोबारी सत्र के दौरान जोखिम से बचने के रुख के कारण बाजार दबाव में रहा। मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.84 प्रतिशत टूटा, जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.15 अंक के नुकसान में रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,111.94 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। सेंसेक्स शुक्रवार को 362.57 अंक चढ़कर 76,515.43 अंक पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी 24.25 अंक की बढ़त के साथ 23,897.70 अंक पर रहा था।

रुपया सात पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक दबाव के बीच रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे टूटकर 94.50 (अस्थायी) पर रहा।

हालांकि, मजबूत विदेशी मुद्रा प्रवासी डॉलर प्रवाह से रुपये को कुछ सहारा मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते शुरुआती कारोबार में रुपये में मामूली मजबूती आई, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों की धारणा पर असर डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.40 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.38 के ऊपरी स्तर तक गया और 94.50 के निचले स्तर तक आया। अंत में यह 94.50 (अस्थायी) पर रहा, जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट है। रुपया

शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे मजबूत होकर 94.43 पर बंद हुआ था। विदेशी पूंजी प्रवाह और डॉलर में नरमी के कारण भारतीय रुपया स्थिर से सकारात्मक रुख में रहा। हालांकि, घरेलू बाजारों में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने तेज बढ़त को सीमित किया। विदेशी पूंजी प्रवाह को लेकर आशावाद और डॉलर में कमजोरी के कारण रुपये के सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करने की संभावना है। ईरान ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ओमान के साथ समझौता अंतिम चरण में है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आ सकती है, जिससे रुपये को और समर्थन मिल सकता है। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना रहने से ऊंचे स्तर पर रुपये पर दबाव जारी रह सकता है। अब निवेशकों की नजर अमेरिका और भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.90 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.58 प्रतिशत बढ़कर 96.84 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 382.62 अंक की गिरावट के साथ 76,132.81 अंक पर, जबकि निफ्टी 118.55 अंक के नुकसान के साथ 23,779.15 अंक पर बंद हुआ।

एफपीआई को अब निवेशक समूह का ब्योरा देने की जरूरत नहीं

नयी दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने विदेशी निवेशकों के लिए निवेश प्रक्रिया को आसान बनाने के उद्देश्य से सोमवार को कदम उठाया। इसके तहत केवल सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को अब निवेशक समूह का ब्योरा देने की जरूरत नहीं होगी।

इस कदम का उद्देश्य केवल सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले एफपीआई के लिए नियामकीय अनुपालन को सुगम बनाना है। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक के पांच जून को सामान्य मार्ग के तहत सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले एफपीआई के लिए निर्धारित निवेश सीमा का अनुपालन करने की आवश्यकता वापस लिए जाने के बाद उठाया गया है। इसके परिणामस्वरूप, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि केवल सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले एफपीआई के लिए अपने निवेशक समूह की पहचान बताने की आवश्यकता अब प्रासंगिक नहीं रह गई है और इसलिए इसे हटा दिया गया है। केवल सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले एफपीआई को निवेशक समूह का ब्योरा देने की आवश्यकता नहीं होगी। यह नई रूपरेखा तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

एनबीएफसी का स्वर्ण आभूषण के बदले कर्ज जुलाई में 68.5 प्रतिशत बढ़ाः आरबीआई

मुंबई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की तरफ से स्वर्ण आभूषण के बदले दिए जाने वाले कर्ज (स्वर्ण ऋण) में जुलाई के दौरान 68.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आरबीआई के आवधिक आंकड़ों के मुताबिक, कीमती धातुओं के बदले कर्ज का वितरण पिछले कई महीनों से ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। स्वर्ण ऋण खंड में जून में 69.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जबकि जुलाई, 2025 में इसमें 43.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। पिछली कुछ तिमाहियों में सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से समूचे ऋण परिदृश्य में इस खंड को लेकर भरोसा बढ़ा है। ऊंची कीमत वाले सोने के बदले कर्ज देने में बेहतर रिटर्न मिलता है और इसके साथ भावनात्मक मूल्य भी जुड़ा होता है। हालांकि, परिसंपत्ति निर्माण से हटकर उपभोग संबंधी खर्चों के लिए कर्ज लेने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता भी जताई जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, टिकाऊउपभोक्ता वस्तुओं की खरीद के लिए दिए जाने वाले ऋण की वृद्धि जुलाई में बढ़कर 51.5 प्रतिशत हो गई, जो जून में 46.8 प्रतिशत और जुलाई, 2025 में 18.8 प्रतिशत थी। आरबीआई ने कहा कि आवास ऋण खंड में, जिसमें आवास वित्त कंपनियां भी शामिल हैं, जुलाई, 2026 में सालाना आधार पर 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जून में यह 11.4 प्रतिशत और जुलाई, 2025 में चार प्रतिशत रही थी। एनबीएफसी के वाहन ऋण खंड में पिछले महीने 15.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि जून में यह 15.2 प्रतिशत और जुलाई, 2025 में 15.3 प्रतिशत थी। एनबीएफसी और आवास वित्त कंपनियों को मिलाकर खुदरा ऋण में जुलाई, 2026 के दौरान 21.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

बिहार में 15 अक्टूबर से फिर शुरू होगा बालू खनन

पटना। बिहार के खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में 15 अक्टूबर के बाद बालू खनन फिर शुरू किया जाएगा। जिन बालू घाट की पांच वर्ष की अवधि पूरी हो चुकी है, उनकी नए सिरे से नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

पटना के विकास भवन सचिवालय स्थित विभागीय कक्ष में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि इसके लिए जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा प्रमुख बालू उत्पादक जिलों में इसकी तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में अबतक विभाग ने 984 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में प्राप्त 725 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 36 प्रतिशत अधिक है। सामान्यतः खनन राजस्व में सालाना 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि होती है, लेकिन महज पांच महीने में 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी विभाग की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इसका श्रेय विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रियता तथा राजस्व संग्रह की बेहतर व्यवस्था को दिया। राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी भी विभाग की प्राथमिकता है। अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर लगातार कार्वाई की जा रही है।

वाहनों की खुदरा बिक्री अगस्त में 17.51 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली। देश में वाहन खुदरा बिक्री अगस्त में 17.51 प्रतिशत बढ़कर 24,23,201 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को कहा कि यह वृद्धि मानसून की वजह से आई मौसमी सुस्ती और त्योहारों के देर से शुरू होने के बावजूद जीएसटी 2.0 से बनी तेजी के कारण हुई। बयान में कहा कि पिछले साल अगस्त में भारत में कुल वाहन खुदरा बिक्री 20,62,038 इकाई रही थी। भारत में पहली बार यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री में वैकल्पिक ईंधन (सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक) की हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत हो गई, जो पेट्रोल की 40.85 प्रतिशत हिस्सेदारी से अधिक है। अगस्त 2026 भारतीय वाहन खुदरा बाजार में अब तक की सबसे अधिक बिक्री वाला अगस्त रहा।

उद्योग ने 24,23,201 इकाइयों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, मानसून की सुस्ती और जुलाई में गणेश चतुर्थी और ओणम से जुड़ी खरीदारी का कुछ हिस्सा सितंबर में चले जाने से जुलाई के रिकॉर्ड स्तर की तुलना में खुदरा बिक्री 6.48 प्रतिशत कम रही। हालांकि, महीने का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम संरचनात्मक बदलाव से जुड़ा रहा। भारत में पहली बार यात्री वाहन बाजार में सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक समेत वैकल्पिक ईंधन की हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जो पेट्रोल की 40.85 प्रतिशत हिस्सेदारी से अधिक है। एक साल से कुछ अधिक समय पहले तक पेट्रोल की हिस्सेदारी बाकियों की तुलना में करीब 11 प्रतिशत की अधिक थी लेकिन अब यह बढ़त खत्म हो गई है। सालाना आधार पर वृद्धि का बड़ा हिस्सा अगस्त 2025 के कमजोर आधार के कारण है। उस समय खरीदार जीएसटी 2.0 के तहत दर में कटौती का इंतजार करते हुए खरीदारी टाल रहे थे। डीलरों का कहना है कि त्योहारों से जुड़ी शुरुआती खरीदारी उनकी अपनी उम्मीदों से कम रही। सितंबर 2025 में माल एवं सेवा कर की दरों में कटौती के बाद से वाहन उद्योग में लगातार मजबूत वृद्धि दर्ज की जा रही है। इस बीच, पिछले महीने यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 4,02,398 इकाई रही जबकि अगस्त 2025 में यह 3,46,468 इकाई थी। इस तरह इसमें 16.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री 19.69 प्रतिशत बढ़कर 17,14,610 इकाई हो गई जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 14,32,537 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री।,22,281 इकाई रही।

आरबीआई ने की वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के उपायों की समीक्षा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सोमवार को वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के उपायों पर चर्चा की और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चल रही विभिन्न पहल की प्रगति की समीक्षा की। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने संबंधित पक्षों के साथ बैठक की। बैठक में वित्तीय धोखाधड़ी के बदलते स्वरूप, निवेशक संरक्षण उपायों, उभरते साइबर खतरों और राज्य में वित्तीय सुरक्षा मजबूत करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी आधारित पहलो की समीक्षा की गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बुलाई गई राज्य स्तरीय समन्वय समिति (एसएलसीसी) की 16वीं बैठक में पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों पर की गई कार्वाई की समीक्षा की गई। इसके अलावा कथित वित्तीय धोखाधड़ी, अनधिकृत रूप से जमा राशि जुटाने, सचेत पोर्टल के माध्यम से मिली शिकायतों, बाजार से मिली खुफिया सूचनाओं और नागरिकों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के लिए हाल में शुरू की गई पहल से जुड़े मामलों पर चर्चा की गई। यह पोर्टल अनियमित वित्तीय गतिविधियों से संबंधित बाजार संबंधी सूचनाओं और शिकायतों के लिए एक प्रमुख मंच है। पोर्टल का नया संस्करण 25 जून, 2026 को आधुनिक उपयोगकर्ता प्रणाली और बेहतर कार्यप्रवाह के साथ शुरू किया गया था।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने स्टनिंग न्यू बलेनो पेश की

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुजुकी) ने स्टनिंग नई बलेनो पेश की है। इसे उन युवा और महत्वाकांक्षी शहरी लोगों को लुभाने के लिए बनाया गया है, जो अपनी जिंदगी सलीके और गरीमा के साथ जीते हैं। डेयर टू गो ग्लैम के फिलॉसफी के साथ बनी यह गाड़ी प्रीमियम और प्रोग्रेसिव डिजाइन भाषा लेकर आई है, जो इस प्रीमियम हैचबैक के दमदार आकर्षण को और बढ़ाती है। प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट को नए सिरे से परिभाषित करने वाली अग्रणी सुविधाओं से लैस, स्टनिंग न्यू बलेनो सुरक्षा और सुविधा का नया स्तर प्रदान करती है। इसमें लेवल 2 एडीएएस (रेडार और कैमरा के साथ) तथा वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें दी गई हैं, जिनमें आरामदायक लेदरेट अपहोल्स्ट्री है। स्टनिंग न्यू बलेनो की बुकिंग अब 11000रुपये में उपलब्ध है, और इसकी कीमतें 6,09,900/-रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती हैं। अब स्टनिंग न्यू बलेनो ग्राहकों की उम्मीदों को नए सिरे से गढ़ने आई है। इसमें सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स हैं।

पेज एक का शेष

डिवाइडर से

बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्रों में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि घायल यात्री कुंवर पाल के अनुसार हादसे के समय ज्यादातर यात्री वाहन में सो रहे थे तभी अचानक जोरदार आवाज के साथ गाड़ी पलट गयी। राय ने बताया कि वाहन चालक ने उन्हें बताया कि गाड़ी को पीछे से किसी दूसरी गाड़ी ने टक्कर मारी, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अजीत चौधरी ने बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत हो चुकी है। चौधरी ने बताया कि पुलिस मृतकों और घायलों के परिजनों से संपर्क कर उन्हें जरूरी मदद उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मृतकों और घायलों के बारे में जानकारी चाहने वाले परिजनों से बागपत पुलिस से फोन के जरिए संपर्क करने की अपील की है।

रक्षा मंत्रालय ने

अनुसार, भारतीय वायुसेना की लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों की युद्धक क्षमता बढ़ाने से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पज जैमर (जीबीएमपीजे) की खरीद और डिफेंस फोर्सेज सिक्योर एक्सेस कार्ड सिस्टम की स्थापना को भी मंजूरी दी गई।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जीबीएमपीजे दुश्मन के रडार के खिलाफ प्रभावी जैमिंग उपलब्ध कराएगा। मंत्रालय ने कहा कि प्रदान की गई कुल एओएन में से करीब 98 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी।

नयी पीढ़ी

के माध्यम से ऐसा गांव चाहते थे जो आत्मनिर्भर हो, स्वावलंबी हो, अपनी आवश्यकताओं के लिए सक्षम हो और अपने निर्णय स्वयं लेने में समर्थ हो। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए वेंकैया नायडू जी ने 2001 में अपने आठ साथियों के साथ स्वर्ण भारत ट्रस्ट की शुरूआत की थी। ट्रस्ट ने स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर दंत एवं नेत्र चिकित्सा, पशु चिकित्सा से लेकर किसान प्रशिक्षण, महिला प्रशिक्षण से लेकर व्यावसायिक शिक्षा और कंप्यूटर प्रशिक्षण से लेकर विद्यालयों एवं ब्रिज स्कूलों तक विभिन्न क्षेत्रों में अत्यंत सराहनीय कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेजिडेंशियल ब्रिज स्कूल के माध्यम से स्वर्ण भारत ट्रस्ट वंचित तबके के बच्चों को शिक्षा, भोजन, पुस्तकें, ड्रेस और आवास की सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें फिर से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रहा है। अक्षरा विद्यालय और स्वर्ण भारती विद्या मंदिर जैसे संस्थानों के माध्यम से ग्रामीण व बीपीएल परिवार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का भी अभिनव कार्य हो रहा है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में भी श्रमिकों के बच्चों के लिए 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं। कोरोना महामारी के दौरान माता-पिता को खोने वाले बच्चों को भी इन विद्यालयों में शिक्षा व आवास सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ये निःशुल्क आवासीय विद्यालय हैं, जहां आधी सीटें बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में कोई न कोई पारंपरिक हुनर मौजूद है। वाराणसी की साड़ी, भदोही का कालीन, मुरादाबाद का पीतल, फिरोजाबाद का कांच, कन्नौज का इत्र और लखनऊ की चिकनकारी इसकी मिसाल हैं। पीढ़ियों से इस हुनर को आगे बढ़ाने वाले कारीगरों के पास आधुनिक डिजाइन, पूंजी और बाजार की कमी थी। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने ह्यवन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्टह्ण योजना शुरू की। हर जिले के एक प्रमुख उत्पाद को चिन्हित कर उसके कारीगरों को डिजाइन प्रशिक्षण, आधुनिक टूल किट, आसान बैंक ऋण तथा मार्केटिंग और एक्सपोर्ट का मंच उपलब्ध कराया गया। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण और टूल किट दिए गए। इसका परिणाम है कि इनका हुनर निर्यात तक पहुंच रहा है और उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निर्यातक राज्यों में शामिल हो गया है। हमने कारीगर को नया हुनर नहीं सिखाया, बल्कि उसके पुराने हुनर को नया बाजार उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण भारत ट्रस्ट की ग्रामीण महिलाओं के लिए संचालित प्रशिक्षण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इसमें महिलाओं के लिए अलग आवास की व्यवस्था भी है। जब तक व्यवस्था सुरक्षित नहीं होती, तब तक परिवार अपनी बेटी को बाहर नहीं भेजता। उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं को बीसी सखी के रूप में तैयार किया गया। सीएम योगी ने कहा कि करीब 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कभी इंसेफेलाइटिस यानी दिमागी बुखार के कारण हर वर्ष मध्य जुलाई से मध्य नवंबर तक हजारों मौतें होती थीं। गोरखपुर से सांसद रहते हुए उन्होंने इस समस्या के खिलाफ लगातार आवाज उठाई और आंदोलन किया, लेकिन समाधान नहीं निकल पा रहा था। पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत हुई। वेंकैया नायडू उस कैबिनेट के महत्वपूर्ण सदस्य थे। हर घर शौचालय के लक्ष्य के साथ उत्तर प्रदेश में दस्तक अभियान चलाकर घर-घर जागरूकता पहुंचाई गई। इसके परिणामस्वरूप दशकों से हजारों लोगों की जान लेने वाली इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित करने और उसके उन्मूलन में सफलता मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तकनीक का युग है और तकनीक का सबसे बड़ा गुण यह है कि वह भेदभाव नहीं करती। प्रधानमंत्री ने तकनीक का प्रभावी उपयोग कर महिला और ग्रामीण सशक्तीकरण को नई गति दी है। बिना बिचौलियों के पक्के मकान के लिए सरकारी सहायता मिल रही है। समारोह में ट्रस्ट के संस्थापक एवं पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, आंध्र प्रदेश सरकार के नगर प्रशासन एवं शहरी विकास मंत्री पी. नारायणा, आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री वाई. सत्य कुमार यादव, बीजेपी आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष पी.बी.एन. माधव, राज्यसभा सांसद बीडा मस्तान राव, स्वर्ण भारत ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. कामिनेनी श्रीनिवास, आंध्र प्रदेश विधानसभा के विधायक सोमीरेड्डी चंद्रमोहन रेड्डी, स्वर्ण भारत ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी दीपा वेंकट, पुष्पा बरपु फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी एम. हर्षवर्धन आदि उपस्थित थे।

भारत और

से भी मुलाकात की। भारतीय उच्चायोग ने कहा, उन्होंने वन्यजीव संरक्षण और अधिवास की सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग तंत्र की प्रगति पर चर्चा की, साथ ही सीमा के दोनों ओर प्रदूषण, कचरा प्रबंधन और पारस्परिक हित के अन्य पर्यावरणीय मुद्दों पर सहयोग को और प्रगाढ़ करने के अवसरों पर भी चर्चा की। हाल के हफ्तों में, त्रिवेदी ने बांग्लादेश के शीर्ष राजनीतिक नेताओं, जिनमें प्रधानमंत्री तारिक रहमान भी शामिल हैं, के साथ कई बैठकें की हैं। इन बैठकों में उन्होंने संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने की जरूरत पर जोर दिया है।

इमारत हादसा

गई। इसमें छात्रों का पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास था।

इमारत के मलबे से अब तक 12 लोगों को निकाला जा चुका है, जिनमें से सात लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि निलंबित डीसी राकेश कुमार मूल रूप से बिहार सिविल सेवा के अधिकारी थे और उन्हें अक्टूबर 2025 में आईएएस में पदोन्नत किया गया और बिहार कैडर आवंटित किया गया। वह पहले सिविल लाइंस जोन डीसी और नरेला जोन के डीसी के रूप में काम कर चुके हैं। एमसीडी के एक अधिकारी ने कहा, उन्हें इस साल की शुरुआत में दक्षिण जोन का डीसी नियुक्त किया गया था। कुमार के कार्यकाल में, दक्षिण क्षेत्र में इमारत से संबंधित तीन बड़ी घटनाएं हुई हैं। इसमें सैदुलाजाब में इमारत ढहना, हौज रानी में आग लगने की घटना और अब सत्य निकेतन में इमारत ढहना शामिल है।

भारत-चीन

द्वारा आक्रामक सैन्य गतिविधियों की खबरें सामने आई हैं। पच्चीस अगस्त को विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता में भारत ने चीन को द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाए रखने के लिए सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व से अवगत कराया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की थी। इस वार्ता में सीमा के निर्धारण और सीमा-पार सहयोग पर काम जारी रखने पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

विकास के

पर प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े पांच महत्वपूर्ण आयोजनों के पोस्टर भी जारी किए। इनमें 7वां देहरादून इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल, साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रीमियर लीग, सीमांत बाल विज्ञान कांग्रेस, ज्ञानोत्कर्ष और 21वीं उत्तराखण्ड राज्य साइंस कॉन्फ्रेंस शामिल हैं। उन्होंने विज्ञान को आम लोगों तक पहुंचाने वाली पत्रिका विज्ञान संप्रेषण के पांचवें वार्षिकांक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का युवा पर्यावरण के प्रति पहले से अधिक सजग है। आने वाली पीढ़ियां केवल सड़कों, भवनों और विकास परियोजनाओं का हिसाब नहीं मांगेंगी, बल्कि यह भी पूछेंगी कि उन्हें स्वच्छ हवा, निर्मल नदियां, पर्याप्त पानी और सुरक्षित जंगल क्यों नहीं मिले। इसलिए आज से ही यह तय करना होगा कि अगली पीढ़ी को कैसा उत्तराखण्ड सौंपना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय संरक्षण तभी स्थायी रूप ले सकता है, जब इसे स्थानीय लोगों की आजीविका और समृद्धि से जोड़ा जाए। गांवों में रोजगार, स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण, प्राकृतिक खेती और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देकर पलायन की चुनौती को कम किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हिमालय का संरक्षण और पहाड़ की आर्थिक समृद्धि एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। जंगल, बुग्याल, जैव विविधता, नदियां, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय उत्पाद उत्तराखण्ड की प्राकृतिक संपदा हैं और भविष्य में यही राज्य की आर्थिक ताकत का आधार भी बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जनभागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से 9 सितंबर को मनाए जाने वाले हिमालय दिवस से पहले पूरे सप्ताह को हिमालय दिवस सप्ताह के रूप में मनाने की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि हिमालय संरक्षण को सरकारी कार्यक्रमों और संगोष्ठियों तक सीमित रखने के बजाय इसे जन-जन की भागीदारी वाला अभियान बनाना होगा।

स्वच्छ हवा

के साथ 13वें स्थान पर रहा। मेरठ 22वें और वाराणसी 34वें स्थान पर रहे। इस रैंकिंग से यह संकेत मिलता है कि स्वच्छ हवा को लेकर प्रदेश के बड़े शहरों में किए जा रहे प्रयासों का असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे रहा है। मध्यम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। फिरोजाबाद ने 195 अंक हासिल कर देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। शहर में कांच उद्योगों को स्वच्छ प्राकृतिक गैस ईंधन की ओर तेजी से स्थानांतरित करने को अहम उपलब्धि माना गया। झांसी 192.5 अंकों के साथ पांचवें, जबकि मुरादाबाद और नोएडा 187.5-187.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर रहे। गोरखपुर 22वें और बरेली 26वें स्थान पर रहा। तीन लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में भी यूपी के शहरों ने प्रभावी प्रदर्शन किया। रायबरेली 180.5 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा। अनपरा 29वें, खुर्जा 30वें और गजरौला 31वें स्थान पर रहे। इन शहरों में धूल नियंत्रण और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए किए गए प्रयासों को प्रमुखता मिली।

दलीप ट्रॉफी : पूर्व क्षेत्र ने बनाये 708 रन

कुमार कुशाग्र ने भी 132 गेंद में 101 रन बनाकर अपना छठा प्रथम श्रेणी शतक जड़ा

एजेंसी

चेन्नई। इशान किशन ने उमस भरे मौसम में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 270 रन की पारी खेली जिससे पूर्व क्षेत्र ने सोमवार को यहां दलीप ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। किशन ने इस पारी से भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने का दावा भी पेश किया। कुमार कुशाग्र ने भी 132 गेंद में 101 रन बनाकर अपना छठा प्रथम श्रेणी शतक जड़ा और किशन की करीब दो दिन तक चली 522 मिनट और 334 गेंद की मैराथन पारी में शानदार सहयोग दिया। दिन का खेल खत्म होने से कुछ मिनट पहले दक्षिण क्षेत्र ने पूर्व क्षेत्र का आखिरी विकेट हासिल किया। दिन का आकर्षण किशन की पारी रही जिसे तीन राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की मौजूदगी में खेला गया। किशन दलीप ट्रॉफी में तिहरा शतक लगाने वाले चुनिंदा बल्लेबाजों के क्लब में शामिल होने से चूक गए। रमन लांबा ने 1987 और गगन खोडा ने 2001 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

किशन ने पहले दिन 122 गेंद में शतक पूरा किया जबकि दूसरे शतक के लिए उन्होंने 148 गेंद खेलीं। यह धीमापन किसी बेहतरीन गेंदबाजी या मुश्किल पिच की वजह से नहीं था, बल्कि गेंदबाजों को थकाने और अपनी टीम के स्कोर को विपक्षी टीम की पहुंच से काफी दूर तक ले जाने की सोची-समझी रणनीति थी। किशन ने अपने करियर का दूसरा प्रथम श्रेणी दोहरा शतक 270 गेंद में पूरा किया जब उन्होंने कामचलाऊस्पिनर देवदत्त पडिक्कल की गेंद को कवर के रास्ते सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

उन्हें केवल एक बार असहजता महसूस हुई जब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सीवी मिलिंद की गेंद उनके पेट पर लगी और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी। हालांकि दोहरा शतक पूरा करने के बाद किशन ने आक्रामक रुख दिखाया। उन्होंने 200 से 250 रन तक पहुंचने के लिए सिर्फ 31 गेंद खेलीं। किशन ने स्पिनर श्रेयस गोपाल और त्रिपुराना विजय के खिलाफ दो-दो छक्के लगाए। किशन ने श्रेयस की 100 गेंदों पर 94 रन और विजय की 88 गेंदों पर 70 रन बटोरे जिससे स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के दबदबे का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी पुल और ड्राइव उनके रन बनाने वाले मुख्य शॉट रहे और इन शॉट से उन्होंने 22 चौके लगाए। लगातार दूसरे दिन दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाज, विशेषकर मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। सपाट पिच और उच्च स्तर की बल्लेबाजी के सामने उनकी गेंदबाजी बेअसर नजर आई। आखिरकार थकान ने किशन के शरीर को जकड़ लिया और उन्हें 301 गेंद में 250 रन बनाकर मैदान छोड़ना पड़ा। उनकी पारी में 27 चौके और सात छक्के शामिल रहे। किशन की शानदार पारी की बदौलत पूर्व क्षेत्र ने पहले सत्र में 106 और लंच के बाद के सत्र में 135 रन जोड़े। इस दौरान किशन ने पांचवें विकेट के लिए कुशाग्र के साथ केवल 290 गेंद में 230 रन और छठे विकेट के लिए अनुकूल रॉय (40 रन, 86 गेंद) के साथ 140 रन की साझेदारी कर पूर्व क्षेत्र की स्थिति और मजबूत की।

कुशाग्र ने भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया और विकेट के दोनों ओर शानदार शॉट लगाकर गेंदबाजों की धुनाई की। इक्कीस वर्षीय कुशाग्र ने 128 गेंद में आठ चौकों और पांच छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया लेकिन वह अपनी पारी को और अधिक लंबा नहीं बढ़ा सके। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने विजय की खराब शॉर्ट गेंद पर लापरवाही से पुल शॉट खेला और स्क्वायर लेग के पीछे खड़े मिलिंद को कैच दे बैठे। अंतिम सत्र के शुरुआती मिनटों में मोहम्मद शमी के आउट होने के तुरंत बाद किशन ने फिर दक्षिण क्षेत्र को परेशानी में डाल दिया और अपने पहले तिहरे शतक के करीब पहुंच गए। हालांकि वह बड़ा मुकाम हासिल नहीं कर सके। किशन ने विजय (180 रन पर चार विकेट) की गेंद पर जोरदार शॉट खेला लेकिन गेंद सीधे साइट स्क्रीन के पास खड़े रविचंद्रन स्मरण के हाथों में चली गई। हालांकि तब तक किशन अपना काम कर चुके थे।

टेस्ट में सीमित मौका मिलते हैं इसलिए चीजों को हल्के में नहीं ले सकते : पडिक्कल

चेन्नई। भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और मौके भी सीमित मिलते हैं इसलिए कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने श्रीलंका के हालिया दौरे पर लगातार दो शतक लगाने के बावजूद किसी चीज को हल्के में नहीं ले रहे हैं। नंबर तीन पर नियमित बल्लेबाज साई सुदर्शन के पैर में चोट के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट खेलने का मौका मिला और उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाकर इसका पूरा फायदा उठाया। पडिक्कल ने जियोस्टार से कहा, इन दिनों आपको सीमित मौके मिलते हैं और टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मैं सिर्फ रन बनाते रहना और भारतीय टेस्ट टीम की जीत में योगदान देना चाहता हूं। जब तक मैं ऐसा करता रहूंगा मुझे यकीन है कि टीम में मेरी जगह बनी रहेगी। न्होंने कहा, जब तक मैं रन बना रहा हूं तो मुझे लगता है कि इससे टीम को हमेशा फायदा होगा। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट आसान प्रारूप नहीं है इसलिए आपको दिन-प्रतिदिन अच्छा प्रदर्शन करते रहना होता है। अगर सुदर्शन चोटिल नहीं होते तो पडिक्कल के लिए टीम के दरवाजे नहीं खुलते। वह पिछली बार नवंबर 2024 में पर्थ में भारत के लिए टेस्ट मैच खेले थे।

विराट, रोहित को अतीत में रास आयी है न्यूजीलैंड की पिचें, उम्मीद है इस बार हालात अलग होंगे : सैंटनर

मुंबई। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को आगामी एकदिवसीय शृंखला के लिए बड़ी चुनौती करार देते हुए कहा कि अतीत में इन दोनों दिग्गजों को न्यूजीलैंड की पिचें रास आयी है लेकिन उम्मीद है कि इस बार हालात अलग होंगे। कोहली और रोहित अंतराष्ट्रीय स्तर पर अब सिर्फ 50 ओवर के प्रारूप में खेलते हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस साल अक्टूबर-नवंबर में पांच वनडे, पांच टी20 अंतराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैच खेले जाने हैं। सैंटनर के साथ साक्षात्कार में कहा, यह एक चुनौती होगी। हमने लंबे समय से देखा है कि वे दोनों अब भी बेहद अच्छे खिलाड़ी हैं और वनडे क्रिकेट के माहिर हैं। अतीत में न्यूजीलैंड की कुछ पिचें उन्हें काफी रास आई हैं। उम्मीद है कि इस बार ऐसा नहीं होगा। सैंटनर ने भारत-न्यूजीलैंड शृंखला को विश्व कप की तैयारी का अहम हिस्सा करार दिया।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में एडिनबर्ग कैसल रॉकर्स की कप्तानी कर रहे सैंटनर ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं कि यह शानदार शृंखला होगी। यह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों का हिस्सा है। सीमित मैचों के बीच हर टीम विश्व कप के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन बनाने की कोशिश कर रही है। सैंटनर ने कहा कि न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ पांच वनडे खेलने हैं। इसके बाद घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच होंगे और फिर सितंबर 2027 में इंग्लैंड में विश्व कप की तैयारियां की जाएंगी। उन्होंने कहा, सबसे पहले हमारा लक्ष्य घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ शृंखला जीतना है। यह हमारे लिए शानदार उपलब्धि होगी। इसके बाद अगले साल अक्टूबर तक विश्व कप के लिए टीम का सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान रहेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पिछली टेस्ट शृंखला में न्यूजीलैंड ने ऐतिहासिक रूप से 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। इस जीत के साथ उसने भारत का घरेलू मैदान पर 12 साल से अधिक समय और 18 शृंखलाओं से चला आ रहा अजेय अभियान खत्म कर दिया था। भारतीय टेस्ट टीम में बदलाव के दौर को देखते हुए सैंटनर ने कहा कि नवंबर में न्यूजीलैंड में होने वाले दो टेस्ट मैच भारतीय टीम के कुछ नए खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। भारत दौरे पर पुणे में दूसरे टेस्ट में 13 विकेट लेकर न्यूजीलैंड को शृंखला जिताने वाले सैंटनर ने पिछला दौरा याद करते हुए, कहा कि नए खिलाड़ियों के लिए यहां की परिस्थितियों में जल्द ढलना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि हमने पहले भी बात की है, सबसे जरूरी है कि परिस्थितियों के अनुसार जल्दी ढलने की कोशिश की जाए। नए खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम के लिए न्यूजीलैंड में लाल गेंद से क्रिकेट खेलने का यह पहला अनुभव हो सकता है। यहां की पिचें उनके लिए नई होंगी और संभव है।

संक्षेप

सबालेंका व अल्काराज अमेरिकी ओपन क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क। गत चैम्पियन एरिना सबालेंका और कार्लोस अल्काराज अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष रैंक वाली सबालेंका ने रविवार को टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से हराया। वहीं अल्काराज ने टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से मात दी। अब सबालेंका का सामना विम्बलडन विजेता लिंडा नोस्कोवा से होगा जिन्होंने मार्ता कोस्टियुक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया। वहीं दाहिनी कलाई में चोट के कारण चार महीने में पहला टूर्नामेंट खेल रहे अल्काराज का सामना अब अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा जिन्होंने स्टेफानोस सिटसिपास को शिकस्त दी।

रिभाव, हृतिक व तविशा जूनियर डेविस कप के लिए भारतीय टीम में शामिल

नयी दिल्ली। भारत के शीर्ष अंडर-16 खिलाड़ी रिभाव सरोहा मिस्र की राजधानी काहिरा में दो से आठ नवंबर तक होने वाले जूनियर डेविस कप फाइनल्स में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने सोमवार को टीम की घोषणा की जिसमें रिभाव के अलावा हृतिक कटकम और तविश पाहवा को भी शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चेकिया, मिस्र, स्पेन, फ्रांस, हंगरी, इटली, जापान, कजाखस्तान, मोरक्को, सर्बिया, अमेरिका और वेनेजुएला जैसी दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबला करेगी। केएसएलटीए से जुड़े राणा बनर्जी टीम के कोच होंगे। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही। अब वह टीम के साथ काहिरा की यात्रा करेंगे।

हाफ मैराथन : पूर्व वैज्ञानिक की दिल का दौरा पड़ने से मौत

पुणे। महाराष्ट्र के सातारा जिले में हाफ मैराथन के दौरान पुणे के 65 वर्ष के एक पूर्व वैज्ञानिक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पश्चिमी घाट में खड़ी चढ़ाई और तीखी ढलान की वजह से देश की सबसे मुश्किल दौड़ में से एक मानी जाने वाली सातारा हिल हाफ मैराथन रविवार को आयोजित की गई जिसमें 7,700 धावकों ने 21.1 किलोमीटर की दौड़ पूरी की। आयोजकों ने बताया कि पहली बार इसमें भाग ले रहे संजय कदम को सुबह साढ़े नौ से दस बजे के बीच नीचे की ओर आते समय बेचैनी महसूस हुई।

विश्व पैरा तीरंदाजी : शीतल फाइनल में, सरिता कांस्य पदक के प्लेआफ में

एजेंसी

अहमदाबाद। मौजूदा विश्व चैम्पियन शीतल देवी ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरिज (तीसरा चरण) के तीसरे दिन सोमवार को महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। जम्मू की भुजाहीन तीरंदाज शीतल ने सरिता को 145-143 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब उनका सामना कजाखस्तान की ऐजादा सेडान से होगा। सरिता कांस्य पदक के मुकाबले में चीन की वांग हुइतिंग से खेलेंगी। कंपाउंड पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैम्पियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी तोमान कुमार को शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के केन स्वागुमिलांग ने 146-144 से हराया। अब वह कांस्य पदक के लिये इराक के अब्बास खादिम से खेलेंगे। केन ने भारत के गुरविंदर सिंह को क्वार्टर फाइनल में 143-141 से मात दी। पुरुषों के डब्ल्यू। वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब पांचवीं वरीयता प्राप्त आदिल मोहम्मद नजीर अंसारी और नौवीं वरीयता प्राप्त नुरुद्दीन अपने अपने मुकाबले हार गए। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त स्वाति चौधरी कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। वह चीन की छठी वरीयता प्राप्त लियू जिंग से 1-7 से हार गई थी।

इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीमों के विशेषज्ञ मेंटोर बने पीटरसन

लंदन। पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिये इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीमों का विशेषज्ञ मेंटोर बनाया गया है। पीटरसन इस महीने के आखिर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे शृंखला में मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग स्टाफ में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और साराटेलर भी हैं। वह इस साल आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के दौरों पर भी टीम के साथ होंगे। इसके बाद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू शृंखलाओं और विश्व कप में टीम के साथ रहेंगे।

भारत-जापान मैच अहम कदम : बीसीसीआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि भारत और जापान के बीच इस महीने होने वाला एकमात्र टी20 अंतराष्ट्रीय मैच नये दर्शकों को जोड़कर क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की दिशा में अहम कदम बताया। जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों से पहले भारत और जापान पहली बार 22 सितंबर को जापान में ऐतिहासिक टी20 मैच खेलेंगे। मैच तोचिगी प्रांत के सानो अंतराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर खेला जायेगा। सुजुकी कप के तहत होने वाला यह मैच भारत और जापान के राजनयिक रिश्तों की 75वीं सालगिरह पर आयोजित किया गया है। सैकिया ने कहा कि क्रिकेट को नये क्षेत्रों में ले जाने के आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के प्रयासों के तहत इस मैच का आयोजन किया गया है। सैकिया ने एक्स पर लिखा, क्रिकेट का वैश्विक सफर उन पलों से आकार ले रहा है जो इस खेल को इसकी पारंपरिक सीमाओं से आगे ले जाते हैं। 22 सितंबर 2026 को होने वाला भारत-जापान टी20 मैच भी ऐसा ही एक पल है, जो अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को जापान तक ले जा रहा है, नए दर्शकों से जोड़ रहा है और अपार संभावनाओं वाले इस क्षेत्र में खेल की मौजूदगी को मजबूत कर रहा है। उन्होंने आगे लिखा, यह श्री जय शाह के उस विजन और जमीनी काम को पहचानने का भी मौका है जो उन्होंने बीसीसीआई सचिव और अब आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट के भविष्य में इसके वैश्विक विकास को सबसे अहम जगह देने के लिए किया है।

क्रिकेट को वैश्विक बनाना लक्ष्य

भारत टी20 विश्व कप चैम्पियन और नंबर एक टीम है जबकि जापान आईसीसी टी20 रैंकिंग में 41वें स्थान पर है। भारत की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे जबकि उपकप्तान तिलक वर्मा, स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन भी टीम में हैं।

ला मार्टिनियर कॉलेज के राजवीर सिंह कक्कड़ ने जीता कांस्य पदक

खेल संवाददाता

लखनऊ। ला मार्टिनियर कॉलेज के छात्र राजवीर सिंह कक्कड़ ने ऑल इंडिया कुमार सुरेंद्र सिंह स्कूल नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर लखनऊ का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 31 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक मध्य प्रदेश की एमपी स्टेट शूटिंग अकेडमी में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों के करीब 2,000 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश से लगभग 300 खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल हुए। राजवीर सिंह कक्कड़ लखनऊ के एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने इस प्रतियोगिता में पदक जीता। राजवीर इससे पहले भी स्टेट, इंटर-स्टेट और शहर स्तर की कई शूटिंग प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। अब वह दिसंबर में होने वाली सीनियर नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। इसी प्रतियोगिता के लिए विनायक वर्मा भी ने भी क्वालीफाई किया है।

ज्ञानेश्वरी की नजरें एशियाई खेलों में नये व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ग्लास्गो के अनुभव को इस महीने होने वाले एशियाई खेलों में भुनाने के लिए तैयार हैं। छत्तीसगढ़ की 23 वर्षीय ज्ञानेश्वरी की नजर 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने पर है। जुलाई में राष्ट्रमंडल खेलों में ज्ञानेश्वरी ने 53 किग्रा भार वर्ग में स्नैच और क्लीन एवं जर्क दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 199 किग्रा भार (88 किग्रा स्नैच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ रजत पदक जीता था। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की ओर से आयोजित बातचीत में ज्ञानेश्वरी ने कहा, तैयारी अच्छी चल रही है। मैं वहां अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं। राष्ट्रमंडल खेलों में मैंने 199 किग्रा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था और अब इसे बेहतर करने की कोशिश करूंगी। ज्ञानेश्वरी ने कहा, हमें राष्ट्रमंडल खेलों के बाद ज्यादा समय नहीं मिला। हमें सिर्फ एक महीने का समय मिला। मैं स्नैच में सुधार करने की कोशिश करूंगी। अगर मैं स्नैच और क्लीन एवं जर्क दोनों में एक-एक किलोग्राम का सुधार कर पाती हूं तो यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि होगी। किसी भी खिलाड़ी के लिए अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत बड़ी बात होती है। पटियाला स्थित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में प्रशिक्षण ले रहीं ज्ञानेश्वरी को उम्मीद है कि राष्ट्रमंडल खेलों में प्रतिस्पर्धा का अनुभव जापान में होने वाले एशियाई खेलों में उनके काम आएगा।

दिल्ली राज्य बिलियर्ड्स एवं स्नूकर का आयोजन नये प्रारूप में होगा

नयी दिल्ली। दिल्ली बिलियर्ड्स एवं स्नूकर संघ (डीबीएसए) ने इस सत्र से दिल्ली राज्य 15-रेड स्नूकर चैंपियनशिप के लिए नया प्रारूप लागू करने का फैसला किया है। यह चैंपियनशिप हाल ही में दिवंगत हुए एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय ओलंपिक संघ के पूर्व महासचिव राजा रणधीर सिंह की स्मृति में आयोजित की जाएगी। राज्य को चार क्षेत्र में बांटा गया है। प्रत्येक क्षेत्र से शीर्ष चार खिलाड़ी 16 खिलाड़ियों के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाएंगे, जहां से दिल्ली राज्य चैंपियन का फैसला होगा। चैंपियनशिप की कुल पुरस्कार राशि तीन लाख रुपये रखी गई है। दक्षिण क्षेत्र की प्रतियोगिता 15 से 18 सितंबर तक होगी। इसके बाद पश्चिम क्षेत्र में 18 से 20 सितंबर, पूर्व क्षेत्र में छह से 11 अक्टूबर और उत्तर क्षेत्र में 14 से 18 अक्टूबर तक मुकाबले खेले जाएंगे।

और हाईटेक होगा यूपी हैंडबॉल एसोसिएशन

खेल संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 की भावना के अनुरूप खेल प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सुशासन और खिलाड़ियों की भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन ने अपने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत किया है। एसोसिएशन ने हुई एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा (एजीएम) में इन संगठनात्मक बदलावों को लेकर निर्णय लिया गया। एजीएम में एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. सुधीर एम. बोबडे (सेवानिवृत्त आईएएस) और अध्यक्ष अलका दास वर्चुअली जुड़े थे।

चार बोर्ड और महिला-पुरुष एथलीट कमीशन गठित, अमित पाण्डेय को फिर मिली कार्यकारी महासचिव की जिम्मेदारी

कोचिंग, तकनीकी, चयन और रेफरी व्यवस्था के साथ खिलाड़ियों के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के लिए महिला एवं पुरुष एथलीट कमीशन का गठन किया है। हाल ही में लखनऊ में

इसी नई व्यवस्था के तहत अमित पाण्डेय को एक बार फिर कार्यकारी महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने एजीएम में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 के लागू होने के बाद खेल संगठनों के लिए अपनी प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और व्यवस्थित बनाना महत्वपूर्ण हो गया है।

पाकिस्तान की कप्तान फातिमा पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

दुबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को महिला एशिया कप के दौरान आउट करने के बाद अपमानजनक इशारा करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शेफाली को आउट करने के बाद फातिमा ने पवेलियन की ओर इशारा किया। फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

न ज्यादा सोचो, न खुद से उम्मीद रखो : किशन

एजेंसी

चेन्नई। पूर्व क्षेत्र के कप्तान इशान किशन ने 270 रन की शानदार पारी खेलने के बाद सोमवार को कहा कि करियर के मुश्किल दौर ने उन्हें ज्यादा सोचने और खुद से अनावश्यक उम्मीदें रखने से दूर रहना सिखाया है और अब उनका पूरा ध्यान सिर्फ रन बनाने और टीम को जीत दिलाने पर है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ खेली गई 270 रन की मैराथन पारी को किशन ने अपने अंदर आए इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण बताया। उन्होंने दिन का खेल खत्म होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने खुद को बदलने की कोई खास कोशिश नहीं की।

यह बदलाव अपने आप हुआ। जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तब मुझे एहसास हुआ कि आखिरकार हमारे पास करने के लिए सिर्फ एक ही काम है और वह रन बनाना है। यही एक चीज है जो आपके करियर में आपकी मदद करती है। किशन ने कहा, किसी अन्य चीज के बारे में सोचना आपकी मानसिकता को प्रभावित करता है और बेवजह का दबाव बढ़ाता है। मुझे समझ आ गया कि इन अतिरिक्त विचारों की कोई जरूरत नहीं है। हमारा काम मैदान पर उतरना और टीम के लिए मैच जीतना है। उन्होंने कहा, आपको बस इसी चीज की परवाह करनी चाहिए।

समय के साथ आप खुद को बेहतर तरीके से समझने और विकसित करने लगते हैं। मुझे लगता है कि जब आपका दिमाग स्पष्ट हो तो इस तरह खेलना काफी आसान हो जाता है। किशन 2023 में भारतीय टीम के तीनों प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल थे। लेकिन कई अप्रत्याशित घटनाक्रमों के बाद उनका करियर मुश्किल दौर में पहुंच गया और उन्हें बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर होना पड़ा। किशन ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में जमकर मेहनत की। उन्होंने 2025-26 रणजी ट्रॉफी में शतक लगाए, और झारखंड को उस सत्र की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने में अहम योगदान दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में 517 रन बनाए, जिसमें दो शतक शामिल थे।

किशन को जल्द ही बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध वापस मिल गया और सफेद गेंद के प्रारूपों में भारतीय टीम में भी जगह मिल गई। अब वह अपने करियर के उस मुश्किल दौर को पीछे छोड़ चुके हैं। किशन ने कहा, आजकल मैं जो सबसे अच्छी चीज कर रहा हूं, वह है किसी भी चीज के बारे में ज्यादा न सोचना। एक बल्लेबाज के तौर पर मेरा काम बस मैदान पर जा कर गेंद के मुताबिक प्रतिक्रिया देना है। मैं खुद से किसी तरह की उम्मीद नहीं रखता। सीमित ओवरों के मुकाबले खेल कर दलीप ट्रॉफी के लिए पहुंचे किशन से जब पूछा गया कि दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों के खिलाफ फाइनल में उतरते समय उनकी रणनीति क्या थी।

भारत ने कायम रखी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक साल में 22 देशों की यात्रा की : अमित शाह

एजेंसी

पणजी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारत ने वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद अन्य देशों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर और रणनीतिक साझेदारियां कायम कर अपनी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है।

शाह ने गोवा पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान करने के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि दूसरे देशों के साथ बढ़े आर्थिक जुड़ाव का भी वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने में अहम योगदान रहा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका, ईरान एवं खाड़ी देशों के बीच संघर्ष के कारण वैश्विक कूटनीतिक परिदृश्य में अस्थिरता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 देशों की यात्रा की, जबकि करीब 15 देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भारत का दौरा किया। शाह ने कहा कि जब भी कोई मुद्दा आता है तो पूरी दुनिया इस पर नजर रखती है कि भारत के प्रधानमंत्री की इस पर क्या राय और नजरिया है। लंबे समय बाद हमारे नेता नरेन्द्र मोदी ने दुनिया में भारत के लिए यह सम्मान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के लगातार प्रयासों और वैश्विक पहुंच के कारण भारत की कूटनीति ने दुनिया में अपनी जगह मजबूत की है। उन्होंने कहा कि 2026 तक भारत ने नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं और 38 देशों के साथ ऐसे समझौते प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि भारत व्यापार बढ़ाने के उद्देश्य से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर आगे बढ़ रहा है। शाह ने कहा कि भारत ने रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, निवेश और व्यापार जैसे क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ ठोस समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने का एक कारण व्यापक आर्थिक जुड़ाव भी है। उन्होंने कहा कि मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है, जो अब 140 करोड़ भारतीयों के संकल्प में बदल गया है। शाह ने कहा कि भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां दुनिया के साथ साझा की हैं तथा कई देशों को आपदा राहत और क्षमता निर्माण में सहायता दी है। उन्होंने डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस खतरे से निपटने के लिए राज्यों के साथ सीधे संवाद की शुरुआत की है और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 आने वाले समय में एक बड़ा सुरक्षा कवच बनेगी। गृह मंत्री ने कहा कि विकसित राष्ट्र के लिए पहली शर्त आंतरिक और सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि गोवा पुलिस ने आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के साथ पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत करने में भी अच्छा काम किया है।

सीतारमण ने आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक से की वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर चर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के उप प्रबंध निदेशक निगेल क्लार्क से मुलाकात की। दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ भारतीय और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के परिदृश्य पर चर्चा की। बैठक के दौरान सीतारमण और क्लार्क ने भारत-आईएमएफ संबंधों पर चर्चा की और दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता केंद्र (एसएआरटीटीएसी) को समर्थन देने में भारत की भूमिका की सराहना की।

दोनों पक्षों ने वृहद आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, बेहतर आर्थिक नीतियों को समर्थन देने तथा क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक मजबूती बढ़ाने में भारत-आईएमएफ के निरंतर सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत की उभरती आर्थिक वृद्धि की दिशा और वैश्विक आर्थिक परिवेश में जारी बदलावों के प्रभाव पर भी चर्चा की। इसमें भारत की व्यापार नीति और वैश्विक व्यापार प्रणाली में हो रही गतिविधियां शामिल थीं। बैठक में हाल में संपन्न द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और उनके भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी विचार-विमर्श किया गया। क्लार्क ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के आर्थिक प्रदर्शन, मजबूती और लगातार वृद्धि के रिकॉर्ड की सराहना की। उन्होंने राजकोषीय मजबूती की दिशा में सरकार के प्रयासों तथा पश्चिम एशिया संकट के बाद अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए उठाए गए कदमों की भी सराहना की।

संक्षेप

नौकरी गंवाने वाले एक हजार शिक्षकों ने दिया धरना

कोलकाता। अदालत के फैसलों के बाद नौकरी गंवाने वाले।,000 से अधिक शिक्षकों ने सोमवार को पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन के बाहर धरना शुरू किया और राज्य सरकार से उनकी भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की। प्रदर्शनकारी उन 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों में शामिल हैं, जिनकी नौकरियां 2016 की स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) परीक्षा में अनियमितताओं के संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय के 2024 के फैसले के बाद रद्द कर दी गई थीं। इन्हीं परीक्षाओं के माध्यम से इनकी भर्ती हुई थी। उच्चतम न्यायालय ने 2025 में उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा था। बारिश के बीच डिजर्विंग टीचर्स फोरम के सदस्यों ने तख्तियां लेकर कोलकाता से सटे साल्ट लेक के करुणामयी क्रॉसिंग से जुलूस निकाला, जो विकास भवन के बाहर धरने में तब्दील हो गया। उच्चतम न्यायालय ने उन 2016 एसएससी अभ्यर्थियों की भर्ती परीक्षा आयोजित करने के लिए राज्य सरकार को 30 मई, 2027 तक की समयसीमा दी है, जिनकी नौकरियां रद्द कर दी गई थीं। इस मामले में मुलाकात करना चाहते हैं और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हस्तक्षेप की मांग करते हैं।

पीएम मोदी आज गुजरात व महाराष्ट्र का दौरा करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को गुजरात और महाराष्ट्र का दौरा कर विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उद्घाटन करेंगे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी सबसे पहले वडोदरा जाएंगे, जहां वह विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह इस अवसर पर एक सभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, उनमें 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) के 326 किलोमीटर लंबे तीन महत्वपूर्ण खंड शामिल हैं। माल ढुलाई की लागत कम होगी और मुंबई के रेल नेटवर्क पर दबाव घटाने में मदद मिलेगी।इन खंडों के चालू होने के बाद समर्पित माल ढुलाई गलियारे (डीएफसी) का पूरा नेटवर्क परिचालन में आ जाएगा।

परीक्षण उपकरणों का 100 प्रतिशत खर्च उठायेगी सरकार : गोयल

एजेंसी

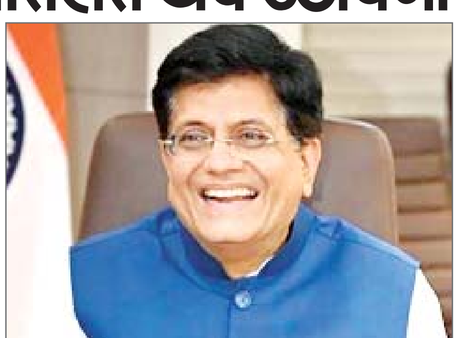

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को वैश्विक ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार परीक्षण उपकरणों की खरीद के लिए 100 प्रतिशत धन उपलब्ध कराने को तैयार है।

यहां दवा उद्योग से जुड़े दो कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि घरेलू कंपनियों को प्रौद्योगिकी साझेदारी करनी चाहिए, संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देना चाहिए तथा वैश्विक नवोन्मेषकों और बड़ी दवा कंपनियों को भारत आने के लिए आमंत्रित करना चाहिए। गोयल ने कहा कि हमें उच्च गुणवत्ता के साथ अपनी घरेलू क्षमताओं को मजबूत कर महत्वपूर्ण कलपुर्जों का परिवेश तैयार करना चाहिए। हमें साझा परीक्षण बुनियादी ढांचा सुविधाएं बनानी चाहिए, जहां इन उपकरणों का परीक्षण और मूल्यांकन किया जा सके, उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मानकों के अनुरूप परखा जा सके और वैश्विक ग्राहकों के लिए प्रमाणित तथा प्रदर्शित किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के माध्यम से हम आपके उपकरणों के लिए सर्वश्रेष्ठ परीक्षण उपकरणों की लागत का 100 प्रतिशत वहन करने को तैयार हैं...भारत सरकार परीक्षण उपकरणों की खरीद के लिए 100 प्रतिशत धन देगी। आप हमसे मांग करें, आपकी ओर से कोई प्रस्ताव नहीं आया है। हम सबसे आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करेंगे। गोयल ने डिजाइन, कॉपीराइट, आईपीआर व्यवस्था में सुधार की भी जरूरत बताई, ताकि दुनिया भर के लोग भारत की ओर आकर्षित हों और देश नवोन्मेष का वैश्विक केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि भारत को लागत के मामले में बड़ा लाभ हासिल है। उन्होंने कहा कि हमें प्रौद्योगिकी साझेदारी करनी चाहिए, खरीदारों और विक्रेताओं के बीच बेहतर संबंध बनाने चाहिए और संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देना चाहिए। जहां जरूरत हो, वहां मिलकर डिजाइन और विकास करना चाहिए तथा अन्य देशों के साथ संयुक्त अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। मंत्री ने बीमा कंपनियों और स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी कंपनियों से ऐसे उत्पाद और मंच विकसित करने को कहा, जिससे मरीजों के लिए इलाज की प्रक्रिया अधिक सुगम हो और उन्हें समय पर भुगतान मिल सके। उन्होंने उद्योग से देखभाल करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित और प्रमाणित करने तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं देने में सक्षम कुशल कार्यबल तैयार करने का भी आह्वान किया।

दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार, फिर भी कोई जवाबदेही नहीं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद नीयत की लाचारी है तथा कोई जवाबदेही भी नहीं हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कि यह भी कहा कि जवाबदेही की मांग करने वालों को प्रधानमंत्री द्वारा दिमागी नक्सल और नाराज़ फूफा जैसे अपमानजनक तमगों से नवाजकर चुप कराने का प्रयास किया जाता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हर बार भाजपा सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न है, हादसों से पहले रोकथाम नहीं, उनके बाद बयानबाज़ी होती है, कुछ छोटे अफसरों पर ज़िम्मेदारी मढ़ दी जाती है, और असली गुनहगार जवाबदेही मुक्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि सत्य निकेतन में छात्रों की रिहायश वाली इमारत का गिरना कोई अकेली त्रासदी नहीं है। पिछले 4 महीनों में सैदुलाजाब में ऐसी त्रासदी में 6 लोगों की मौत हुई, हौज़ रानी में आग ने 22 जानें ले लीं। हर बार जिंदगियां, सपने और अरमान मलबे में दबते हैं और हर बार कार्रवाई गायब रहती है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जवाबदेही की मांग करने वालों को अपमानजनक तमगों के जरिए शर्मिंदा और बदनाम कर चुप कराने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि जवाबदेही मांगने पर प्रधानमंत्री खुद आपको दिमागी नक्सल, नाराज़ फूफा जैसे अपमानजनक तमगे दे देते हैं - मकसद, सवाल पूछने वालों को शर्मिंदा करो, बदनाम करो और चुप करा दो।

विजय ने भ्रष्टाचार पर द्रमुक को घेरा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ सी. विजय ने सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर तीखा हमला बोलते हुए उसके शासनकाल में गंभीर और संगठित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इसके विरोध में मुख्य विपक्षी दल के सदस्य हंगामा करते हुए विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए और बाद में बहिर्गमन किया।

विजय ने कुछ दिन पहले मुख्य विपक्षी दल से किसी बहानैं भागनै के बजाय सदन में बने रहने का आग्रह किया था। उन्होंनै पार्टी के लिए चंदै की कथित वसूली को लेकर द्रमुक के शीर्ष नेतृत्व पर सोमवार को निशाना साधा।द्रमुक ने मुख्यमंत्री पर कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर बोलने के बजाय ध्यान भटकाने वाली रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। विजय ने गृह विभाग की अनुदान मांगों पर विधानसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए द्रमुक पर निशाना साधा। वह गृह मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे हैं। इस दौरान मंत्रिमंडल के सहयोगियों और सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायकों ने मेज थपथपाकर उनका समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने 1970 के दशक के एक मामले समेत द्रमुक शासन के दौरान पार्टी के लिए चंदे की कथित वसूली और वैज्ञानिक भ्रष्टाचार के उदाहरण गिनाए। सदन से बहिर्गमन के बाद नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने संवाददाताओं से बातचीत में विजय पर ध्यान भटकाने का आरोप लगाया और दावा किया कि मुख्यमंत्री ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर पूछे गए सीधे सवालों का जवाब नहीं दिया।द्रमुक नेता ने विजय पर राज्य में खनन ठेकों पर एकाधिकार स्थापित करने के लिए अपने सहयोगियों द्वारा चलाए जा रहे एक गिरोह को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उदयनिधि ने मुख्यमंत्री के विधानसभा में दिए भाषण को रटी-रटाई फिल्मी पटकथा करार दिया। इससे पहले, विजय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दस्तावेजों का हवाला देते हुए पूर्ववर्ती द्रमुक शासन के दौरान नगर प्रशासन विभाग और राज्य संचालित शराब कंपनी टीएएसएमएसी में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों का उल्लेख किया। नगर प्रशासन विभाग के ठेकेदारों से पार्टी के लिए चंदे के रूप में रिश्वत ली गई थी।

इंटरटेनमेंट...

क्या बिग बॉस की कास्टिंग है टीआरपी का असली फॉर्मूला

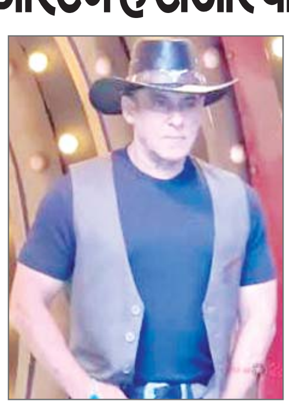

मुंबई। बिग बॉस 20, 6 सितंबर से शुरू हो गया है। हर साल की तरह इस बार भी शो में कई ऐसे कंटेस्टेंट्स आए हैं, जिसकी जिंदगी किसी न किसी तरह विवादों में रही है। सवाल फिर उठता है कि बिग बॉस के घर में कंटेस्टेंट्स चुने जाते हैं या विवाद? पिछले कई सीजन्स को देखें तो एक पैटर्न साफ नजर आता है। मेकर्स ऐसे चेहरों का लाते हैं, जिनमें कुछ बेहद लोकप्रिय हों, कुछ सोशल मीडिया पर पहले से चर्चा में हों और कुछ ऐसे हों जिनकी पर्सनैलिटी, रिश्ते या पुराना विवाद घर के अंदर टकराव की जमीन तैयार कर सके। या कुछ ऐसे जिन्हें करियर रिवाइव करने या पहचान बनाने की जरुरत हो।

> माही विज, मैरी कॉम कंटेस्टेंट बनीं, बिग बॉस-20 की कास्टिंग से समझिए मेकर्स की 'कंट्रोवर्सी स्ट्रेटजी'

बिग बॉस 20 में भी यही फॉमूर्ला दिखाई दे रहा है। 15 कंटेस्टेंट्स ने घर में एंट्री ली, जिनमें माही विज, ईशा रिखी, आम्रपाली दुबे, मैरी कॉम, कनिका मान, गुल्लू, स्काउट, अर्शिफा खान और मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी जैसे नाम शामिल हैं। ईशा रिखी बादशाह से अलगाव ईशा रिखी ने फरवरी में सिंगर और रैपर बादशाह से सीक्रेट शादी की थी। कुछ हफ्तों बाद ईशा और उनके परिवार ने शादी की तस्वीरें पोस्ट कर शादी की कन्फर्मेशन दी, जबकि बादशाह ने इसका कन्फर्मेशन नहीं किया था। जल्द ही ईशा क्रिप्टिक पोस्ट भी शेयर करने लगीं, जिससे अनबन की खबरें रहीं। विवादों के चलते इसी हफ्ते बादशाह ने ईशा रिखी से तलाक की अनाउंसमेंट की है।

उनका कहना है कि तलाक आपसी सहमति से हुआ है। तलाक अनाउंस करने के महज चंद दिनों बाद ही ईशा शो में पहुंच गई हैं। जय भानुशाली से अलगाव माही और जय भानुशाली टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल थे, हालांकि 2026 में दोनों ने तलाक ले लिया है। माही कई बार व्लॉग के जरिए शादी और पर्सनल विवाद पर सफाई दे चुकी हैं। दोनों इस साल काफी चर्चा और विवादों में रहे हैं। आम्रपाली का नाम लंबे समय से निरहुआ (दिनेश लाल यादव) के साथ रिश्ते की अफवाहों से जोड़ा जाता रहा है।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह गुजरात के एकता नगर में होगा आयोजन

मुंबई। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के इतिहास में इस बार बदलाव होने जा रहा है। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का समारोह पहली बार नई दिल्ली से बाहर होगा। अधिकारियों के मुताबिक, इसके लिए गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) को चुना गया है। यहां दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 23 सितंबर के गुजरात दौरे के दौरान पुरस्कार प्रदान करने की संभावना है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह आम तौर पर नई दिल्ली में होता रहा है। पिछले साल 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का समारोह 23 सितंबर 2025 को दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए थे। अब 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए परंपरा में बदलाव किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस बार समारोह दिल्ली से बाहर गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित करने की तैयारी है।

> राष्ट्रपति मुर्मू देंगी पुरस्कार, 23 सितंबर को संभावित आयोजन

इसे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का पहला दिल्ली के बाहर आयोजन बताया जा रहा है। डियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 23 सितंबर को गुजरात दौरा प्रस्तावित है। वह महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी और इसके बाद पदरा में ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी।

जेल में भी मराठी नहीं सीख पाया : संजय दत्त

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने मराठी में बोलने से इनकार कर दिया। रविवार को मुंबई में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'मैं 6 साल तक येरवडा जेल में रहा, तब भी मराठी भाषा नहीं सीख पाया। संजय दत्त के बयान पर अब विवाद हो गया है। यह कार्यक्रम ठाणे में शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आयोजित किया था। संजय दत्त मंच पर हिंदी में बोल रहे थे। इस पर मंत्री ने उन्हें मराठी में बोलने के लिए कहा, लेकिन 67 साल के एक्टर ने मजाकिया अंदाज में ऐसा करने से मना कर दिया।

मिर्जापुर : द फिल्म के गाने शूरवीर पर विवाद खत्म

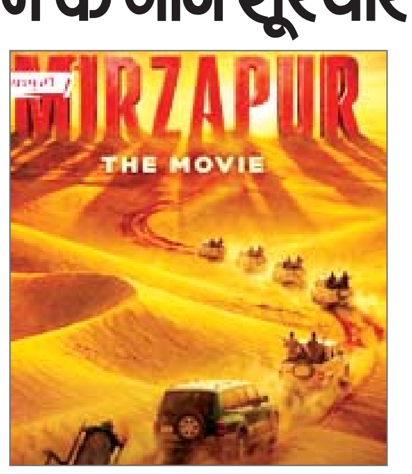

मुंबई। राजस्थानी रैपर और कलाकार रैपरिया बालम के गाने 'शूरवीर' को 'मिर्जापुरः द फिल्म' में इस्तेमाल करने पर विवाद हो गया था। रैपरिया बालम ने वीडियो जारी कर दावा किया था कि फिल्म में गाना उनकी अनुमति के बिना इस्तेमाल किया गया। हालांकि अब ये विवाद खत्म हो चुका है। अब गाने के म्यूजिक लेबल टूपर रिकॉर्ड्स ने बयान जारी कर कहा है कि उसने 'शूरवीर' को फिल्म में इस्तेमाल करने के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट को आधिकारिक लाइसेंस दिया था। टूपर रिकॉर्ड्स ने अपने बयान में लिखा, 'टूपर रिकॉर्ड्स यह साझा करते हुए खुश है कि 'शूरवीर' को 'मिर्जापुरः द फिल्म' में इस्तेमाल करने के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट को आधिकारिक तौर पर लाइसेंस दिया गया था। एक्सेल एंटरटेनमेंट और पूरी मिर्जापुर टीम को रिलीज पर बधाई। लेबल ने इसी बयान में गाने के क्रेडिट भी साझा किए। इसमें रैपरिया बालम को 'शूरवीर' का गायक और कंपोजर बताया गया है। शूरवीर गाना दिव्येंदु शर्मा के इस सीन पर इस्तेमाल हुआ है, जिसमें वो गोली चलाते दिखे हैं। टूपर रिकॉर्ड्स के इस बयान के बाद विवाद फिलहाल शांत होता दिख रहा है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि गाने के कलाकार रैपरिया बालम और लेबल के बीच अनुमति और अधिकारों को लेकर क्या सहमति थी। मिर्जापुरः द फिल्म 4 सितंबर को रिलीज हुई। फिल्म में शूरवीर गाना दिखाया गया।

> राजस्थानी सिंगर का आरोप था, बिना इजाजत इस्तेमाल किया गाना लिया, राज्य की छवि बिगाड़ी, कैसे सुलझा मामला

इसके बाद राजस्थानी सिंगर रैपरिया बालम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया कि ये गाना उनका है, जिसे बिना इजाजत इस्तेमाल किया गया। रैपर के मुताबिक, फिल्म में गाना मारधाड़ और गोलियां चलाने वाले सीन में इस्तेमाल हुआ, जिससे उनके राज्य की छवि खराब हुई। जबकि ये गाना उन्होंने महाराणा प्रताप पर बनाया था। वीडियो में उन्होंने कहा, 'आप में से कुछ लोग पूछ सकते हैं कि मेरा दिल क्यों टूटा है। आप कह सकते हैं कि मुझे खुश होना चाहिए, क्योंकि मेरा गाना मिर्जापुर में है। लेकिन मिर्जापुर की टीम ने मेरा गाना इस्तेमाल करने के लिए मेरी अनुमति नहीं ली।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com